RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 202
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 28 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अक्षय कुमार ने 45 लाख रुपए और दान दिए
विविध-12

नक्शा विवाद: नेपाल ने पीछे खींचे कदम

● निचले सदन में प्रस्ताव पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत में सरकार के पास 10 वोट कम

● काठमांडू ने लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नए मानचित्र में अपना क्षेत्र बताया है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली फाइल फोटो

भारत से सीमा विवाद को लेकर तनातनी के बीच नेपाल ने अपने नए नक्शे को लेकर कदम पीछे खींच लिए हैं। नेपाल की संसद में बुधवार को देश के नक्शे में बदलाव के लिए संवैधानिक संशोधन किया जाना था। लेकिन चर्चा तो दूर, इसे सदन के एजेंडे से ही बाहर कर दिया गया। हाल ही में नेपाल ने एक नया नक्शा जारी कर भारत के क्षेत्र को अपने क्षेत्र के तौर पर दर्शाया था। जब तक संवैधानिक तौर पर इस नए नक्शे को मान्यता नहीं मिल जाती, इससे वैध नहीं माना जा सकता है।

नेपाल की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेंजेटेटिव (प्रतिनिधि सभा) में संशोधन के लिए बुधवार को चर्चा होनी थी। कानून मंत्री शिवमाया तुंबहाम्पे को 2 बजे प्रस्ताव पेश करना था। भारत ने हाल ही में लिपुलेख तक सड़क निर्माण किया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसका उद्घाटन भी किया था, इसके बाद ही नेपाल की सरकार ने विरोध जताते हुए 18 मई को नया मानचित्र जारी किया था। इसमें भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपने क्षेत्र में बताया था। इसके बाद 22 मई को संसद में संविधान संशोधन का प्रस्ताव भी दिया था। हाल ही में भारत के सेना प्रमुख एमएम नरवणे ने कहा कि नेपाल ने ऐसा किसी और (चीन) के कहने पर किया।

नेपाल की सरकार को संविधान में संशोधन के लिए दो-तिहाई वोट की जरूरत है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सबकी सहमति से प्रस्ताव पारित करने के लिए मंगलवार शाम सभी पार्टियों की बैठक बुलाई थी, लेकिन मधेसी पार्टियों के नेता संशोधन के प्रस्ताव के साथ अपनी मांगों को भी शामिल करने का दबाव बना रहे हैं। जनता समाजवादी पार्टी के एक बड़े नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हम यह भी चाहते हैं कि हमारी लंबे समय की मांगों पर ध्यान दिया जाए, लेकिन अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को निचले सदन को निचले सदन से प्रस्ताव पास कराने के लिए 10 सीटों की जरूरत है। इसलिए सरकार को दूसरी पार्टियों को भी मनाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ओली और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने सभी पार्टियों से कहा है कि राष्ट्रीय एजेंडे में अपना पॉलिटिकल एजेंडा न लाएं।

इधर भारत के सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि हम नेपाल के घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाकर रख रहे हैं। सीमाओं का मुद्दा संवेदनशील होता है। इसे सुलझाने के लिए भरोसे और विश्वास के साथ-साथ दोनों ही ओर से संतोषप्रद माहौल की जरूरत होती है। हमें मालूम है कि नेपाल में इस मामले को लेकर बड़ी बहस चल रही है। यह इस मामले की गंभीरता की ओर इशारा करता है। साथ ही यह भारत और नेपाल के रिश्तों का महत्व भी बताता है। हम लगातार स्थिति पर नजर बनाकर रखेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने की मध्यस्थता की पेशकश

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अचानक भारत और चीन के बीच सीमा विवाद में मध्यस्थता करने की पेशकश की और कहा कि वह दोनों पड़ोसी देशों की सेनाओं के बीच जारी गतिरोध के दौरान तनाव कम करने के लिए 'तैयार, इच्छुक और सक्षम' हैं। ट्रंप ने पहले कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच भी मध्यस्थता की पेशकश की थी, लेकिन नई दिल्ली ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

भारत का कहना है कि द्विपक्षीय संबंधों में तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। ट्रंप ने आज सुबह-सुबह ट्वीट किया, 'हमने भारत और चीन दोनों को सूचित किया है कि अमेरिका उनके इस समय जोर पकड़ रहे सीमा विवाद में मध्यस्थता करने के लिए तैयार, इच्छुक और सक्षम है। धन्यवाद।'

चीन का रुख हुआ नरम वार्ता से सुलझेगा मसला

● बीजिंग ने कहा- भारत सीमा पर हालात पूरी तरह स्थिर और नियंत्रण-योग्य, हम एकदूसरे के लिए कोई खतरा नहीं

पीएनएस/एजेंसी। बीजिंग/नई दिल्ली

झाओ लिजिआन

भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर चीन ने अपना सुर बदल लिया है। बीजिंग ने बुधवार को कहा कि भारत के साथ सीमा पर हालात 'पूरी तरह स्थिर और नियंत्रण-योग्य हैं' तथा दोनों देशों के पास बातचीत और विचार-विमर्श करके मुद्दों को हल करने के लिए उचित तंत्र और संचार माध्यम हैं।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन की सेनाओं के बीच चल रहे गतिरोध की पृष्ठभूमि में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ये टिप्पणियां कीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने बीजिंग में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सीमा से संबंधित मुद्दों पर चीन का रुख स्पष्ट और सुसंगत है। उन्होंने कहा, 'हम दोनों नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति और दोनों देशों के बीच हुए समझौते का सख्ती से पालन करते रहे हैं।' वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो अनौपचारिक बैठकों के बाद उनके उन निर्देशों का जिक्र कर रहे थे जिनमें उन्होंने दोनों देशों की सेनाओं को परस्पर विश्वास पैदा करने के वास्ते और कदम उठाने के लिए कहा था।

विदेश मंत्रालय के बयान से एक दिन पहले राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सबसे खराब स्थिति की कल्पना करते हुए सेना को युद्ध की तैयारियां तेज करने का आदेश दिया और उससे पूरी दृढ़ता के साथ देश की सम्प्रभुता की रक्षा करने को कहा। झाओ ने कहा, 'हम अपनी क्षेत्रीय संप्रभुत्ता और सुरक्षा की रक्षा तथा सीमावर्ती इलाकों में शांति एवं स्थिरता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब चीन-भारत सीमा इलाके में हालात पूरी तरह स्थिर और नियंत्रण योग्य हैं।' उन्होंने सीमा पर तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास (शेष पेज 9)

घरेलू उड़ानों ने बढ़ाई चिंता, अब तक सात यात्री संक्रमित मिले

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रवासी मजदूरों के बाद हवाई यात्रा कर घर लौटने वाले कोरोना वायरस के वाहक बनकर उभरे हैं। इससे देषभर में महामारी के और तेजी से फैलने का खतरा पैदा हो गया है। बीते 25 मई से घरेलू उड़ानें शुरू हुई हैं। उसके बाद से अब तक अलग-अलग चार फ्लाइट में सात पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। इनमें तीन यात्री जम्मू पहुंचे हैं जबकि एक दिल्ली-लुधियाना फ्लाइट में एयर इंडिया का कर्मचारी और एक यात्री इंडिगो की चेन्नई से कोयम्बटूर उड़ान में कोरोना का मरीज षामिल है। इनके अलावा टोरंटो से दिल्ली की फ्लाइट से भारतीयों को लाने वाले एयर इंडिया के विमान के दो क्रू मेंम्बर भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए।

घरेलू उड़ानों में कोरोना वायरस रोगी मिलने की घटना ने न केवल हवाई अड्डों द्वारा सुरक्षा मानदंडों को लागू करने में, बल्कि उड़ान संचालन को फिर से शुरू करने के पूरे फैसले पर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। हवाई मार्ग से जम्मू पहुंचने वाले तीन हवाई यात्री बुधवार को कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए। इससे पहले मंगलवार को दिल्ली-लुधियाना की फ्लाइट में दिल्ली निवासी यात्री को कोरोना मिला था। इसके बाद फ्लाइट में सवार सभी 36 यात्रियों और चार क्रू मेम्बर को पंजाब सरकार के नियमों के अनुसार क्वॉरंटीन कर दिया गया। एयर इंडिया के मुताबिक, कोरोना पॉजिटिव यात्री एलायंस एयर के सुरक्षा विभाग में काम करता है, वह पेड टिकट पर यात्रा कर रहा था। बीते सोमवार को 24 वर्षीय यात्री चेन्नई-कोयम्बटूर इंडिगो की उड़ान में कोरोना का मरीज निकला। इसके बाद एयरलाइन ने 14 दिनों के लिए उड़ान के चालक दल को काम से हटा लिया। मरीज को भी कोयम्बटूर में क्वॉरंटीन कर दिया गया है। कई यात्रियों की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उड़ान के विवरण से अवगत लोगों के अनुसार, इस विमान में 93 यात्री सवार थे। एयरलाइंस ने मरीज के पॉजिटिव आने की पुश्टि की है। अंतरराष्ट्रीय उड़ान में भी दो लोग कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। दोनों कनाडा के टोरंटो में फंसे भारतीय नागरिकों को दिल्ली लाने वाले एयर इंडिया के विमान के चालक दल के सदस्य हैं। वे वंदे भारत मिषन के तहत 21 मई की उड़ान का हिस्सा थे।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, भारतीय हवाई अड्डों ने कोविड-19 के साए में दोबारा उड़ानें षुरू होने के दूसरे दिन 62,641 यात्रियों को मंजिल तक पहुंचाया। इनमें 445 विमानों ने उड़ान भरी जबकि 447 आए हैं। इनके अलावा 6 उड़ानों का समय दोबारा तय किया गया। इससे पहले मंगलवार को पुरी ने बताया कि उड़ानें शुरू होने के पहले दिन 58,318 से अधिक यात्रियों ने अपने गंतव्य तक पहुंचाया गया। सोमवार को लगभग 832 उड़ानें संचालित हुईं।

लॉकडाउन में घर चले गए बच्चे वहीं देंगे बोर्ड परीक्षा

● सीबीएसई 10वीं और 12वीं की परीक्षा छात्रों के वर्तमान स्थल पर कराने कोशिश में जुटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के दौरान जो बच्चे अपने गृह जिलों या अन्य प्रदेश में चले गये हैं, उन्हें अधिक परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि सीबीएसई उनकी 10वीं और 12वीं की परीक्षा उन्हीं जिलों मे करवाने का प्रयास कर रही है।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने यह जानकारी दी। निशंक ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण हजारों बच्चे अपने गृह प्रदेश में चले गए थे। ऐसी स्थिति में बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने जा रहे विद्यार्थियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने यह फैसला लिया है कि ऐसे विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा अपने गृह जिले में ही दे सकते हैं।

मंत्री ने कहा कि छात्रों को परीक्षा देने के लिये बोर्ड द्वारा पूर्व में निर्धारित किए गये परीक्षा केंद्र आने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इस बारे में छात्रों को अनुरोध पंजीकृत कराने के लिये सीबीएसई रूपरेखा की घोषणा करेगा। निशंक ने कहा कि छात्र स्कूल को इस बारे में सूचना दे कि वह किस जनपद में है और कहां से अपनी परीक्षा देना चाहता है। उन्होंने कहा (शेष पेज 9)

चंदौली में एक ही परिवार के चार सदस्यों की ट्रेन से कटकर मौत

पायनियर समाचार सेवा। चंदौली

सदर कोतवाली क्षेत्र के जगदीश सराय हिनौता गांव के समीप मंगलवार की रात मालगाड़ी से कटकर महिला समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। एसपी हेमंत कुटियाल ने बताया कि स्टेशन मास्टर मझवार अनिल कुमार से जानकारी मिली कि एक मालगाड़ी जो मुगलसराय से सैयदराजा की तरफ जा रही थी, उससे कटकर चार लोगों की मौत हो गयी है। पुलिस को मिले मोबाइल से उनकी शिनाख्त सैयदराजा थाना क्षेत्र के सुदाव गांव के रहने वाले रामउग्रह मौर्य की पत्नी प्रेम शिला देवी (38), चंचल (23), रंजना (16) और अजित के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पता चला है कि पति-पत्नी में विवाद था जिसे लेकर पंचायत भी बैठी थी। पति का आरोप था कि पत्नी का किसी के साथ अफेयर चल रहा है।

बलिया, वाराणसी में चार श्रमिक ट्रेनों में मृत मिले

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बुधवार को एलटीटी मुंबई से मंडुआडीह पहुंचने वाली ट्रेन में दो प्रवासी श्रमिकों ने दम तोड़ दिया तो मंगलवार की रात बलिया पहुंची श्रमिक स्पेशल ट्रेन में दो की मौत हो गई। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रवक्ता अशोक कुमार ने बताया कि मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल से एक श्रमिक स्पेशल ट्रेन सुबह आठ बज कर करीब 21 मिनट पर वाराणसी मंडल के मंडुवाडीह स्टेशन पहुंची।

ट्रेन में राजकीय रेलवे पुलिस को दो व्यक्ति मृत मिले। मंडल चिकित्सालय से चिकित्सकों ने मंडुवाडीह पहुँच कर मृतकों की जाँच की। तब पता चला कि दोनों श्रमिक पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त थे। श्रमिक स्पेशल ट्रेन के एस-15 कोच में मिला पहला मृतक, 30 वर्षीय दिव्यांग दशरथ प्रजापति था।

जौनपुर जिले के पुरालाल गांव का निवासी दशरथ लकवाग्रस्त था और मुंबई में अपनी गुर्दे की बीमारी का इलाज करा रहा था। एस-एल-आर कोच में मिला दूसरा मृतक 63 वर्षीय राम रतन गौड़ था। आजमगढ़ जिले के सरहदपार गांव का रहने वाला राम रतन गौड़ भी बीमारियों से ग्रस्त था।मृतक दशरथ के बहनोई पन्ना लाल ने बताया हम लोग कुल नौ परिजन, ट्रेन में सफर कर रहे थे। दशरथ, कमर (शेष पेज 9)

भारत में कोरोना के 6,387 नए मामले

● संक्रमण से 170 अन्य लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बीते 24 घंटे में देश में कोविड-19 के 6,387 नए मामले सामने आए और संक्रमण से 170 लोगों की मौत हुई। इसके साथ देश में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 1,51,767 पर पहुंच गए तथा संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या 4,337 हो गई।

मंत्रालय के बुलेटिन के मुताबिक 83,004 लोगों का उपचार चल रहा है जबकि 64,425 लोग स्वस्थ हो गए हैं और एक मरीज विदेश चला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, करीब 42.45 प्रतिशत मरीज अब तक स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों में विदेशी नागरिक (शेष पेज 9)

दिल्ली में एक दिन में सबसे ज्यादा 792 केस

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 792 नए मामले सामने आए हैं जो कि अब तक एक दिन में सबसे ज्यादा है। अब तक 303 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 22 मई को सबसे ज्यादा 660 नए मामले सामने आए थे। यह पहली बार है जब दिल्ली में एक दिन में संक्रमण के 700 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। बुधवार को जारी एक बुलेटिन में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि कोरोना वायरस से मृतकों की संख्या 303 तक पहुंच गई है और कुल 15,257 लोग संक्रमित हैं। बुलेटिन में यह भी बताया गया है कि मृतकों (शेष पेज 9)

कई स्तरों वाला कपड़े का मास्क भी उपयोगी

भाषा। टोरंटो

आजकल विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर घर में मास्क बनाने का तरीका बताने वाले वीडियो की भरमार आई हुई है और ये वीडियो काफी फायदेमंद भी साबित हो सकते हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार सूती के कपड़े की कई परतों से बने मास्क छींकने या खांसने से पर्यावरण में गिरने वाली छीटों को अवरुद्ध कर सकते हैं, जिससे कोरोना वायरस फैलने का खतरा कम हो सकता है। कनाडा में मैकमास्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कहा कि विषाणु का सबसे अधिक संक्रमण बोलते, खांसते या छींकते हुए गिरने वाली छींटों से होता है और कुछ संक्रमण तब फैलता है जब इन कणों या छींटों से पानी वाष्पीकृत होकर एयरोसोल के आकार के कणों में बदलता है। सूक्ष्म ठोस कणों अथवा तरल बूंदों के हवा या किसी अन्य (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	31,605	↑ 995
निफ्टी	9,314	↑ 285
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

वायुसेना ने एलसीए तेजस को शामिल किया

कोयंबटूर। भारतीय वायुसेना ने बुधवार को पहला हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एफओसी (फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेंस) मानक शामिल किया और शहर के बाहरी हिस्से सुलूर में स्थित वायुसेना केंद्र में 18 वी स्क्वाड्रन फ्लाइंग बुलेट्स का संचालन किया। तेजस एमके-I को शामिल करने के मौके पर अंतर-धार्मिक प्रार्थना भी हुई। यह विमान बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटिड (एचएएल) ने बनाया है। इसके अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक आर माधवन ने विमान के कागजात वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया को सौंपे। तेजस को शामिल करने के दौरान नारियल भी तोड़ा गया।

कोरोना का सस्ता इलाज करने वाले अस्पतालों की पहचान हो

● सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा, मुफ्त या कम खर्च में हो मरीजों का उपचार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केन्द्र से कहा कि वह उन निजी अस्पतालों की पहचान करे, जो कोविड-19 के मरीजों का मुफ्त या कम खर्च में इलाज कर सकते हैं।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इस मामले की सुनवाई करते हुये टिप्पणी की कि ऐसे निजी अस्पताल हैं जिन्हें मुफ्त या बेहद कम दामों पर जमीन आबंटित की गयी है और उन्हें कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का निःशुल्क इलाज करना चाहिए।

पीठ ने सालिसीटर जनरल तुषार मेहता से कहा, 'आप उन सभी अस्पतालों की पहचान करके पता लगायें। उन्हें या तो मुफ्त या फिर नाममात्र की कीमत पर भूमि आबंटित की गयी (शेष पेज 9)

स्टार्टअप शुरू करने वालों को जमीन आवंटन में प्राथमिकता

● उद्योगों को बढ़ावा देने का प्रयास, 30 जून तक कर सकते हैं आवेदन

रिंकू यादव। नोएडा

यमुना प्राधिकरण का फैसला

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने वालों में जमीन आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे आवेदनकर्ताओं को 20 प्रतिशत का आरक्षण मिलेगा। यह आरक्षण नये लोगों को स्वरोजगार के लिए दिया जा रहा है। इसके लिए तीन कलस्टरों की योजना चल रही है।

इसमें 30 जून तक आवेदन किया जा सकता है। यमुना प्राधिकरण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लॉकडाउन में भी प्रयास कर रहा है। ओपन एंडेड योजनाओं में आने वाले आवेदनों को वीडिया कांफ्रेंसिंग के जरिये निपटारा किया जा रहा है। वहीं, प्राधिकरण क्षेत्र में तीन कलस्टर बसाने के लिए योजना चल रही है। अपैरल कलस्टर, हैंडीक्राफ्ट कलस्टर व एमएसएमई कलस्टर में 30 जून तक आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन आने के बाद इनका ड्रा निकाला जाएगा। इन योजनाओं में प्राधिकरण ने स्टार्टअप शुरू करने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें 20 प्रतिशत का आरक्षण रखा गया है। स्टार्टअप में आवेदन करने वालों को केंद्र सरकार की स्टार्टअप स्कीम में रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। तभी इस योजना का लाभ मिल सकेगा। अगर स्टार्टअप के आवेदन नहीं आए तो उन भूखंडों को सामान्य श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

> 'यमुना प्राधिकरण ने कलस्टर योजना में स्टार्टअप वाले आवेदनों को आरक्षण दिया है। ताकि लोग स्वरोजगार के लिए प्रेरित हो सकें। अगर इस श्रेणी के आवेदन नहीं आए तो आरक्षित भूखंडों को सामान्य श्रेणी में डाल दिया जाएगा।'
>
> **डॉ. अरुणवीर सिंह**
> **सीईओ यमुना प्राधिकरण**

रेडीमेड गारमेंट के लिए पूर्व में निकाली गई योजना में 64 आवेदन आ चुके हैं। इन आवेदनों का निस्तारण दो जून को किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, आवेदनकर्ताओं को भी इसकी सूचना दे दी गई है ताकि वह भी (शेष पेज 9)

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ऑनलाइन काम पर जोर

नोएडा। कोविड-19 को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ऑनलाइन काम करने पर जोर दिया है। प्राधिकरण के अफ सरों का कहना है कि दफ्तर में आवंटियों का आना.जाना कम हो, इसके लिए ऑनलाइन कार्यप्रणाली को बढ़ावा दिया जाए। इसके अलावा अप्रशिक्षित श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जाए। इसके लिए जल्द काम शुरू होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें कई निर्णय लिए गए। बैठक में प्राधिकरण की कार्यप्रणाली को अधिकाधिक आनलाइन किए जाने पर जोर दिया गया। इससे प्राधिकरण आए (शेष पेज 9)

बिना तैयारियों के अचानक से लगाया लॉकडाउन : कुमारी सैलजा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने कहा कि कोरोना महामारी को देखते हुए बिना तैयारियों के अचानक से लगाए गए लॉकडाउन के कारण आज हरियाणा प्रदेश में लाखों श्रमिक, गरीब वर्ग के लोग, किसान, छोटे-बढ़े उद्योग, व्यापारी पूरी तरह से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। कुमारी सैलजा बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रेस वार्ता को संबोधित कर रही थी।

प्रेस वार्ता में उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा गुरुवार 28 मई को देशव्यापी स्तर पर ऑनलाइन अभियान स्पीक अप इंडिया चलाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान में जरूरतमंद लोगों की आवाज उठाई जाएगी और सरकार से अपील की जाएगी कि वह संकट की इस घड़ी में लोगों को राहत देने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल करे। उन्होने कहा कि आज लाखों श्रमिकों का रोजगार छिन चुका है। रोजगार खत्म हो जाने की वजह से और वेतन न मिलने के कारण उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है और न ही रहने का कोई ठिकाना है। भाजपा सरकार द्वारा इन श्रमिकों के लिए कोई राशन, खाना, जरूरी चीजों और किसी भी राहत का कोई उचित प्रबंध नहीं किया गया। पहले इन श्रमिकों को उनके घरों पर

सरकार की नाकामियों के कारण देशवासियों ने झेलीं बड़ी परेशानियां

जनता के लिए कोई सार्थक कदम नहीं केंद्र का राहत पैकेज केवल छलावा

लाखों श्रमिक, गरीब किसान, छोटे-बढ़े उद्योग, व्यापारी सब परेशान

भेजने के लिए सरकार द्वारा कोई इतंजाम नहीं किए गए। इंतजाम न किए जाने से प्रवासी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की अपने घर जाने के लिए सड़कों पर पैदल ही निकल जाने की तस्वीरों, वीडियो और समाचारों ने देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है, इनके लिए सड़कों पर सरकार द्वारा खाने का कोई इंतजाम नहीं किया गया। इनके लिए रेल और बस देरी से चलाई गई। प्रदेश में घर जाने के लिए आठ लाख श्रमिकों ने अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जबकि सिर्फ दो लाख श्रमिकों को भेजा गया। जो

श्रमिक हरियाणा की सरकार ने उत्तर प्रदेश भेजे, उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वापस भेज दिया, जबकि केंद्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों जगह भाजपा की सरकारें हैं। इन सरकारों के बीच तालमेल नहीं है या सिर्फ श्रमिकों को भेजने का दिखावा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वहीं हरियाणा प्रदेश के किसान वर्ग ने इस सरकार की नाकामियों के कारण बड़ी परेशानियां झेलीं, न तो उन्हें फसल काटने के लिए मशीनें और मजदूर मिले और बाद में जब उनकी फसल खरीद की बारी आई तो उन्हें सरकार की नाकामियों का सामना करना पड़ा। इस महामारी में सरकार द्वारा तुगलकी फरमान जारी करके कई हिस्सों में धान की खेती पर रोक लगा दी गई है। यह फैसला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि आज हरियाणा प्रदेश की बेरोजगारी दर बढ़कर 43.02 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है, लेकिन हरियाणा सरकार द्वारा नया रोजगार देना तो दूर पुराने कर्मचारियों को ही नौकरी से निकाला जा रहा है और कर्मियों को वेतन नहीं दिया जा रहा।

सैलजा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्र सरकार और हरियाणा कांग्रेस द्वारा प्रदेश सरकार को इन दुखी वर्गों को राहत देने के लिए कई सुझाव दिए जा रहे हैं ,परंतु केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा जनता के लिए कोई सार्थक कदम नहीं उठाए गए हैं और लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा राहत पैकेज में भी जनता के साथ छलावा किया गया। सरकार की ओर से घोषित राहत पैकेज जीडीपी का 10 फीसद नहीं, केवल एक फीसद है। इस अभियान के लिए हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा और कांग्रेस विधायक दल के नेता व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पार्टी के सांसद, विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी संगठनों व कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक भी की और इस अभियान की तैयारियों के बारे में चर्चा की गई।

आग ने पूंडरी क्षेत्र में मचाया तांडव, छह हजार क्विंटल पराली आग की भेंट चढ़ी

व्यापारी का लगभग 18 से 20 लाख रुपये का नुकसान

पूंडरी। पूंडरी से ढांड रोड पर गुरुकुल पूंडरी के पास लगे पराली के स्टाकों में अचानक लगी आग से लगभग छह हजार क्विंटल पराली जलकर राख हो गई है। जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी जा रही है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन आग इतनी तेज थी कि जिन दो स्टॉक में आग लगी हुई थी। उन पर काबू नहीं पाया गया, लेकिन साथ लगे अन्य स्टॉक को पानी से भिगोकर बचा लिया है।

फतेहपुर निवासी ललित वालिया ने ढांड रोड पर पराली लगाकर उसकी कटाई कर दूसरे राज्यों राजस्थान व गुजरात में बेचने का काम करते थे। आग से लगभग 20 लाख रुपये की पराली तो आग कि भेंट चढ़ गई। स्टॉक के साथ खड़ी पराली प्रेस करने वाली मशीन, जिसकी कीमत लगभग पांच लाख है, वह भी आग से क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

डीसी कैथल ने भी दिए थे कार्रवाई करने के निर्देश : 3 फरवरी के डीसी कैथल सुजान सिंह के पूंडरी तहसील कार्यालय के निरीक्षण करने के दौरान भी स्थानीय लोगों ने पराली को लेकर शिकायत कर पूरे मामले से अवगत करवाया था और डीसी ने भी डीडीपीओ से बात कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इन आदेशों के बावजूद भी कोई अमल नहीं हुआ।

> **इस** बारे में पहले भी कई बार पराली व्यापारियों को नोटिस जारी किये गये थे। अब भी कार्रवाई के बारे में डीसी साहब से बात की जाएगी। पराली स्टॉक करने वालों को पहले भी पराली स्टॉक उठाने के लिए कई बार नोटिस जारी किये गये थे।
>
> **सुभाष चंद नायब, तहसीलदार पूंडरी।**

गत वर्ष 70 लाख रुपये की पराली जलकर राख हुई थी : गत वर्ष भी पराली के ढेरों में आग लगने से लगभग 70 लाख रुपये की पराली जल चुकी थी और इन ढेरों के आसपास गेहूं की फसल पककर तैयार थी और आग आगे न बड़े इसके लिए प्रशासन द्वारा लगभग 21 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर दो दिनों तक आग पर काबू पाया गया था। अगर आग की चपेट में उस समय गेहूं की फसल आ जाती तो न जाने कितनी हजार एकड़ गेहूं फसल जल जाती। सप्ताह भर आसपास के वातावरण में धुआं ही धुआं फैलने से लोगों को सांस लेने तक में भारी दिक्कतें आई थी।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी अस्पताल में 56 लोगों की हुई रैंडम टेस्टिंग

रादौर। कोरोना वायरस को लेकर बुधवार को शहर के सरकारी अस्पताल में 56 लोगों की रैंडम टेस्टिंग की गई। इनमें विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारियों सहित रेड व हाट स्पॉट एरिया से आने वाले लोग भी शामिल रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पताल में पुलिस, एसडीएम कार्यालय, नगरपालिका, तहसील के कर्मचारियों व शहर के दुकानदारों के महामारी को लेकर सैंपल लिये गये। एसएमओ डॉ. विजय परमार ने बताया कि कोरोना बीमारी के बीच सरकारी कर्मचारी दिन रात अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोई रिस्क न लेकर कर्मचारियों की भी टेस्टिंग कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा लोगों की घर घर जाकर भी स्क्रीनिंग की जा रही है और कोरोना वायरस को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट है। इसलिए विभाग किसी भी प्रकार की कोताही बरतना नहीं चाहता।

वाहन गलत ढंग से पार्क करने पर 21 के चालान, 7 वाहन जब्त

सोनीपत। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा के निर्देशानुसार पुलिस व नगर निगम की सयुंक्त टीम ने शहर सोनीपत में रांग पार्किंग, अतिक्रमण व सोशल डिस्टेंस को लेकर चलाए गए अभियान में गलत ढंग से वाहन पार्क करने पर 21 के चालान किए और 7 वाहनों को जब्त किया। उप पुलिस अधीक्षक डा. रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में प्रबंधक थाना शहर सोनीपत, इंचार्ज यातायात व नगर निगम की संयुक्त टीम ने सोनीपत के बाजारों में गलत ढंग से वाहन पार्क करने पर 21 के चालान कर 7 वाहनों को जब्त किया गया। अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध भी भविष्य में आदेशों का पालन न करने पर लाइसेंस रद्द किये जाने की चेतावनी दी गई। सोशल डिस्टेंस को लेकर दुकानों के बाहर सुरक्षा की दृष्टि से बनवाए गए गोल चक्र और सोशल डिस्टेंस को लेकर सभी दुकानदारों को समझाया और यातायात को सुचारू रूप से चलाने तथा अपने वाहनों को सही जगह पार्क करने के निर्देश दिये गये।

खरीफ फसलों की बिजाई के लिए कृषि यन्त्रों पर अनुदान

पलवल। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ. महावीर सिंह ने बताया कि कृषि विभाग, हरियाणा द्वारा वर्ष 2020-21 में वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान मजदूरों की कमी को देखते हुए खरीफ फसलों की बिजाई के लिए धान की सीधी बिजाई मशीन (डीएसआर), नयुमेटिक प्लांटर, मल्टी क्रॉप मेज प्लांटर, पेडी ट्रांसप्लांटर 4 कतार में, व 4 से 8 कतार वाली मशीनों पर किसानों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन स्कीम के तहत अनुदान दिया जाएगा, जिसमें अनुसूचित जनजाती, सीमान्त व लघु किसान तथा महिला किसान के लिए 50 प्रतिशत व सामान्य जाति के लिए 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाना है। किसान द्वारा मशीन खरीदने के उपरान्त विभाग की विभागीय पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.एजीआरआईएचएआरवाईएएनएसीआरएम.सीओएम पर 30 जून 2020 तक बिल, ई-बे बिल व मशीन के साथ किसान का फोटो पोर्टल पर अपलोड किया जाना है। मशीनो के भौतिक सत्यापन के समय किसान को पूर्ण दस्तावेज जैसे आवेदन प्रार्थना पत्र की प्रति, आधार कार्ड, पैन कार्ड व टैक्टर की आरसी., बैक खाते की कॉपी, जमीन की रिपोर्ट व हल्फनामा जमा करवाने है। अगर कोई भी दस्तावेज गलत पाया जाता है तो उस किसान का आवेदन रद्द कर दिया जाएगा और वह किसान अनुदान का पात्र नहीं होगा।

किरियाना स्टोर में लगी आग, सामान जलकर राख

सोनीपत। शहर के देव नगर इलाके में बीती रात अज्ञात कारणों से किरियाना स्टोर में आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखा सामान जलकर राखा हो गया। आग की जानकारी मिलने के बाद भाजपा नेता राजीव जैन ने मौके पर जाकर पीड़ित को सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि नियमानुसार उन्हें मदद कराई जाएगी। राजीव जैन बुधवार को देव नगर में गौतम स्कूल वाली गली में पहुंचे, जहां बीती देर रात किरियाना स्टोर में आग लग गई थी। उन्होंने पीड़ित जितेंद्र कुमार पुत्र दलीप सिंह को सांत्वना दी। पीड़ित से आगजनी के कारण जानने तथा नुकसान का जायजा लेने उपरांत जैन ने कहा कि व्यापारी के सुख-दुख में प्रदेश सरकार भागीदार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति बीमा योजना के तहत सभी पंजीकृत जीएसटी व्यापारियों को ऐसी स्थिति में नुकसान होने पर 5 लाख रुपए से लेकर 25 लाख रुपये तक की मदद की जाती है, ताकि व्यापारी पुन: अपने व्यवसाय को शुरू कर सके। उन्होंने कहा कि पीड़ित को सरकार की योजना अनुसार मदद दिलवाई जाएगी। इस मौके पर राजेन्द्र, फत्ते सिंह, भूप सिंह, प्रेम, ताज, संदीप, मेहर सिंह आदि मौजूद रहे।

सरपंच करा रहे साढ़े छह एकड़ के रास्ते को पक्का

असंध। गांव खिजराबाद में साढ़े छह एकड़ के रास्ते को पहली बार किया जा रहा है पक्का। विदित रहे कि यह रास्ता बक्शीश सिंह विर्क द्वारा असंध का विधायक रहते अंतिम चरण में दी गई ग्रांट से बनाई जा रही है। कनिष्ठ अभियंता राजबीर सिंह ने बुधवार को निरीक्षण किया। विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए बुधवार को कनिष्ठ अभियंता और ग्राम सचिव प्रेम सिंह जागलान गांव पहुंचे। उन्होंने गांव में निरीक्षण के बाद गांव के सरपंच से बातचीत की। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि मेजर सिंह, छत्रपाल सिंह, सुरेश कुमार, सतबीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

ड्रेन, नालों व तालाबों की सफाई कराने की व्यवस्था करें : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

उपायुक्त सुजान सिंह ने कहा कि बरसाती सीजन से पूर्व सभी संबंधित विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में पड़ने वाली ड्रेन व नालों, तालाबों आदि की समूचित साफ-सफाई कराने की व्यवस्था करें।

मानसून सीजन से पहले जिला में बाढ़ प्रबंधन की दिशा में व्यापक प्रबंध सुनिश्चित हो। सभी तैयारियां व्यवहारिक रूप से पूरी होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी कार्य क्षेत्रों में जाकर व्यवस्था का निरंतर मोनिटरिंग करते रहें, ताकि आने वाले समय किसी भी प्रकार की कोई भी दिक्कत नहीं रहे। उपायुक्त सुजान सिंह लघु सचिवालय में बाढ़ प्रबंधन को लेकर

अधिकारियों की बैठक लेते डीसी।

अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने-अपने विभाग से संबंधित बाढ़ प्रबंधन के लिए काम आने वाले सामान जैसे जेनरेटर, गाड़ियां, रिकवरी वैन, ट्रैक्टर आदि की पूरी लिस्ट अपलोड करें। इस अवसर पर एसडीएम कमलप्रीत कौर, विवेक चौधरी, शशि वसुंधरा, नगराधीश सुरेश राविश, डीआरओ सुरेश कुमार, बिजली विभाग के अधीक्षक अभियंता बीएस रंगा, जन स्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक अभियंता देवीलाल, एक्सईएन बनारसी दास मौजूद रहे।

टिड्डी दल से कैथल के किसान रहें सचेत

कैथल। उपायुक्त सुजान सिंह ने बताया कि राजस्थान के कई जिलों जैसे झुंझनू, हनूमानगढ़ व अन्य जिलों में टिड्डी दल का प्रकोप पाया गया है। हरियाणा राज्य की सीमा राजस्थान से लगती है इसलिए हरियाणा में भी टिड्डी के आक्रमण की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

टिड्डी दल काफी बड़ी मात्रा में हानि पहुंचाता है तथा फसलों एवं अन्य वनस्पतियों के पत्तों को खा जाते है। टिड्डी कीट ग्रास हॉपर से मिलता जुलता है जिसका रंग गुलाबी व पीला होता है। पीले रंग का टिड्डी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि इनकी तादात ना बढ़े। जिला में अभी तक टिड्डी दल का कोई प्रकोप नहीं है फिर भी किसाना भाई इस बारे में सचेत रहें तथा रात के समय भी खेतों में गस्त करते रहे। टिड्डी दल का कन्ट्रोल के लिए खेतों में ड्रम या पीपे बजाकर टिड्डी को भगाया जा सकता है। इसके अलावा धुआं करके, नीमयुक्त कीटनाशक व क्लोरेपायरिफोस 50 प्रतिशत ईसी का 450 मिली व क्लोरेपायरिफोस 20 ईसी 1200 एमएल प्रति एकड़ के हिसाब से दवा का छिड़काव करके भी इस कन्ट्रोल किया जा सकता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. कर्मचंद ने कीट के प्रकोप से बचाव के लिए ने सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

छात्रों को जनरल प्रोमोशन और फीस माफ करने की मांग

कैथल। अग्रवाल वैश्य समाज स्टूडेंट आर्गेनाईजेशन ने प्रदेश सरकार से छात्रों को जनरल प्रोमोशन और फीस माफ करने की मांग की है। आज आर्गेनाईजेशन के कैथल जिलाध्यक्ष अजय गर्ग द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश राविश को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज स्टूडेंट आर्गेनाईजेशन ने मांग की है कि कोरोना कॉल में लॉक डाउन के चलते आमजन के आर्थिक हालात को देखते हुए प्राइवेट एवं सरकारी स्कूल, कॉलेज के छात्रों के लिए जनरल प्रोमोशन और फीस माफ की जाएं। जिलाध्यक्ष अजय गर्ग, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुलशन मित्तल, पूर्व उपाध्यक्ष संचित गुप्ता, संदीप गर्ग भी उपस्थित रहे।

इंद्री के सरकारी अस्पताल में 43 लोगों की कोरोना जांच की गई

इंद्री। सरकारी हस्पताल में बुधवार को विभिन्न प्रकार के व्यवसाय करने वालों एवं सरकारी कर्मचारियों की कोरोना जांच की गई। एसएमओ डॉ. दीपक गुप्ता एवं डॉ. श्रुति शर्मा ने बताया कि सरकारी अस्पताल में लगभग 43 लोगों के कोरोना टैस्ट किये हैं जिनमें ऐसे वर्ग के लोगों को शामिल किया जोकि रोजाना आम जनता के संपर्क में रहते हैं। उन्होंने बताया कि जो कोई भी आदमी जिसकी ट्रैवल हिस्ट्री हो या जिसमें फलू बीमारी के लक्षण जैसेकि खांसी, बुखार या गले में दर्द आदि हो को जांच अवश्य करानी चाहिये। बुधवार को टैस्टों में सब्जी बेचने वाले, पुलिस कर्मचारी, मीडियाकर्मी, गर्भवती महिलाए की जांच की।

किसानों की फसलों की पेंमेंट का भुगतान जल्द होगा : अजय चौटाला

अजय चौटाला पहुंचे कैथल, अभय चौटाला पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

जजपा प्रमुख दुष्यंत चौटाला के पिता डॉ. अजय सिंह चौटाला कैथल के गांव खुराना में जजपा नेता रामफल खुराना के निवास स्थान पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं का कुशलक्षेम जाना। अजय चौटाला ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अभय चौटाला ने कहा था कि दुष्यंत चौटाला को खेती करनी नहीं आती उन्होंने कहा कि अगर दुष्यंत चौटाला को खेती करनी

कैथल में पत्रकारों से बातचीत करते अजय चौटाला।

नहीं आती तो वह संसद में किसानों की समस्या देखते हुए ट्रैक्टर लेकर न पहुंचते।

दुष्यंत चौटाला ने हमेशा किसानों की आवाज को बुलंद किया है चाहे वह लोकसभा हो या अब विधानसभा।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला किसानों के हितों के लिए इस समय कई योजनाएं लेकर आ रहे हैं उन्होंने कहा कि खट्टर दुष्यंत सरकार में किसानों को अभी सीजन में कोई परेशानी नहीं आने दी। उनकी फसल का एक-एक दाना खरीदा गया है हालांकि लेबर की वजह से थोड़ी परेशानी जरूर हुई लेकिन मंडी में बारदाना या किसी प्रकार की अन्य समस्या किसानों को नहीं आने दी। इस अवसर पर जजपा जिलाध्यक्ष रणदीप कौल, रामफल मलिक, राजू ढुल पाई, राजू जुलानीखेड़ा आदि भी मौजूद थे।

ट्रांसपोर्ट को निजी रूट परमिट देने का रोडवेज यूनियनों ने किया विरोध

कैथल। लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेंस हाल में रोडवेज कर्मियों की हुई बैठक में सर्व कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उपप्रधान जसबीर सिंह, महासंघ यूनियन के प्रधान महाबीर सिंधु, प्रधान रणबीर सिंह बालू व सुशील कुमार, बलवान कुण्डू उपस्थित रहे। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हरियाणा परिवहन विभाग द्वारा ट्रांसपोर्ट को निजी रूट परमिट देने की तरफ एक बार फिर कदम बढ़ाया जा रहा है।

रोडवेज विभाग स्टेट कैरिज स्कीम 2016 में संशोधन कर निजी अपोस्टरों को परमिट देना चाहती है जिसका रोडवेज यूनियनों द्वारा विरोध किया गया। उनका कहना था कि बैठक में महानिर्देशक के सामने रोडवेज यूनियनों द्वारा अपनी बात रखनी चाही तो उनको अनसुना कर दिया। सचिब राजपाल शर्मा, प्रवीन क्योड़क व बिमल शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा इस संकट की घड़ी में कोरोना महामारी से निपटने व कर्मचरियों को सुरक्षा उपकरण तथा सुविधा उपलब्ध करवाने पर ही ज्यादा समय लगाना चाहिए।

सरकार ने एक तरफ तो सरकारी भर्ती करने व अन्य जरूरी कार्यों की एक वर्ष के लिए तुरन्त प्रभाव से रोक लगा दी परन्तु दूसरी तरफ पूंजीपतियों को फायदा पहुंचने के लिए परिवहन विभाग का निजीकरण करने के लिए अचानक प्राइवेट ऑपरेटर व अधिकारियों की मीटिंग बुला डाली। नेताओं ने बताया कि अगर सरकार ने यह नीति वापस नहीं ली तो यूनियन आपात कालीन मीटिंग बुलाकर कर बड़े आंदोलन की धोषणा की जाएगी।

वोडाफोन आइडिया अब सभी बैंक खाता धारकों के लिए घर बैठे रीचार्ज को बनाएगा आसान

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया, फीचर फोन का उपयोग करने वाले एवं नॉन-डिजिटल सैवी उपभोक्ताओं के लिए एक अनूठी पेशकश लेकर आए हैं, जिसके द्वारा वोडाफोन आइडिया के सदस्य सिर्फ वैद्य यूपीआई आईडी के साथ अपना फोन रीचार्ज कर सकते हैं।

वोडाफोन आइडिया ने देश में इस सेवा के लॉन्च के लिए भारत के अग्रणी वित्तीय सेवा प्रदाता पेटीएम के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत अब फीचर फोन का इस्तेमाल करने वाले लाखों उपभोक्ता रीटेल टचपॉइन्ट पर गए बिना ही आसानी से अपना फोन रीचार्ज कर सकेंगे। इस तरह के रीचार्ज के लिए मोबाइल-इंटरनेट सुविधा का होना जरूरी नहीं है और पेटीएम ऐप का इस्तेमाल नहीं करने

उद्योग जगत की इस अनूठी पहल के जरिए उपभोक्ता घर में सुरक्षित रहते हुए अपना फोन रीचार्ज कर सकेंगे

वाले उपभोक्ता भी इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

यह सर्विस आधुनिक भुगतान सेवा *99 पर आधारित है, जो यूएसएसडी चैनल पर काम करती है। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत की गई इस सेवा के माध्यम से बेसिक फीचर फोन के जरिए मोबाइल बैंकिंग लेनदेन किया जा सकता है, जिसके लिए उपभोक्ता को मोबाइल इंटरनेट की जरूरत नहीं होती। यूपीआई आधारित रीचार्ज सुविधा के लॉन्च की घोषणा करते हुए अवनीश खोसला, डायरेक्टर- मार्केटिंग, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने कहा कि हम इस संकट के समय में अपने उपभोक्ताओं को कनेक्टेड और सुरक्षित बनाए रखना चाहते हैं। पिछले दो महीनों में हमने उपभोक्ताओं को एक-दूसरे के साथ जोड़े रखने के लिए कई पहलों की शुरुआत की है।

हमारा मानना है कि पेटीएम के साथ इस साझेदारी के जरिए लाखों नॉन-डिजिटल सैवी उपभोक्ता यूएसएसडी के माध्यम से रीचार्ज कर सकेंगे, इसके लिए उन्हें मोबाइल इंटरनेट, किसी डिजिटल ऐप या फिजिकल रीटेल टचपॉइन्ट की जरूरत नहीं होगी। साझेदारी के जरिए हम उपभोक्ताओं के लिए एक आसान एवं सुरक्षित समाधान लेकर आए हैं, जिसके माध्यम से उपभोक्ता इस मुश्किल समय में घर बैठे पूरी सुरक्षा के साथ अपना फोन रीचार्ज कर सकते हैं।

कर्मचारी एक जून को मनाएंगे काला दिवस

इंद्री। आल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कस यूनियन संबधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की करनाल सर्कल के अंतगर्त यूनिट नंबर एक की आपातकालीन मींटिग इन्द्री बिजली विभाग के कार्यालय में यूनिट प्रधान नरेश मेहला की अध्यक्षता में हुई।

मीटिंग का संचालन सचिन रवि वर्मा द्वारा किया गया। मींटिग में राज्य कमेटी सदस्य चरण सिंह ढ़ाकला, सर्कल सचिव राकेश राणा व करनाल जिला अध्यक्ष मलकील सिंह ने भाग लिया। मींटिग को संबोधित करते हुए चरण सिंह ढ़ाकला व मलकीत सिंह ने कोरोना की आड़ में सरकारी विभागों का निजीकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी कर्मचारी आने वाले एक जून को काला दिवस मनाएंगे। मींटिग में शंटी, राजीव, मुकेश , संजीव मलिक, राजेश व अमित कुमार आदि कर्मचारियों ने भी अपने विचार रखे।

सोनीपत जिले कोरोना मरीजों की संख्या हुई 175

सोनीपत। उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि बुधवार को सोनीपत जिला में विभिन्न क्षेत्रों से कोविड-19 कोरोना वायरस के 11 नये पॉजिटिव केस मिले हैं। इन नये मामलों के चलते सोनीपत जिला में अब कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 175 हो गया है। उपायुक्त पूनिया ने कहा कि एक बार फिर से सोनीपत जिला में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। आज मिले नये पॉजिटिव में दो केस शहर के सैनी चौपाल कादिरपुर के हैं। इस गांव की एक महिला तथा एक पुरुष कोरोना संक्रमित मिले हैं। यह दोनों पति-पत्नी हैं। इनमें संक्रमित युवक की कपड़ों की दुकान हैं। इनकी कांटैक्ट हिस्ट्री में सात लोगों को शामिल किया है। जबकि इनकी पत्नी कुंडली स्थित एआरबी बैरिंग कंपनी में कार्यरत है।

आम्रपाली के बंद प्रोजेक्ट को फंड देगा केंद्र

एसबीआई कैपिटल को रियल एस्टेट स्ट्रेस मद से देना है यह पैसा, एससी ने चार मामलों में दिया निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

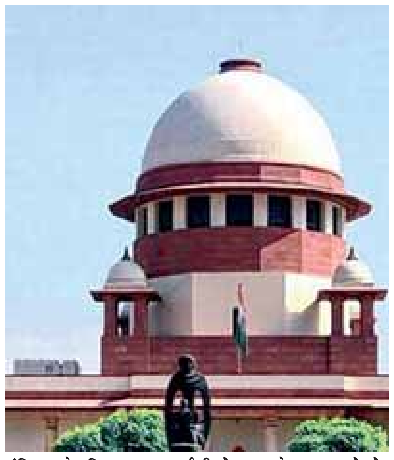

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली बिल्डर से जुड़े मामले में फिर सुनवाई की। अदालत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए चार बड़े आदेश दिए हैं। बुधवार की सुनवाई में केंद्र सरकार ने यह भी साफ कर दिया कि वह आम्रपाली के थमे पड़े प्रोजेक्ट को रफ्तार देने के लिए पैसा देगी।

यह पैसा एसबीआई कैपिटल को रियल एस्टेट स्ट्रेस फंड से देना है। इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण, जेपी मॉर्गन, फ्लैट बायर्स और एनबीसीसी को भी कई महत्वपूर्ण निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट अगले बुधवार को इस मामले में फिर सुनवाई करेगा। कोर्ट ने अपनी पिछली सुनवाई में केंद्र के एएसजी को रिसीवर वेंकटरमनी के नोट पर निर्देश लेने को कहा था।

इसी बीच जेपी मोर्गन के लिए मुकुल रोहतगी ने कहा, यहां जेपी इंडिया के लिए आया ईडी ने आपके निर्देशों के अनुसार 187 करोड़ की राशि वसूलने के लिए खाता इ अटैच किया है।

उन्होंने आगे कहा, वो प्रस्तुत करना चाहता है कि यह अटैचमेंट पूरी तरह अवैध है, क्योंकि जेपी इंडिया के पास आम्रपाली में एक पैसे का मूल्य नहीं है। इस पर जस्टिस मिश्रा ने कहा, हम जेपी मॉर्गन को लेकर चिंतित हैं। पूरी दुनिया में इसकी शाखाएं हैं और जब आपके पास दुनिया भर की शाखाएं हैं तो हमें इसे ध्यान में रखना होगा। रोहतगी ने आगे कहा, मेरा आम्रपाली से कोई लेना-देना नहीं है।

हरीश साल्वे एसबीआई कैपिटल के लिए हाजिर हुए, जस्टिस मिश्रा ने मुकुल रोहतगी को रोकते हुए कहा कि पहले उन्हें सुनते हैं। इसके बाद साल्वे ने कहा, वह अपने क्लाइंट को निर्माण कार्य शुरू करने के लिए धन जारी करने के लिए बोलेंगे। वो निर्देश चाहता है और उनसे केंद्र सरकार कुछ पैसा जारी करने का आग्रह किया। साल्वे ने बेंच से तब तक कोई आदेश पारित नहीं करने के लिए कहा। ईडी ने अदालत को सूचित किया कि उसने अदालत के पिछली सुनवाई के आदेश के अनुपालन में जेपी मॉर्गन इंडिया की संपत्तियों को अटैच किया है। इसके बाद वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे एसबीआई कैपिटल के लिए एकबार फिर कहते हैं, निर्माण कार्य शुरू करने के लिए फंड जारी करने के लिए एसबीआई कैप से बात करूंगा। इस पर जस्टिस मिश्रा ने कहा हम इस पर अगले सप्ताह फिर से सुनवाई करेंगे।

केंद्र ने 2 जजों की बेंच को सूचित किया कि यह एसबीआई कैपिटल पर है कि वह केंद्र द्वारा बनाए गए रियल एस्टेट स्ट्रेस फंड में से आम्रपाली परियोजनाओं के लिए धनराशि जारी करे। आधिकारिक रूप से यह एसबीआई द्वारा प्रबंधित किया जाए। इसके बाद जस्टिस मिश्रा ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से कहा, ब्याज दर को अधिक समायोजित करने की जरूरत है। अगर आप कठोर बने रहेंगे तो यह सेक्टर मर जाएगा। आपको कुछ छूट देनी होगी।

पालम में पारा 47 डिग्री सेल्सियस

अगले 24 घंटों में नहीं मिलेगी लू और गर्मी से राहत, बिजली की रिकॉर्ड मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कई दिनों की रिकॉर्डतोड़ गर्मी के बाद बृहस्पतिवार शाम या रात से मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे।

शुक्रवार से रविवार तक हल्की बारिश होने के भी आसार हैं। करीब सप्ताह भर तक तापमान में भी गिरावट बनी रहेगी। हालांकि बुधवार को दिल्ली में चिलचिलाती धूप प्रचंड गर्मी का प्रकोप जारी रहा। सुबह छह बजे से पहले ही सूर्य देवता को दर्शन के साथ ही धूप में तल्खी आने लगी थी। दिन चढ़ने के साथ-साथ तो मानो आग ही बरसने लगी। पालम में

● शुक्रवार को हल्की बारिश का अनुमान

अधिकतम तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि मौसम विभाग ने औसत अधिकतम सामान्य से पांच डिग्री अधिक 45.9 और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। हवा में नमी का स्तर अधिकतम 47 और न्यूनतम 14 फीसद रिकार्ड किया गया। लॉकडाउन के चौथे चरण में उद्योग धंधों को चलाने की छूट मिलने और तामपान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद दिल्ली में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। स्काईमेट वेदर के मुख्य मौसम विज्ञानी महेश पलावत के अनुसार पश्चिमी पाकिस्तान और राजस्थान की ओर से चक्रवाती हवा चल रही है।

पूर्वी हवा भी जारी है। इन दोनों के मिलने और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ही मौसम में हल्के बदलाव की स्थिति बन रही है। गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन में कहीं- कहीं लू चलेगी जबकि शाम या रात के समय 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी झोंकेदार हवा चलने के आसार हैं। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 44 और 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पलावत के अनुसार इसके बाद तीन दिन हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी।

इस दौरान सप्ताह भर तक अधिकतम तापमान 40 जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा। दिल्ली के चार अलग-अलग क्षेत्रों में तापमान इस प्रकार रहा। पालम 47.2 डिग्री से. 28.5 डिग्री से., लोधी रोड 45.1 डिग्री से. 26.8 डिग्री से., नजफगढ़ 45.3 डिग्री से. 29.8 डिग्री से., आयानगर 46.7 डिग्री से. 28.2 डिग्री रहा। मंगलवार की रात इस मौसम में बिजली की खपत रिकार्ड 5464 मेगावाट पर पहुंच गयी। गत सोमवार को 5,100 मेगावॉट से अधिक पावर डिमांड रही। इसके पहले रविवार को मांग 5,268 मेगावॉट थी। यह हाल तब है जब फैक्टरियां पूरी रफ्तार से नहीं चल रही हैं।

बिजली आपूर्ति कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी और 18 मई से लॉकडाउन चार में ढील के बाद वाणिज्यिक तथा औद्योगिक गतिविधियां शुरू होने के साथ बिजली की अधिकतम मांग में अब तक 32 प्रतिशत से अधिक रही।

कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट करीब 48%

मरने वालों का आंकड़ा 288 से बढ़कर 303 पहुंचा, मृत्यु दर दो फीसदी पर टिकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों की रफ्तार में जबरदस्त उछाल आया है। पिछले चौबीस घंटे में संक्रमण के 792 नए मामले सामने आए हैं।

इसी के साथ संक्रमितों का कुल आंकड़ा 15,257 पर पहुंच गया है। इस दौरान कोई मौत नहीं हुई लेकिन डेथ समरी के आधार पर डेथ ऑडिट कमिटी की रिपोर्ट के मद्देनजर कुल मौत का आंकड़ा 288 से बढ़कर 303 पहुंच गया है। मरीजों का रिकवरी रेट 47.61 प्रतिशत है जबकि मृत्यू दर 1.98 प्रतिशत है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दिल्ली में गत 24 घंटे में कोरोना वायरस के कारण किसी की मौत नहीं हुई है। कोरोना के कारण हुई मौत के मामलों में इस बढ़ोतरी के बाद अब तक दिल्ली में कुल 303 मरीजों की मौत हो चुकी है। राजधानी में लगातार लोग कोरोना से ठीक भी हो रहे हैं। पिछले चौबीस घंटे 310 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं और इसके साथ ही अब तक कोरोना को मात देने वालों की संख्या 7264 हो चुकी है। यहां कोरोना से अब तक ठीक हुए लोगों की इस संख्या और अब तक हुई मौत के आंकड़े को हटा दें तो अस्पतालों में अभी कोरोना के कुल 7690 एक्टिव केस हैं। कोरोना के इन एक्टिव मरीजों में से 191 अभी आईसीयू में हैं। वहीं 32 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। बीते 24 घण्टे में 5783 सैम्पल टेस्ट हुए हैं। इसके साथ ही अब तक 1,84,362 टेस्ट किए जा चुके हैं।

आग पर काबू पाते समय एक दमकलकर्मी झुलसा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में एक कार्यालय में लगी आग को बुझाते समय एक दमकलकर्मी झुलस गया।

आग मंगलवार रात में लगी थी और दमकल के दो गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया था। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग बुझाने के दौरान कार्यालय में पड़े एलपीजी सिलिंडरों में विस्फोट हुआ और इस दौरान एक कर्मी उस आग में फंसने से झुलस गया। दमकलकर्मी की पहचान मुरारीलाल के रूप में हुई है। उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया था जहां से उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भेज दिया गया।

पानी की किल्लत ने बढ़ाया सिरदर्द

नई दिल्ली। चिलचिलाती धूप व कोरोना वायरस संक्रमण के चलते साफ-सफाई और बार-बार हाथ धोने के कारण इन दिनों पानी की मांग बढ़ गई है। दिल्ली में रोजाना करीब 1200 एमजीडी पानी की जरूरत होती है। जबकि जल बोर्ड करीब 925 एमजीडी पानी की आपूर्ति कर रहा है। इसके चलते कई इलाकों में पानी की किल्लत भी हो रही है। जलापूर्ति सुनिश्चित करने के दिल्ली जल बोर्ड किसी कॉलोनी में पानी सुबह तो कहीं शाम तो कहीं सुबह-शाम दो बार पानी देने का समय तय किया गया। वहीं किसी-किसी कॉलोनी में एक दिन छोडकर तो कहीं हर तीसरे दिन पानी आपूर्ति के लिए समय तय किया गया है। वैसे ज्यादातर इलाकों में प्रतिदिन पानी की आपूर्ति होगी। किस कॉलोनी में पानी आने का समय कब तय किया गया है लोग यह जल बोर्ड की वेबसाइट से जानकारी देख सकते हैं।

चाणक्यपुरी में आईआरएस अधिकारी ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मध्य दिल्ली के पॉश चाणक्यपुरी इलाके में 57 वर्षीय एक भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी (आईआरएस) ने बुधवार को अपने घर में कथित तौर पर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है। मृतक की पहचान केशव सक्सेना के रूप में हुई है। वह चाणक्यपुरी के बापू धाम में रहते थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे आईआरएस अधिकारी के आत्महत्या के संबंध में बुधवार सुबह प्रेमियस हॉस्पिटल चाणक्यपुरी से सूचना मिली कि केशव सक्सेना नाम के एक व्यक्ति को बेहोशी के हालत में लाया गया है।

पुलिस अस्पताल पहुंची तो पता चला कि केशव सक्सेना की मौत हो चुकी है। इसके बाद जांच टीमम सक्सेना के घर पहुंची तो घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। पुलिस उपायुक्त ईश सिंघल ने बताया कि 1988 बैच के आईआरएस अधिकारी आयकर विभाग नियुक्त थे।

376 विदेशी जमातियों पर आरोपपत्र दाखिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निजामुद्दीन मरकज मामले में तबलीगी जमात के प्रमुख मौलाना साद की मुश्किल बढ़ती जा रही है।

क्राइम ब्रांच ने बुधवार को साकेत कोर्ट में फिर एक आरोप पत्र दाखिल किया है। इसमें 376 विदेशी जमातियों के खिलाफ 35 आरोप पत्र दाखिल किए गए है। आरोपी बनाए गए जमाती 14 अलग-अलग देशों से हैं। इससे पहले मंगलवार को भी 82 विदेशी जमातियों के खिलाफ 20 आरोप पत्र दाखिल किए हैं। मरकज मामले में पुलिस ने खुलासा किया है कि मरकज में शामिल होने वाले कुछ विदेशी नगरिकों के पासपोर्ट गायब हो गए है। कुल 943 जमातियों में से 746 लोगों के पासपोर्ट ही मिले है। करीब 197 लोगों के पासपोर्ट अभी नहीं मिल पाए हैं। अपराध शाखा पुलिस अब इनको लेकर अलग एफआईआर दर्ज करने का विचार कर रही है ।

पहले की चार्जशीट में 83 आरोपियों के नाम शामिल हैं। चार्जशीट पर गौर करते हुए साकेट कोर्ट ने सभी आरोपियों को समन जारी कर 12 जून को पेश होने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि मार्च के दूसरे सप्ताह में निजामुद्दीन के मरकज में हुए कार्यक्रम में तबलीगी जमात के लोग बड़ी संख्या में जुटे थे। उसके बाद प्रशासन ने तबलीगी जमात के लोगों को बाहर निकाल कर अस्पताल और क्वॉरंटीन सेंटर में भेजा था।

स्कूल खोलने की योजना बनाएं प्रिसिंपल: सिसोदिया

नई दिल्ली। लॉकडाउन खत्म होने बाद सभी प्राचार्य स्कूलों को खोलेने की योजनाएं बनाएं। इस साल हर स्कूल पर एक किस्म की योजना तर्कसंगत नहीं होगी।

यह बात उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने 1000 प्राचार्यों के साथ वीडियों कांफ्रेसिंग के दौरान कहीं। सिसोदिया ने कहा कि स्कूल खोलने से पहले हर चीज को ध्यान में रखना होगा। यह केवल सोशल डिस्टेंसिंग या सैनिटाइजेशन का मामला नहीं है। हर निर्णय का बच्चों और उनके परिवारों पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि स्कूल हमारे सामाजिक जीवन का एक अभिन्न अंग है।

संक्षिप्त समाचार

कारोना योद्धा व निगम कर्मचारी सम्मानित

नई दिल्ली। कोरोना योद्धाओं और नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के सम्मान बढ़ाने के लिए आर्य समाज की ओर से पूर्वी दिल्ली नगर निगम की महापौर अंजू कमल कांत, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर सरदार अवतार सिंह और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की महापौर सुनीता कांगड़ा को 12000 फेश शील्ड दान दी गईं। इस अवसर पर भूतपूर्व विधायक आर पी सिंह, धर्मपाल आर्य (प्रधान) दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, विनय आर्य (महामंत्री), सतीश चड्ढा (महामंत्री) आर्य केंद्रीय सभा, समेत नगर निगम के महापौर एवं आर्य समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। दूसरी ओर एमडीएच समूह के चेयरमैन पद्मभूषण धर्मपाल ने कोरोना महामारी से लडने में पांच करोड़ रूपये भी केंद्र और हरियाणा और दिल्ली सरकार को दिए थे। इसके अलावा एमडीएच समूह ने शिक्षा मंत्री मनीष सिसौदिया को 75 सौ पीपीई किट भी दी हैं।

पं. नेहरु की 56वीं पुण्यतिथि दी पर दी श्रद्धाजंलि

श्रद्धांजलि देते कांग्रेस कार्यकर्ता

नई दिल्ली/ गाजियाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरण लाल नेहरू की 56वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धाजंति दी गई। प्रदेश कांग्रेस दफ्तर में आयोजित समारोह में प्रदेश अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने देश के विकास की जो नींव रखी आज उसी की बदौलत हमारा देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब हुआ है। वहीं गाजियाबाद में कांग्रस के पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेन्द्र भारद्वाज ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर ने अपने आवास पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर अनीस खान , जितेन्द्र गौड राहुल शर्मा ,सचिन चौधरी, एहसान सिद्धीकी आदि उपस्थित थे।

ट्रोनिका सिटी में युवती की जली लाश मिली

गाजियाबाद। ट्रोनिका थाना क्षेत्र में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई जबकि लोगों ने खाली पड़ी एक जगह पर एक युवती की जली लाश देखी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कब्जे में लिया और इसकी पहचान के प्रयास किए लेकिन पहचान नहीं हो सकी। ट्रोनिका सिटी थाना प्रभारी रमेश चंद्र राणा ने बताया कि आवास विकास कॉलोनी में एक युवती की लाश बरामद की गई है । लोगों ने जिस वक्त लाश को देखा तो उसमें से आग लग रही थी जिससे लगता है कि हत्यारों ने पहचान मिटाने की नीयत से युवती की लाश को आग लगाई है।

एनडीएमसी को मिले फेस शील्ड, सैनिटाइजर व मास्क

नई दिल्ली। ए-ब्लॉक कल्याणकारी परिषद, कीर्ति नगर ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम को 225 सैनिटाइजर, 100 एन-95 मास्क व 100 फेस शील्ड किए। ये सभी निगम के संसाधनों को बढ़ाने और कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में मदद करेंगे। निगम के महापौर अवतार सिंह और उपाध्यक्ष स्थायी समिति, विपिन मल्होत्रा ने सैनिटाइजर, एन-95 मास्क व फेस शील्ड महापौर निवास पर प्राप्त किए। इस मौके पर महापौर ने कहा कि इस महामारी की स्थिति में किसी भी प्रकार की मदद सराहनीय है। वह भी जब निगम को आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ रहा हो।

डीएनडी फ्लाई-वे में नोएडा जाने वालों की लगी लंबी कतारें।

दिल्ली-गाजियाबाद व नोएडा सीमा पर जाम से हलकान

नई दिल्ली। गाजियाबाद प्रशासन द्वारा जिले की सीमा सील किए जाने के बाद दिल्ली-गाजियाबाद सीमा पर बुधवार को जाम जैसी स्थिति रही।

गाजियाबाद पुलिस के उपाधीक्षक राकेश मिश्रा ने कहा कि यात्रियों की जांच के कारण यातायात धीमी गति से आगे बढ़ा। उन्होंने कहा, बिना वैध पास के सीमा पार करने की कोशिश करने वालों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। वहीं सुबह के समय नोएडा में यही हाल रहा। बॉर्डर इलाके में जाम की स्थिति बनीं रही। इस दौरान ऑफिस जाने वालों के लिए परेशानी का सबब बना रहा।

पूर्व विधायक के भाई ने पत्नी की गोली मारी, मौत

● बेटी ने पिता व भाई समेत तीन के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आरोपी आस मोहम्मद

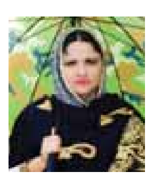

मृतका गुलिस्ता की फाइल फोटो

मुरादनगर कस्बे के मोहल्ला कच्ची सराय में में एक शख्स ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी मुरादनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है और कई हत्याकांडो में शामिल रहा है। वह मुरादनगर के पूर्व बसपा विधायक वहाब चौधरी का भाई है। इस संबंध में मृतिका की पुत्री ने अपने पिता व भाई समेत तीन के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है । एसपी देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि आरोपी आस मोहम्मद अपने परिवार के साथ रहता है कुछ समय पहले उसने किसी अन्य महिला से निकाह कर लिया था, इसी के चलते उसकी पहली पत्नी गुलिस्ता उर्फ सारा से विवाद चल रहा था। देर रात आस मोहम्मद ने गुलिस्ता उर्फ सारा को गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर लोगों आस मोहम्मद के घर पर पहुंचे तो वहां गुलस्ता जमीन पर पड़ी हुई थी और उसकी मौत हो चुकी थी। बाद में पुलिस ने आरोपी आस मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुलिस्ता उर्फ सारा कई बार पुलिस में शिकायत कर चुकी थी कि उसका पति उसकी हत्या कर देगा लेकिन पुलिस ने मामले को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया।

पूरी सोसायटी नहीं केवल टावर होगा सील : डीएम

● गौतमबुद्ध नगर में रिकॉर्ड तोड़ बने 87 कंटेनमेंट जोन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अब नोएडा, ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, दादरी, दनकौर और जेवर तक कंटेनमेंट जोन बन गए हैं। अब जिले में रिकॉर्ड तोड़ 87 कंटेनमेंट जॉन बन गए हैं। इन 87 आवासीय क्षेत्रों को गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने अग्रिम आदेशों तक सील कर रखा है।

वहीं गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने एक नया आदेश जारी किया है। जिसके जरिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट की हाउसिंग सोसायटी को बड़ी राहत दी गई है।

इस आदेश में कहा गया है कि अगर किसी हाउसिंग सोसाइटी में कोरोनावायरस से संक्रमित एक व्यक्ति पाया जाता है तो उस पूरी सोसाइटी को सील नहीं किया जाएगा। अब केवल उस टावर को सील किया जाएगा, जिसमें संक्रमित व्यक्ति का फ्लैट है। पिछले एक सप्ताह के दौरान 22 नए कंटेनमेंट जोन अस्तित्व में आए हैं।

पिछले सप्ताह जिला प्रशासन ने जो लिस्ट जारी की थी, उसमें 65 कंटेनमेंट जोन शामिल थे। गौतमबुद्ध नगर के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ सुनील कुमार दोहरे ने कंटेनमेंट जोन की नई लिस्ट जारी की है। जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत दादरी, जेवर, दनकौर क्षेत्रों के गांवों को भी शामिल किया गया है। दो श्रेणी के कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। श्रेणी एक के कंटेनमेंट जोन में 52 आवासीय क्षेत्र हैं।

हाउसिंग सोसायटी, सेक्टर और गांव शामिल हैं। जबकि दूसरी श्रेणी के कंटेनमेंट जोन में आवासीय क्षेत्रों की संख्या 35 है। जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि नए मानकों के तहत श्रेणी एक के कंटेनमेंट जोन का दायरा अब केवल ढाई सौ मीटर रखा गया है। श्रेणी 2 के कंटेनमेंट जोन का दायरा 500 मीटर होता है। कंटेनमेंट जोन में स्वास्थ्य विभाग की टीम में सर्वे कर रही हैं। अब उन लोगों को भी का भी कोरोनावायरस टेस्ट करवाया जा रहा है, जिनमें इनफ्लुएंजा के लक्षण पाए जाते हैं।

निजी अस्पताल ने बताया था कोरोना बच्चों के जन्म के बाद महिला की मौत

पायनियर सामचार सेवा। नोएडा

● जिम्स की जांच में रिपोर्ट निकली गलत, बच्चों को नहीं कोरोना

ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती हुई। 32 वर्षीय महिला की जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद मौत हो गई। एक निजी प्रयोगशाला ने अपनी जांच रिपोर्ट में महिला को कोरोना वायरस से संक्रमित बताया था।

जबकि जिम्स अस्पताल द्वारा कराई गई जांच में उसकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई। मृतका के दोनों बच्चे के भी कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई है। जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ राकेश गुप्ता ने ने मामले की जानकरी दी। डॉ गुप्ता ने बताया कि सोमवार को महिला की सर्जरी से डिलीवरी हुई। महिला ने दो बच्चों को जन्म दिया। 25 मई को ही महिला की तबीयत अचानक खराब हो गई जिसमें उनकी मौत हो गई।

वहीं उन्होंने बताया कि दोनों बच्चे स्वस्थ हैं। बच्चे भी कोविड.19 से संक्रमित नहीं पाए गए हैं। डॉ गुप्ता ने बताया कि महिला के मौत का कारण प्रसव की जटिलताएं हैं। उन्हें कोरोना वायरस नही हैं। दो अलग-अलग रिपोर्ट होने से कई सवाल उठने शुरू हो गए है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

हनीट्रैप केस : 30 लाख रुपये मांगने वाली युवती काबू

गुरुग्राम में पुलिसकर्मी को अपने जाल में फंसाकर की व्यूह रचना

वर्ष 2010 में रेवाड़ी में भी की थी इसी तरह का वारदात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में हनीट्रैप के केस में पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई युवती।

हनीट्रैप के एक मामले में पुलिस ने युवती को काबू किया है। जो युवती आज हनीट्रैप के मामले में फंसी है, उसी युवती ने ही एक पुलिसकर्मी के माध्यम से दो युवकों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास किया था। एक के खिलाफ तो रेप का केस दर्ज कराया और पुलिसकर्मी व उसके एक साथी के खिलाफ छेड़छाड़ का। बुधवार को एसीपी सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) प्रीतपाल ने बताया कि यह हनीट्रैप का केस है, इसमें युवती ने 30 लाख रुपये की डिमांग रखी थी।

बता दें कि 23 मई 2020 को युवती गुरुग्राम पुलिस में अपने दोस्त ईशान व उसके दोस्तों के साथ घूमने निकली थी। उसी दिन उसने पुलिस में तीनों के खिलाफ केस दर्ज करवाया था। जिसमें एक युवक पर रेप का केस दर्ज कराया था, उसे गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। उस मामले में आरोपी मनोज उर्फ सरपंच निवासी गांव रिठौज ने थाना पालम विहार में एक फोन की रिकॉर्डिंग सुनाई। इसमें शिकायतकर्ता युवती प्रीति के दोस्त ने इस मुकदमे को रद्द कराने की ऐवज में उससे 30 लाख रुपयों की मांग की है।

इसी मामले में युवती प्रीति ने फोन पर पुलिस चौकी में तैनात ईएचसी योगेश से भी फोन करके कहा कि यदि ईशान उसे 30 लाख रुपये नहीं देता है तो वह इस मुकदमे को कैंसिल करवा दे। प्रीति के साथ हुई बातचीत में ईएचसी योगेश ने रिकॉर्डिंग कर ली और थाना में पेश की। अब पुलिस ने इस रिकॉर्डिंग के आधार पर कार्रवाई की है।

पुलिस ने शिकायतकर्ता युवती प्रीति को गुरुग्राम के हंस एंक्लेव से गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में युवती ने बताया कि पुलिसकर्मी व सरपंच नाम से दो युवकों के रुतबे का फायदा उठाने की उसने यह योजना बनाई।

स्पा में काम करते हुए ईशान से हुई थी मुलाकात

आरोपी प्रीति डीएलएफ फेस-1 में एक स्पा में काम करती है और ईशान (पुलिसकर्मी) जब थाना डीएलएफ फेस-1 गुरुग्राम में तैनात था। तब इसकी मुलाकात ईशान से हुई थी। अभी भी यह वही स्पा में काम करती है और नाथुपुर चौकी में तैनात ईएचसी योगेश को यह जानती है कि वह ईशान को जानता है। वह ईसान पर दबाव बनाकर इसको पैसे दिलवा सकता है। इसलिए उसने ईएचसी योगेश को फोन करके 30 लाख रुपयों की मांग की थी। आरोपी युवती द्वारा वर्ष 2010 में भी इसी तरह की वारदात को रेवाड़ी में अंजाम दिया था। वह मूलरूप से गांव कालका जिला रेवाड़ी की रहने वाली है। फिलहाल वह सपना होटल वाली गली हंस इन्कलेव निकट राजीव चौक गुरुग्राम में रहती है।

पार्टी में शराब के नशे में हुई बहस और फिर गुस्से में कर दी हत्या

गुरुग्राम। पार्टी में शराब के नशे में तीन दोस्तों में आपसी बहस झगड़े का कारण बनी और इस झगड़े में एक युवक की हत्या तक कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मृतक के पिता के बयान पर आरोपियों के खिलाफ सीसीटीवी फुटेज को आधार बनाकर बुधवार को केस दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया गया है।

मृतक के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा बिजेंद्र उर्फ बादशाह (28) मजदूरी का काम करता था। मंगलवार शाम को पटौदी निवासी कुलदीप उर्फ चिकला, सतबीर व दीपक उसे घर से बुलाकर ले गए थे। देर रात को परिवार के लोगों को सूचना मिली कि मेजर मार्केट में बेटे का शव पड़ा हुआ है। पटौदी थाना पुलिस ने तीनों दोस्तों के खिलाफ केस दर्ज कर मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

सैनिकों की बदौलत हमारा देश सुरक्षित : सुधीर सिंगला

गुरुग्राम। गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला ने गांव दमदमा में शहीद लांस नायक राज सिंह खटाना को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उनके शौर्य को सेल्यूट किया। परिवार को भी विधायक ने सांत्वना दी। विधायक सुधीर सिंगला ने शहीद राज सिंह खटाना को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शहीद राज सिंह जैसे सैनिकों की बदौलत ही आज हमारा देश सुरक्षित है। हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। सीमा पर जवान खेत में किसान हमारे देश की एक तरह से संस्कृति है। यह हमारे देश की संस्कृति ही है कि जय जवान-जय किसान का नारा हम लगाते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो पूरे हरियाणा से देश की सेना में सैनिकों की अच्छी-खासी संख्या है, लेकिन अहीरवाल सैनिकों की खान है। इस मौके पर दमदमा गांव के सरपंच स्वराज, पार्षद विजय खटाना, राजू चेयरमैन, नाहरपुर रूपा के सरपंच धर्मवीर डागर, धर्मवीर दायमा, सुखबीर खटाना चेयरमैन, रजनीश अग्रवाल एडवोकेट, रमेश अम्बावता (एएसजी), सुभाष बंसल, विजय गुप्ता व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा में भी सोशल डिस्टेंस का खास ख्याल रखा गया।

पहले किया दुष्कर्म, फिर जान से मारने की धमकी

गुरुग्राम। खंड फर्रुखनगर थाना क्षेत्र के हरिनगर गांव में 28 वर्षीय महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि आरोपी के पिता व एक अन्य ने उससे अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर फर्रुखनगर थाना पुलिस ने पिता-पुत्र समेत तीन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 23 मई को वह अपने प्लॉट पर गई थी। इसी दौरान गांव का युवक जितेंद्र चुपके से प्लॉट पर आया और उसका मुंह दबाकर दुष्कर्म कर किया। आरोपी ने उसे किसी को बताने पर उसके पति को जान से मारने की धमकी दी। वारदात के बाद पीड़िता की बहन आ गई तो आरोपी फरार हो गया। महिला का आरोप है इस घटना की जानकारी अपने सास को दी और आरोपी के घर गई। आरोपी के पिता सतीश व धर्मपाल नामक युवक ने उसके साथ अभद्रता की। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक ने स्वच्छता सैनिकों को किया सम्मानित

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने बुधवार को यहां स्वच्छता सैनिकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का कार्य करने और उसका प्रबंधन करने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा बहुत मेहनत की जाती है। उनका सम्मान करके उन्हें खुशी है। स्थानीय रेलवे स्टेशन के साथ लगती हुई गली की सेनेटरी अधिकारी अंबिका प्रसाद व उनकी टीम द्वारा लगातार आठ दिनों तक साफ किया गया, इसमें सुपरवाइजर दीपक यादव व सफाई कर्मचारियों ने दिन रात लगकर गली को सफाई किया। गुड़गांव विकास मंच के सचिव अजय शर्मा के अनुरोध पर विधायक सुधीर सिंगला ने यह गली साफ करवाई है। कुछ माह पहले ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन, गुड़गांव विकास मंच अजय शर्मा, यूथ क्लब सेक्टर-4 संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद शर्मा व पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी द्वारा सफाई कराई गई थी। लेकिन भीमगढ़ निवासी इससे संतुष्ट नहीं हो पाए। गली की हालत दिन प्रतिदिन और ज्यादा खराब होती गई। इस गली में लगभग दस साल पुराने कूड़े के ढेर लगे हुए थे। जिसको नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा साफ किया गया। जिसकी प्रशंसा जीआरपी थाना के प्रबंधक परमानंद, योगेश अत्री एएसआई, मुंशी रिंकु बाला द्वारा की गई। विधायक सुधीर सिंगला ने सेनेट्री अधिकारी अंबिका प्रसाद शर्मा, सुपरवाइजर दीपक यादव व सभी सफाई कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

समाजसेवा के लिए घर से निकलें, यह जरूरी नहीं

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के चलते लगाए लॉकडाउन के बीच घरों में रहने को भी समाजसेवा से जोड़ा गया। सोशल डिस्टेंस रखकर बीमारी को बढ़ने से रोकना है तो फिर लॉकडाउन में घरों में बंद रहना होगा। इस लॉकडाउन में भी समाजसेवा कैसे की जा सकती है, अगर यह सीखना है तो पढ़ें यह खबर। हिसार के मॉडल टाउन एक्सटेंशन स्थित साधू राम अहलावत का परिवार भी अन्य परिवारों की तरह लॉकडाउन में घर में रहकर सामाजिक दूरी की मर्यादा का पालन कर रहा है। इसके साथ ही परिवार ने समाजसेवा का एक अनूठा उदाहरण भी पेश किया है। दरअसल पास में ही तीन बच्चों को इधर-उधर घूमते देखा तो उन्हें घर में खाने के लिए आमंत्रित कर लिया। उनके अच्छी तरह से हाथ धुलवाए गए। साधू राम अहलावत के परिवार में बेटा राकेश अहलावत, बहु किरन, बेटी रेखा और पौत्र मयंक ने मिलकर इन बच्चों के लिए खाना तैयार किया और आदरपूर्वक खिलाया। इस तरह से उन्होंने लॉकडाउन में समाजसेवा की। साधू कहते हैं कि कोरोना बीमारी में हमें बचना जरूर है, लेकिन हमें यह भी देखना है कि समाज में कोई व्यक्ति भूखा न रहे।

दो बार विधायक रहे नेता के गांव में हो रहा जलभराव

गांव के मुख्य रास्ते में जमा गंदे पानी से गुजरते हैं लोग

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

पानी में पत्थर रखकर निकलते लोग।

फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्र से पिछले दो चुनावों में लगातार विधायक रहे, हाल में भाजपा में शामिल नसीम अहमद के पैतृक गांव तिगांव के मेन रास्ते में गंदे पानी की निकासी का साधन नहीं है। गंदा पानी जमा होने के कारण ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बैंक के लिए जाने वाले रास्ते में गंदे पानी की निकासी के लिए नालियों का प्रबंध न होने के चलते गांव का तमाम गंदा पानी रास्ते में जमा हो रहा है, जिससे लोगों को निकलने में बहुत परेशानी हो रही है।

ग्रामीण अखतर, हारून व आस मोहमद ने बताया कि उनके घरों के सामने से बैंक के लिए जाने वाले रास्ते में कई सालों से कीचड़ व गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे गांव के ही नहीं बैंक के लिए आने जाने वाले बाहर गांवों के लोगों को भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है सरपंच ने रास्ते के साथ में नालियों का प्रबंध नहीं कराया। जिसके कारण गांव का गंदा पानी बीच रास्ते में जमा हो जाता है। लोगों को मजबूरी में रास्ते में जमा गंदे पानी में पत्थर रखकर निकलना पड़ रहा है। जिससे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग, बच्चे व महिलाओं को हो रही है। आरोप है कि इस मामले में सरपंच से कई बार कहा गया है, लेकिन रास्ते में जमा गंदे पानी का कोई समाधान नहीं हो पाया।

छत पर पानी गिराने के विवाद में मां-बेटी ने की दुकानदार की हत्या

गुरुग्राम। छत पर पानी गिराने के विवाद में नाथूपुर गांव में मां-बेटी ने एक दुकानदार की हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार देर शाम की है। आरोपी व पीड़ित दोनों ही यहां किराए पर रहते थे। आरोपी मां-बेटी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मृतक की पत्नी सरोज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति किशोरी लाल (47) नाथूपुर गांव में परचून की दुकान कर रखी है। इसी मकान में यूपी बागपत मूल के सतबीर अपनी पत्नी सोनिया व बेटी आरती के साथ रहता है। मंगलवार शाम रात को वह छत पर सोने से पहले गर्मी के चलते पानी डाल रही थी। इस दौरान थोड़ा पानी छत पर बैठे सतबीर की चारपाई के नीचे चला गया। इस बात पर आरोपी की बेटी की बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी महिला सोनिया व उसकी बेटी ने पीड़ित पक्ष से मार पिटाई कर दी। शोर-शराबा सुनकर किशोरी लाल बीच-बचाव के लिए आया। आरोप है कि मां सोनिया व उनकी बेटी आरती ने किशोरी लाल के गुप्तांग पर लात मारी। जिससे वो बेहोश होकर गिर गया।

सोहना के नागरिक अस्पताल से अब रेफर नहीं किए जाएंगे मरीज

बहुत जल्द सभी प्रकार के ऑपरेशन शुरू किए जाएंगे चिकित्सकों की हुई तैनाती

नागरिक अस्पताल महिला रोग विशेषज्ञ के सामने महिलाओं की लंगी लंबी लाइन।

सोहना। सोहना के नागरिक अस्पताल में बहुत जल्द सभी प्रकार के ऑपरेशन शुरू किए जाएंगे। नागरिक अस्पताल में बच्चा रोग विशेषज्ञ, सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दो महिला रोग विशेषज्ञ और ब्लैड बैंक संचालक की नियुक्ति स्वास्थ्य विभाग द्वारा कर दी गई है।

सोहना के नागरिक अस्पताल में वह दिन दूर नहीं है। जब यहां से सड़क दुर्घटना में घायल रोगी, पत्थरी, हर्निया, अपेंडिश, हड्डी टूटने आदि अन्य प्रकार के होने वाले ऑपरेशनों कराने के लिए रोगी को रेफर नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग ने सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दो महिला रोग विशेषज्ञ और ब्लैड बैंक संचालक की नियुक्ति की गई है। नागरिक अस्पताल में ब्लैड बैंक स्थापित कर दिया है।

बहुत जल्द ब्लैड बैंक का संचालन करने वाली विशेषज्ञ भी आना शुरू करेंगी। वर्तमान समय में नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन 200 से 250 रोगी उपचार के लिए आ रहे हैं।

क्या कहना है एसएमओ का : नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति से यहां की उपचार सुविधा में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि अब नागरिक अस्पताल में आने वाले किसी भी गंभीर से गंभीर रोगी को गुरुग्राम के लिए रेफर नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा शुरू की जा रही है। अभी कोरोना काल के हालातों में जैसे ही सुधार होगा। वैसे ही स्थानीय अस्पताल में ऑपरेशन की सुविधा चालू कर दी जाएगी। जिसका लाभ स्थानीय लोगों को होगा।

घोटाला मामले में सरपंच के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसडीएम से मिले

ग्रामीणों ने कहा घोटाले की मुख्य दोषी महिला सरपंच स्वयं है, जबकि पति पर केस दर्ज हुआ है

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

एसडीएम कार्यालय में खडे लोग।

जिले के पुन्हाना अंतर्गत मोहमदबास उर्फ बूचाका गांव में मनरेगा घोटाले के मामले में महिला सरपंच के पति याहया पर दर्ज हुए मुकदमे से असंतुष्ट ग्रामीणों ने एसडीएम से मुलाकात कर स्वयं महिला सरपंच तसलीमा के खिलाफ मामला दर्ज कराने की मांग की। कहा कि मनरेगा के घोटाला मामले में महिला सरपंच तसलीमा, पति याहया व उसका ससुर हनीफ शामिल है। ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में केवल याहया के खिलाफ ही मामला दर्ज किया है जबकि मुख्य दोषी महिला सरपंच तसलीमा खुद है। सरपंच तसलीमा ने अपना पद बचाने के लिए एक साजिस के तहत अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

शिकायतकर्ता नसीम निवासी बूचाका ने बताया कि उसके गांव में पूर्व सरपंच व मौजूदा सरपंच तसलीमा द्वारा पिछले कई सालों से मनरेगा के तहत कराये जाने वाले कार्य में कई लाख रुपये का घोटाला किया है। आरोप है कि सरपंच ने नन्हे-नन्हे बच्चे व बुजुर्ग लोगों के नाम से फर्जी जॉब कार्ड बनाकर सरकारी राशि हड़पने का काम किया है। आरोप है कि घोटाले मामले में बैंक मेनेजर व बीडीपीओ कार्यालय के कुछ अधिकारी शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच करके तसलीमा सरपंच सहित अन्य सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है, ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके। शिकायतकर्ता ने बताया कि पुन्हाना एसडीएम ने उन्हें भरोसा दिलाया है।

रांची के 1600 नागरिकों को लेकर श्रमिक एक्सप्रेस ट्रेन रवाना

गुरुग्राम। स्थानीय रेलवे स्टेशन से श्रमिक स्पेशल ट्रेन बुधवार की शाम 4 बजे झारखंड की राजधानी रांची के 1600 प्रवासी नागरिकों व 133 बच्चों को लेकर रवाना हुई। खुशियों की इस ट्रेन में जाने वाले प्रवासी नागरिकों ने उनके लिए किए गए प्रबंधों के लिए हाथ हिलाकर व हाथ जोड़कर अधिकारियों का आभार जताया।

स्पेशल ट्रेन से प्रवासी नागरिकों को सरकारी खर्च पर उनके गृह राज्य भिजवाया गया है। रेलवे स्टेशन पर इन सबकी स्वास्थ्य जांच की गई व हाथों को सैनेटाइज करवाकर भोजन व पानी दिया गया। प्रत्येक यात्री की थर्मल स्कैनिंग करके उन्हें मास्क उपलब्ध करवाए गए। इसके उपरांत प्रत्येक श्रमिक को टिकट (590 रुपये प्रति टिकट) नि:शुल्क देकर ट्रेन में बिठाया गया। इस श्रमिक स्पेशल ट्रेन के लिए सरकार द्वारा 9.44 लाख रुपये का भुगतान रेलवे को किया गया है। रेलवे स्टेशन पर प्रवासी नागरिकों को फूड पैकेट तथा मास्क वितरित किए गए। सिविल डिफेंस के उपनियंत्रक मनीष कुमार ने स्वयं अपने हाथों से प्रवासी श्रमिकों को खाने के पैकेट बांटे। ट्रेन में महिला यात्री व बच्चे भी थे, जिन्हें खिलौने, बिस्कुट व चॉकलेट दी गईं।

आईएएस के निजी फार्म हाउस में लाखों की चोरी

सोहना। अरावली पहाड़ी में स्थित आईएएस के निजी फार्म हाउस में ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये का कीमती सामान ले गए। अधिकारी की शिकायत पर भोंडसी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 2018 में आईएएस बनने वाली अर्पणा गुप्ता ने अपने निजी फार्म हाउस में चोरी होने की शिकायत भोंडसी थाना में दर्ज कराई है। अर्पणा ने पुलिस को बताया कि 23 मई की शाम पांच बजे फार्म हाउस पर रहने वाले चौकीदार ने उसे फोन किया। चौकीदार राजू ने बताया कि फार्म हाउस के पीछे गेट पर लगा ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये का कीमती सामान चोरी कर ले गए। जिसमें रसोई गैस सिलेंडर से, चूल्हा, बैड सीट, कंबल, टैंक सहित आदि अन्य सामान है।

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल रही पेंशन

प्रचंड गर्मी में बुजुर्गों को होना पड़ रहा है परेशान

सोहना। नरेश कुमार

सोहना के मुख्य डाकघर में पेंशन लेने वाले उपभोक्ताओं की लगी भीड़।

सोहना में पेंशन लेने के लिए वृद्धों को सुबह छह बजे अपने घर से चलकर मुख्य डाकघर तक दौड़ लगानी पड़ रही है। पहले आओ, पहले पाओ का नियम लागू किए जाने से देर से आने वालों के नाम सूची में नहीं लिखा जाता है।

एक तरफ कोरोना महामारी से बचने के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले वृद्धों को भीड़ वाले क्षेत्र से बचने के लिए जागरूक अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं दूसरी और सोहना में बुजुर्ग पेंशनधारकों को सुबह छह बजे बिस्तर छोड़ पेंशन लेने के लिए दौड़ लगानी पड़ रही है। इसके बावजूद जो वृद्ध पेंशन की सूची में अपना नाम दर्ज कराने से रह जाते हैं। उसे दूसरे दिन आना पड़ रहा है।

इस आग उगलती गर्मी के मौसम में सोहना के मुख्य डाकघर में वृद्धों को पेंशन लेने के लिए दो से तीन घंटे पसीना बहाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं महिलाओं की हालत भीषण गर्मी में खराब हो रही है। डाकघर के सामने खड़े पेड़ के साथ बने चबूतरे पर लेटकर, बैठकर अपना नंबर आने का इंतजार करने के लिए मजबूर हैं।

क्या कहना है बुजुर्ग पेंशनधारकों का

सोहना के वार्ड-15 निवासी 70 वर्षीय महिला बिमला ने बताया कि वह दो दिन से सुबह छह बजे अपने घर से पेंशन लेने की सूची में नाम दर्ज कराने को आ रही थी। मंगलवार को वह देर से पहुंची तो उसका नाम नहीं लिखा गया। बुधवार को उसका नाम लिख गया। उसे यहां पर तीन घंटे बैठे हो गए हैं, लेकिन उसका नंबर अभी तक नहीं आया है।

वार्ड-16 की निवासी महिला कमला का कहना है कि उसके बाद नाम दर्ज कराने वाली महिलाएं पेंशन ले गई। उसका नंबर नहीं आया है। एक दिन में 125 से 150 लोगों को ही पेंशन दे रहे हैं। पेंशन के लिए एकमात्र काउंटर चलाया हुआ है। जबकि रोजाना 400 से 450 पेंशनधारक भीषण गर्मी में पेंशन लेने के लिए आते हैं। रोजाना 250 से 300 पेंशनधारक खाली हाथ अपने घरों को लौट रहे हैं।

सामाजिक दूरी का उल्लंघन

डाकघर परिसर में पेंशन वितरण के दौरान सामाजिक दूरी की धज्जियां पूरी तरह से उड़ाई जा रही हैं। पेंशन लेने वालों में पहले मैं, पहले मैं के चक्कर में सामाजिक दूरी को भूला दिया है। वहीं डाक विभाग कर्मचारियों द्वारा भी लोगों के शोर-शराबे के चलते सामाजिक दूरी की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा।

क्या कहना है पोस्टमास्टर का

सोहना के मुख्यडाक घर के पोस्टमास्टर लक्ष्मण सिंह का कहना है कि कर्मचारियों की कमी के कारण एक ही काउंटर चलाना पड़ रहा है। दूसरा काउंटर चलाने पर अन्य लोगों के डाक से संबंधित काम रुक जाते हैं, लेकिन गुरुवार से कोशिश रहेगी दो काउंटर चलाकर पेंशन अधिक से अधिक लोगों को वितरित की जाए।

चीन की कंपनी इकोग्रीन के खिलाफ द्रोण नगरी में आंदोलन शुरू

गुरुग्राम। गुरुग्राम समेत कई शहरों में कूड़ा उठाने का काम करने वाली चीन की कंपनी इकोग्रीन के खिलाफ गुरुग्राम में आंदोलन होने जा रहा है। बुधवार को इस बाबत आत्मनिर्भर गुरुग्राम के बैनर तले बैठक की गई। तीन चरणों में होने वाले इस आंदोलन की रूपरेखा इस बैठक में तैयार कर ली गई है।

आत्मनिर्भर गुरुग्राम के प्रवक्ता राजीव मित्तल के मुताबिक बैठक में निर्णय लिया गया कि इको ग्रीन के खिलाफ आंदोलन की श्रेणी में पहला पखवाड़ा बुधवार से 27 मई से 10 जून तक के लिए शुरू हो गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम कंपनी की खराब कार्यप्रणाली के खिलाफ 10 हजार पत्र लिखे जाएंगे। दूसरा पखवाड़ा 11 जून से 26 जून तक गोष्ठी, सेमीनार, प्रदर्शन करके ज्ञापन देते हुए जनजागरण करेंगे। तीसरा पखवाड़ा 27 जून से होगा, जिसमें कूड़ा टैक्स का बहिष्कार किया जाएगा। आत्मनिर्भर गुरुग्राम बनाने की मुहिम को सफल बनाने के लिए यहां एक निजी स्कूल में हुई बैठक में चीन की कंपनी इकोग्रीन पर चर्चा की गई।

कोविड-19 के खिलाफ डिसइंफेक्टेंट के सुरक्षित प्रयोग के पक्ष में उद्योग जगत और शोध इकाइयां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएमएआई) नेशनल केमिकल लैबोरेटरी (सीएसआईआर-एनसीएल), पुणे और मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) ने डिसइंफेक्टेंट के सुरक्षित प्रयोग को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए एक साथ आने का फैसला किया है। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में डिसइंफेक्टेंट की अहम भूमिका सामने आई है।

इन संगठनों की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कई जगहों पर लोगों ने एक डिसइंफेक्टेंट चैंबर तैयार कर लिया है। इन चैंबर में से जैसे ही कोई गुजरता है, इसमें लगी मशीन की मदद से उस पर डिसइंफेक्टेंट का छिड़काव हो जाता है। ऐसा करने से फायदा कम नुकसान ज्यादा हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एडवाइजरी के हवाले से इन संगठनों ने कहा कि सोडियम हाइपोक्लोराइट जैसे डिसइंफेक्टेंट का प्रयोग किसी सतह को डिसइंफेक्ट करने के लिए होना चाहिए, किसी मनुष्य के लिए नहीं। डिसइंफेक्शन में इस्तेमाल होने वाले सोडियम हाइपोक्लोराइट, क्लोरीन, ब्लीचिंग सॉल्यूशन, पाउडर आदि का उत्पादन करने वाले एल्कली उद्योग के प्रतिनिधि संगठन एएमएआई के प्रेसिडेंट जयंतीभाई पटेल ने कहा, वैज्ञानिक शोध में शामिल दो अग्रणी संगठनों का सहयोग मिलना हमारे लिए खुशी की बात है। इन संगठनों ने प्रयोगशाला में अध्ययन के बाद डिसइंफेक्टेंट के सुरक्षित प्रयोग के हमारे विचारों का समर्थन किया है।

सीएसआईआर-एनसीएल के डायरेक्टर अश्विनी कुमार नांगिया ने कहा, डिसइंफेक्टेंट के तौर पर सोडियम हाइपोक्लोरोइट या ब्लीच या हाइपो का प्रयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए और इन्हें त्वचा पर लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है या खुजली हो सकती है। इनके प्रयोग के समय आंखों को भी चश्मे या फेस शील्ड आदि से ढककर रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ज्यादा कंसंट्रेशन में डिसइंफेक्टेंट के प्रयोग से लोग ज्यादा रसायन का शिकार हो सकते हैं और सतह को भी नुकसान पहुंच सकता है। अच्छी तरह से डाइल्यूट किए हुए डिसइंफेक्टेंट को सतह पर बराबर मात्रा में प्रयोग करना चाहिए और कम से कम एक मिनट के लिए उसे छोड़ देना चाहिए, जिससे सभी बैक्टीरिया या वायरस खत्म हो सकें।

आईसीटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर एबी पंडित ने कहा, भारतीय मानक ब्यूरो ने घर में प्रयोग के लिए 4 से 6 प्रतिशत कंसंट्रेशन वाले सोडियम हाइपोक्लोराइट को मंजूरी दी है। वाणिज्यिक रूप से मिलने वाले इस कंसंट्रेशन को भी किसी प्रशिक्षित व्यक्ति की निगरानी में पानी मिलाकर डाइल्यूट करना चाहिए, ताकि डिसइंफेक्शन के लिए उसका प्रयोग किया जा सके।

डब्ल्यूएचओ ने कहा है, किसी सुरंग, कैबिनैट या चैंबर में किसी व्यक्ति पर डिसइंफेक्टेंट का प्रयोग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह शारीरिक व मानसिक रूप से घातक हो सकता है।

कोरोना विस्फोटः 28 पॉजिटिव, एक की मौत के साथ आंकड़ा 262 पर

जेल के कैदी, दो विदेशों से लौटे यात्रियों समेत एक ही परिवार के तीन सदस्य पाये गए पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना पॉजिटिवों की संख्या का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार को जहां 23 मामलों की पुष्टि हुई थी। वहीं बुधवार को सर्वाधिक 28 मामलों की पुष्टि की गई है। पॉजिटिवों एक कैदी के अलावा एनएच-एक डी ब्लॉक से एक ही परिवार के तीन सदस्यों और विदेशों से लौटे दो व्यक्ति भी शामिल है। वहीं एक सभावित व्यक्ति की मौत के बाद विभाग की तरफ से उसका अंतिम संस्कार कोविड-19 गाइडलाइन के अनुसार करवाया है। मृतक बीमारी के कारण ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। वहीं रिपोर्ट लेने आए सात पॉजिटिव मरीजों को बीके अस्पताल से ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया।

यहां से है पॉजिटिव : 28 पॉजिटिवों में नीमका जेल का 33 वर्षीय एक कैदी है वहीं, विदेश से आए सेक्टर-49 निवासी एक व्यक्ति को होम आईसोलेट किया गया है। सेक्टर-88 निवासी आरपीएस शवाना सोसायटी निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति भी विदेश से लौटा है। भारत कालोनी निवासी 32 वर्षीय महिला, एक पॉजिटिव महिला के सम्पर्क में आई थी। दयाल नगर निवासी 19 वर्षीय युवती, डबुआ कालोनी स्थित गंगाराम मंडी का 48 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर- 48 के निकट स्थित लेक व्यूह का 34 वर्षीय व्यक्ति उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती किया है। एनएच-एक डी ब्लॉक से 71 वर्षीय बुजुर्ग, 21 वर्षीय युवक और 15 वर्षीय किशोर शामिल है। ग्रीन फिल्ड कालोनी निवासी 52 वर्षीय महिला, सेक्टर-29 निवासी 48 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर-85 निवासी 57 वर्षीय व्यक्ति को होम आईसोलेट किया। पर्वतीया कालोनी स्थित चाचा चौक से नौ वर्षीय बच्ची, सराय स्थित दया नगर की 19 वर्षीय युवती, यादव कालोनी निवासी 28 वर्षीय व्यक्ति, ग्रीन फिल्ड निवासी छह वर्षीय बच्ची और 31 वर्षीय महिला को होम आईसोलेट किया। डबुआ कालोनी से 48 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर-64 स्थित साहुपुरा से 45 वर्षीय व्यक्ति, आदर्श नगर बल्लभगढ़ की दस वर्षीय बच्ची को होम आईसोलेट किया गया। सेक्टर-84 बीपीटीपी निवासी 32 वर्षीय महिला, बसेलवा कालोनी निवासी 23 वर्षीय महिला, ग्रीन फिल्ड निवासी 14 वर्षीय बच्ची को होम आईसोलेट किया गया। जवाहर कालोनी निवासी एक 23 वर्षीय व्यक्ति, ऋषि नगर निवासी 53 वर्षीय व्यक्ति को होम आईसोलेट किया गया। मुजेडी गांव निवासी 46 वर्षीय एक व्यक्ति शामिल है।

यह है आंकड़े

जिला कोरोना अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 10404 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 3635 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 6762 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 9912 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 10066 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 9287 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 517 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 262 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 111 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा 21 पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 123 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक सात मरीजों की मौत हो चुकी है जिसमें कोरोना के साथ-साथ अन्य विभिन्न बीमारियां भी कारण रही।

डलसा ने बताए कोरोना से बचाव के उपाय

फरीदाबाद । सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर और ओम प्रकाश सैनी ने 122 प्रवासी मजदूरों को कोविड 19 महामारी के संक्रमण से बचने के उपाय बताए जो की गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बॉयज एनआईटी 3 शेल्टर होम मे थे।

इन्हें अपने पैतृक गांव जिला वैशाली मुजफ्फरपुर गोपालगंज वह शिवान बिहार जाने के लिए रखा हुआ है। प्रवासी मजदूरों को बताया कि कोविड 19 महामारी से बचने के लिए सरकार द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं। उनके अनुसार सामाजिक दूरी बनाए रखें हाथों को सेनीटाइजर से साफ रखें अथवा साबुन से अच्छी तरह बार-बार धोए। मुंह व नाक को भली-भांति मास्क रुमाल साफी या गमछे से ढक कर रखें। सोशल डिस्टेंस के संपूर्ण नियम का अनुपालन सुनिश्चित करें। मजदूरों को बताया कि बहुत ही आवश्यक हो तो ही घर या वह परिसर जहां रह रहे हैं से बाहर जाएं। साथ ही साथ प्रवासी मजदूरों के मोबाइलों पर आरोग्य सेतु एप व जनसहायक हेल्प मी मोबाइल ऐप लोड किए गए।

गर्मी से बचाव के लिए एहतियात बरतना जरूरी : उपायुक्त यशपाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि बढ़ती गर्मी, गर्म हवाओं व लू से बचने के लिए जिलावासियों को काफी एहतियात बरतने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में दिन में सभी को पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए तथा तेज धूप में बाहर निकलने से बचना चाहिए। अगर बाहर निकलना जरूरी है तो हल्के रंग व ढीली फीटिंग के सूती कपड़े पहनें व सिर को ढककर निकलें।

उपायुक्त ने बताया कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा की ओर बढ़ती गर्मी से बचने संबंधी एहतियात जारी की गई हैं। इन हिदायतों में बताया गया है कि गर्म हवाओं व लू से शारीरिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। गर्म हवाओं व लू के प्रभाव को कम करने तथा गर्मी स्ट्रोक की वजह से गंभीर बीमारी या मृत्यु को रोकने के लिए जरूरी एहतियात बरतना जरूरी है। उपायुक्त ने बताया कि गर्मी के मौसम की स्थानीय जानकारी के लिए रेडियो, टीवी व समाचार पत्र पढे, जिससे गर्म हवा व लू के बारे में सूचना व एहतियात के बारे में पता लग सके। यात्रा करते समय साथ में पानी अवश्य रखें। तेज धूप में बाहर न निकलें, यदि जरूरी है तो चश्मा, छाता, पगड़ी, गमछा, दुपट्टा, टोपी, जूते आदि का प्रयोग अवश्य करें तथा सिर, गर्दन, चेहरे आदि पर नम कपड़ा रखें तथा पूरा शरीर ढककर रखें। शरीर को पुन हाइड्रेट करने के लिए ओआरएस या घर का बना पेय जैसे लस्सी, नींबू-पानी व छाछ आदि का प्रयोग करें। अपना घर ठंडा रखें और दिन के दौरान परदे, दरवाजे, शटर का उपयोग करें और रात के समय खिड़कियों को खुला रखें। ठंडे पानी से स्नान करें। कार्यस्थल के पास ठंडा पानी रखें। श्रमिकों को इस दौरान प्रत्यक्ष सूर्य के समक्ष होने वाले कार्यों से बचना चाहिए। कोशिश करें कि श्रम वाले कार्य दिन के ठंडे समय के दौरान किए जाएं।

उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं, मजदूरों का चिकित्सकीय परामर्श की स्थिति में अतिरिक्त ध्यान रखा जाए। गर्मी के स्ट्रोक, गर्मी से दाने या ऐंठन जैसे कि कमजोरी, चक्कर आना, सिर दर्द, मितली और दौरे के लक्षण आना तथा बेहोश या बीमार महसूस होने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श करें। अपने घर के जानवारों व पालतू पशुओं को बाहर न छोड़े, बल्कि उन्हें छाया में रखें तथा बार-बार पानी पिलाते रहे। पक्षियों के लिए छाया में पानी रखें।

उपायुक्त ने बताया कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर जाने से बचें व भारी काले व तंग कपड़े पहनने से बचें। तापमान अधिक होने की स्थिति में श्रम के कार्य करने से बचें। दिन के गर्म समय में खाना पकाने से बचें और खाना बनाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। उच्च प्रोटीन युक्त व बासी भोजन न खाएं। शराब, चाय कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय से बचें, जो शरीर में पानी की कमी करते हैं। इसी प्रकार खड़े किए गए वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें।

आश्रम में धर्म अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति होती रहेगी: पुरुषोत्तमाचार्य महाराज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

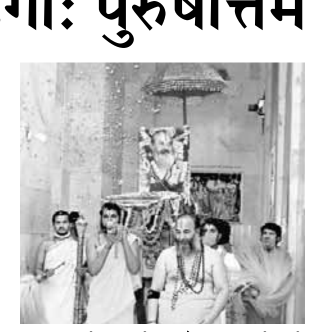

उत्तर भारत में रामानुज संप्रदाय के तीर्थ क्षेत्र श्री सिद्धदाता आश्रम एवं श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम के स्थापना दिवस एवं संस्थापक वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज का जन्मोत्सव सविधि मना। इस अवसर पर वर्तमान अधिपति जगदगुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने अपने संक्षिप्त उद्‌बोधन में कहा कि आश्रम में आने वालों को यथाभाव धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती रहेगी।

उन्होंने वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य के अर्चावतार का सविधि पूजन किया। इससे पहले उन्होंने स्वामी जी की समाधि पर पुष्पों की चादर चढ़ाई और आरती कर लोककल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर समाधि एवं मंदिर को पुष्पों और गुब्बारों से सजाया गया था। हालांकि भक्तों को यहां शामिल होने की इजाजत न होने से केवल याचकों एवं आश्रम में रहने वाले सेवादारों के साथ ही आयोजन हुआ। जिसका विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से दुनियाभर में रह रहे भक्तों के लिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी।

स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य के सान्निध्य में वैकुंठवासी स्वामी सुदर्शनाचार्य एवं ठाकुरजी की पालकी की शोभायात्रा भी निकाली गई। इस अवसर पर स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी ने कहा कि वर्ष 1989 में अपने इष्ट की इच्छानुसार गुरु महाराज ने यहां आश्रम की स्थापना की लेकिन इस स्थापना पूर्व भगवान से यहां आने वाले भक्तों के मनोभावों के अनुसार इच्छाओं की पूर्ति होने का वचन भी लिया। हम आश्रम का 31वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। इस काल खंड में लाखों परिवारों का परिवार श्री सिद्धदाता आश्रम बन चुका है। उन्होंने मौजूद जन से उनके ईर्ष्या, द्वेष और अहंकार का त्याग गिफ्ट के रूप में मांगा। जिस पर सभी ने हाथ उठाकर समर्थन किया। स्वामीजी ने बताया कि दुनिया भर में लाखों परिवार आज अपने अपने घरों में बाबा का जन्मदिन मना रहे हैं और हमें वीडियो व फोटो भी भेज रहे हैं। मैं चाहता हूं कि सभी के जीवन में प्रसन्नता रहे। मौजूद सभी लोगों को प्रसाद एवं भोजन प्रसाद प्राप्त हुआ।

कार खड़ी करने में झगड़े में बाप बेटे को पीटा

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के हीरापुर गांव में एक युवक को मकान के सामने खड़ी कारों को हटाने को बोलना महंगा पड़ गया। कार मालिक और उसके परिजनों ने युवक व उसके पिता को पीट कर घायल दिया। हमले घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया। थाना छांयसा में दर्ज मामले के मुताबिक हीरापुर गांव निवासी चंद्रपाल कौशिक ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह गांव में आरओ पानी सप्लाई करता है। अन्य दिनों की तरह 17 मई की सुबह दस बजे वह गांव में पानी सप्लाई करने जा रहा था। आरोप है कि रामकुमार गौड़ की कोठी के सामने दोनों ओर कार खड़ी हुई थी। जिस वजह से उसे रास्ते से निकलना मुश्किल हो रहा था। चंद्रपाल कौशिक ने आवाज लगाकर उनसे कारों को हटाने के लिए कहा। आरोप है कि तभी सुमेश गौड़ घर से निकल कर आया उसके साथ गाली गलौंज करने लगा।

सीटू 30 को मनाएगा स्थापना दिवस

फरीदाबाद । सीटू जिला सचिव मंडल फरीदाबाद की मीटिंग बुधवार को सीआईटीयू के ओल्ड फरीदाबाद स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान निरंतर पराशर ने की। इस मौके पर आगामी 30 मई को सीटू की स्थापना दिवस के अवसर पर सेक्टर 12 में बड़ी सभा करने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी। उन्होंने बताया कि सीटू का गोल्डन जुबली समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा। डंगवाल ने बताया कि 30 मई 1970 को हमारे संगठन सीटू की स्थापना हुई थी। यह साल संगठन का गोल्डन जुबली साल है।

कोराना के चलते लोक डाउन के वजह से गोल्डन जुबली समारोह बड़े पैमाने पर नहीं बनाया जा सकता परंतु इस दिन को स्थानीय स्तर पर मनाने का फैसला लिया गया है। सीटू सचिव मंडल जिला फरीदाबाद ने एक अन्य प्रस्ताव में इस कार्यक्रम को अनेक फैक्ट्रियों के गेटों पर सीटू का झंडा पहरा कर सभा करके आयोजित करने का निर्णय भी लिया है। एक अन्य प्रस्ताव में इस कार्यक्रम को गांव के स्तर पर भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 30 मई को सभी यूनियनों के सदस्य जो गांव/शहर की कालोनियों में रहते हैं अपने संगठन के जन्मदिन को हर्षोल्लास के साथ मनाए। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी, आशा, मिड डे मील मदर ग्रुप, वन मजदूर यूनियन, ग्रामीण सफाई कर्मचारी, ग्रामीण चौकीदार भी शामिल होंगे। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना योद्धाओं को किया सम्मानित

फरीदाबाद। संजय कालोनी स्थित डिस्पेंसरी में कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें चिकित्सक, आशा वर्कर, नर्स, स्वास्थ्य कर्मियों समेत सफाई कर्मचारी कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विधायक नीरज शर्मा ने कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया। उन्होंने कोरोना योद्धा जिसमें मुख्यत: चिकित्सक नर्स आशा वर्कर सफाई कर्मचारी जो आज समाज के लिए अपनी जान की परवाह करें बिना दिन रात समाज सेवा में लगे हुए हैं उन्हें पुष्प व शाल भेंट करके संजय गुप्ता व अर्चना गोयल ने सम्मानित किया। क्योंकि इस समय इन योद्धाओं का हौसला बढ़ाना बहुत जरूरी है ताकि वह समाज के लिए अपनी क्षमता से अधिक कार्य कर सकें। रोज रोज एक ही तरह का कार्य करने से कई बार जीवन में नीरसता आ जाती है जिसको दोबारा जागृत करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम और प्रोत्साहन देना आवश्यक हो जाता है। इसी कड़ी में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता और सीजेएम मंगलेश कुमार चौबे के प्रोत्साहन के बाद एडवोकेट संजय गुप्ता व अर्चना गोयल ने नीरज शर्मा के द्वारा सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया।

स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

फरीदाबाद। एनएचपीसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, पावर स्टेशनों, तथा परियोजनाओं में 16 मई से 31 मई 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रही है। इस पखवाड़े के दौरान एनएचपीसी फरीदाबाद में स्थित अपने मुख्यालय और आवासीय परिसर तथा उसके आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान एवं स्वच्छता किट वितरण जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी कर रही है। इन गतिविधियों का आयोजन ए.के. सिंह, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत, एनएचपीसी ने 27 मई 2020 को संतोष नगर के स्थानीय निवासियों, एनएचपीसी में संविदा श्रमिकों और एनएचपीसी सुरक्षा कर्मचारियों को व्यक्तिगत स्वच्छता किट वितरित की। कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए, सोशल डिस्टेंसिंग के सभी मानदंडों का पालन करते हुए यह गतिविधियां की जा रही हैं।

ट्रस्ट पेश कर रहा उदारता की मिसाल

फरीदाबाद। दो महीन से भी अधिक समय से गरीबों के खाने पीने की व्यवस्था कर रहे बाल्मीकि आश्रम धर्माथ सुधार ट्रस्ट गांधी कालोनी, वाल्मीकि मोहल्ला एनआईटी फरीदाबाद ने वाकई में उदारता की मिसाल पेश की है। जहां आज अधिकतर सामाजिक संस्थाओं ने गरीबों में भोजन बांटने के कार्य पर पूर्ण विराम लगा दिया है वहीं दूसरी और बाल्मीकि आश्रम धर्माथ सुधार ट्रस्ट के प्रधान किशोरी लाल और उनका परिवार आज भी बिना नागा जरूरतमंद गरीबों की सेवा करने में जी जान से जुटा हुआ है, जो भूखे गरीबों के लिए किसी देवदूत से कम नहीं है। ट्रस्ट द्वारा संचालित भगवान बाल्मीकि मंदिर के प्रांगण में कई सौ जरूरतमंद गरीबों को भोजन वितरित किया गया।

स्पेक्ट्रोस्कोपिक व विश्लेषणात्मक तकनीक पर कार्यक्रम आरंभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उन्नत तकनीकी ज्ञान द्वारा शिक्षक अनुसंधान को बढ़ावा दें: कुलपति प्रो. दिनेश कुमार

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैमिस्ट्री विभाग द्वारा 'स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीक: अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को गुरु अंगद देव शिक्षण अध्ययन केंद्र, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों लगभग 200 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से प्रो. नागेश ठाकुर, (सदस्य यूजीसी) तथा डॉ ओम प्रकाश विशिष्ट अतिथि रहे और पीडीएम विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. एके बख्शी उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता रहे।

इस अवसर पर कैमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी की विभिन्न अन्वेषण विधियों तथा इसकी प्रगति से प्रतिभागियों को परिचित करवाना है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संकाय सदस्यों के ज्ञानवर्धन के लिए कार्यक्रम आयोजित करने पर विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा प्रतिभागियों को उन्नत अन्वेषण विधियों की जानकारी हासिल करने तथा इससे जुड़े अनुसंधान में रूचि लेने के लिए प्रेरित किया।

जमीनी विवाद में मारपीट व फायरिंग

फरीदाबाद। शाहबाद गांव में मंगलवार को दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद के कारण झगड़ा हो गया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों के घर में घुसकर मारपीट करते हुए फायरिंग कर दी। पुलिस ने इस मामले में एक पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। दूसरे पक्ष की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। थाना तिगांव में दर्ज मामले के मुताबिक शाहबाद गांव निवासी धर्मपाल ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसका संतराज आदि से जमीनी विवाद चल रहा है। जिसे लेकर कई बार सामाजिक तौर पर पंचायतें भी हो चुकी है, लेकिन फैसला नहीं हो सका। आरोप है कि मंगलवार दोपहर को संतराज, संजय, बलराज, विपिन, बिन्नू, खेमचंद आदि धर्मपाल के घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट कर दी। आरोप यह भी है कि हमलावरों ने फायरिंग भी की। जांच अधिकारी आनंदपाल ने बताया कि यह दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद का मामला है।

आधुनिक भारत के निर्माता थे नेहरू : कौशिक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने नीलम चौक पर एक सभा आयोजित कर मनाई। इस अवसर सभा का आयोजन पूर्व विधायक आनन्द कौशिक, प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक ने किया। उपस्थित सभी कांग्रेसियों ने नेहरू जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला।

पूर्व विधायक आनन्द कौशिक व बलजीत कौशिक ने कहा कि पं.जवाहरलाल नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता थे। देश की आजादी से लेकर आजाद भारत को समृद्ध बनाने तक नेहरू जी का अहम योगदान रहा है। पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपने शासन काल में जो विकास कार्य करवाए थे। उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने उद्योगों को बढ़ावा दिया। नेहरू जी ने अपनी दूरदृष्टि और समझे से जो पंच वर्षीय योजना बनाई उनसे देश को आज भी लाभ मिल रहा है। पं. जवाहरलाल नेहरू ने देश को आधुनिक बनाने के लिए जो काम किए उन्हें सदा याद रखा जाएगा। उनके बताए हुए रास्तों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धाजलि होगी।

इस मौके पर डा. सौरभ भारद्वाज, गुलाब चौधरी, अश्वनी कौशिक, पूर्व पार्षद जगन डागर, पूर्व पार्षद अनिल शर्मा, कर्मबीर खटाना, रामप्रवेश, महेश बैंसला, शिवा, सुशांत गुप्ता, विकास कौशिक, सचिन शर्मा, गुड्डू, मंगत शर्मा, नीतिन वर्मा, डायमंड शर्मा, विवेक गुप्ता सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

1650 प्रवासी मजदूरों को बिहार रवाना किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद से विभिन्न राज्यों में भेजे जाने वाले प्रवासी लोगों को भेजे जाने की श्रृंखला में आज ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन से मुजफ्फरपुर, बिहार के लिए 1650 यात्रियों को रवाना किया गया। इस अवसर पर एसडीम फरीदाबाद अमित कुमार ने सभी यात्रियों को विदाई दी तथा उनके स्वास्थ्य व सुरक्षित यात्रा की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रवासी लोगों के लिए उनके गृह राज्य भेजने के लिए हरियाणा सरकार ने जो व्यवस्था की है, उसके कारण आज सभी प्रवासी लोगों के चेहरे खिले हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मजदूरी के सिलसिले में जिले में आए यह लोग अपने प्रदेशों में समय रहते पहुंच जाएं, यही प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से सभी यात्रियों के लिए निशुल्क व्यवस्था की है तथा टिकट पर खर्च होने वाली राशि को सरकार वहन करेगी। प्रवासी लोगों को उनके घर तक पहुंचाने के लिये ट्रेनों व बसों द्वारा व्यवस्था की जा रही है। उपायुक्त यशपाल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी निरंतर इस कार्य में लगे हुए हैं। सभी यात्रियों को खाने-पीने का सामान व मास्क दिए गए हैं, ताकि उन्हें रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि ई-दिशा पोर्टल प्रवासी लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो रहा है।

प्राइवेट स्कूल नहीं भरेंगे शिक्षा बोर्ड का पांच हजार का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्र सेन शर्मा ने लॉकडाउन के दौरान अपनी कार्यकारिणी की ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक आवश्यक मीटिंग की, जिसमें प्रमुख रूप से सतीश शर्मा, भरत शर्मा, राज कुमार, अवतार सिंह, जेपी सिंह, कमल शर्मा, ओम दत्त, गोविंदराम, मोतीराम, राजेश शर्मा, लक्ष्मी नारायण के अलावा टीकाराम, ज्ञानचंद, रमेश पाल, विमल और ओपी धनकड़ आदि ने ऑनलाइन जुड़कर अपने अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व बोर्ड के चेयरमैन से मांग की गई कि इस वर्ष कोरोना वायरस की बीमारी पूरे देश में फैली हुई है समाज का प्रत्येक तबका दुखी है आर्थिक हालात बिगड़े हुए हैं, देश भुखमरी के कगार पर है ऐसे में सरकार से मांग की जाती है कि कक्षा 10 व कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम दो विषयों में ग्रेस देकर तुरंत घोषित किया जाना चाहिए। इस वर्ष किसी भी छात्र को कंपार्टमेंट घोषित नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि अभिभावकों की आर्थिक हालात ठीक नहीं है वे पूरक परीक्षा की फीस भरने की स्थिति में नहीं है पिछले 3 महीने से अभिभावक भी घर पर खाली बैठे हैं जिससे वह बच्चों की मासिक फीस भी जमा नहीं करा पा रहे हैं ऐसे में बोर्ड का शुल्क भी उन्हें और अधिक परेशानी में डाल देगा। एक अन्य समस्या के प्रति मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री का ध्यान दिलाना चाहते हैं, जो कि बोर्ड के चेयरमैन की हठधर्मिता के कारण निजी स्कूलों और शिक्षा बोर्ड के बीच तनातनी का मामला बढ़ता ही जा रहा है जब बोर्ड चेयरमैन व प्रदेश की विभिन्न एसोसिएशनो के साथ वर्ष 2019 में शिक्षकों की बोर्ड परीक्षा में अनुपस्थित होने पर लगाया गया 5000 रुपये का जुर्माना बोर्ड के चेयरमैन के आश्वासन पर माफ हो चुका है तो फिर बार-बार स्कूलों को धमकी भरे लहजे में क्यों प्रताड़ित किया जा रहा है।

सरकार निजी स्कूल के हित में उठाए कदम

निजी स्कूल पहले से ही कोरोना की मार से परेशान है हमारी मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से अपील है कि सरकार को तुरंत बोर्ड के चेयरमैन को आदेश देकर इस मामले को खत्म कराना चाहिए पूरा प्रदेश वैसे भी महामारी की मार से पीड़ित हैं स्कूलों की स्थिति बहुत नाजुक हो चुकी है अत: हमारी अपील है कि सरकार स्कूलों के हित में कदम उठाए।

भारत पर आक्रामक चीन

लद्दाख में सैनिकों के बीच झड़प

दुनिया में अमेरिका व चीन के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही चीन ने भारत के साथ ऐसे समय आक्रामक शक्ति प्रदर्शन का फैसला किया है जब वह कोरोनावायरस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है। यह महामारी न केवल चीन में पैदा हुई है, बल्कि उसने दुनिया से इसे छिपाए भी रखा। इस प्रकार भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच नवीनतम झड़प डोकलाम के बाद सबसे गंभीर है। इसके साथ ही वह लगातार एक सीमा सड़क मुद्दे पर नेपाल को भारत के खिलाफभड़का रहा है। उसने भारत से अपने नागरिकों को वायरस संक्रमण से बचाने के बहाने बुलाने का फैसला किया है और इस प्रकार वह भारत पर दबाव डाल कर उसे झुकने पर मजबूर कर रहा है। इससे संकेत मिलता है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच विकसित 'वूहान भावना' अब गायब हो गई है। स्पष्ट रूप से दोनों देशों के आर्थिक सरोकार और भू-राजनीति को ज्यादा महत्व मिला है। चीन भारत से गुस्सा था क्योंकि वह उसकी साम्राज्यवादी बेल्ट एंड रोड पहल में बाधा बना है जो छोटे और कमजोर देशों को चीन की आर्थिक गुलामी में लाने के सिवा और कुछ नहीं है। हाल ही में वह जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त कर लद्दाख को संघशासित क्षेत्र बनाने से व्यथित है। लद्दाख में ढांचागत विकास तथा सड़क निर्माण पर सीधे दिल्ली के नियंत्रण से वह चीन से लगी हिमालयी सीमा पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है जहां चीन दशकों से घुसपैठ किया करता था। भारत द्वारा डार्बुक-शायोक-दौलत बेग ओल्डी-डीएसडीबीओ रोड बनाने को भी वह संदेह से देख रहा है जो कराकोरम दर्रे तक पहुंच आसान कर देगी।

भारत-अमेरिका के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी से दक्षिण चीन सागर में चीनी प्रभुत्व को खतरा पैदा हो रहा है तथा कोरोना-पश्चात कुछ अमेरिकी बिजनेस चीन के बजाय भारत में जा सकता है। चीन कोविड प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं में बिजनेसों के अधिग्रहण तेज कर रहा था, जबकि भारत ने एफडीआई नियमों में परिवर्तन कर उसे भारतीय कंपनियों के बारे में ऐसा करने से रोक दिया है। भारत ने खराब चीनी किटों के खरीद आदेश रद्द किए हैं तथा वह वूहान संक्रमण की निष्पक्ष वैश्विक जांच के पक्ष में है। चीन इस विमर्श में शामिल देशों के खिलाफकार्रवाई कर रहा है और उसने जौ पर टैरिफबढ़ा कर आस्ट्रेलिया के खिलाफकार्रवाई की है। चीन ने कोविड-19 के कारण प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था को देखते हुए दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है।

इस बार चीनी सैनिक अक्सर होने वाली झड़पों से आगे बढ़े हैं, उन्होंने पत्थरबाजी की, भारतीय सैनिकों से हाथापाई की, सैनिकों को घायल किया तथा अपने टेंट लगाए। लद्दाख की तीन चौकियों तथा सिक्किम में नकुल दर्रे पर चीनी सैनिकों की संख्या भारतीय सैनिकों की तुलना में अधिक है क्योंकि वे सामान्य रूप से गश्त का काम कर रहे थे। चीन ने मानकों को तोड़ते हुए युद्ध की तैयारी जैसी स्थिति पैदा कर दी है। चिन्ताजनक रूप से वे वास्तविक नियंत्रण रेखा-एलओसी से दूर नए क्षेत्रों में दबाव बढ़ा रहे हैं। गलवान नदी घाटी, पैंगांग सो के 'फिंगर' क्षेत्र तथा लद्दाख के देमचोक व नकुल दर्रे जैसे क्षेत्र विवादास्पद नहीं हैं। गलवान घाटी के बारे में 1962 के युद्ध के समय से कोई भ्रम नहीं है, लेकिन शायद चीन अब जमीनी स्थिति बदलने का प्रयास कर रहा है। स्पष्ट रूप से इस प्रकार की सैनिक गतिविधि भारत पर दबाव बनाने तथा उसे चेतावनी देने की रणनीति है कि वैश्विक राजनय या व्यापार साझीदारी में किसी परिवर्तन का नतीजा दोनों देशों के बीच 3,488 किलोमीटर सीमा पर झगड़ा पैदा करना होगा। डोकलाम गतिरोध 73 दिन चला था। स्पष्ट हे कि चीन विवादास्पद सीमा मुद्दे को इस समय भड़काना चाहता है ताकि वह भारत की बाजार तथा अन्य सीमान्त क्षेत्रों पर प्रभुत्व बना सके। इस प्रकरण से वूहान भावना दूषित हुई है और शायद राजनय से इसे बचाया जा सकता है।

कोरोना से ध्वस्त विश्व की अर्थव्यवस्था

विश्व अर्थव्यवस्था गहरी मंदी का शिकार है। बड़े वैश्विक वित्तीय संस्थानों के बारे में प्राप्त खुफिया सूचनाओं के अनुसार इससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारी परिवर्तन आएगा।

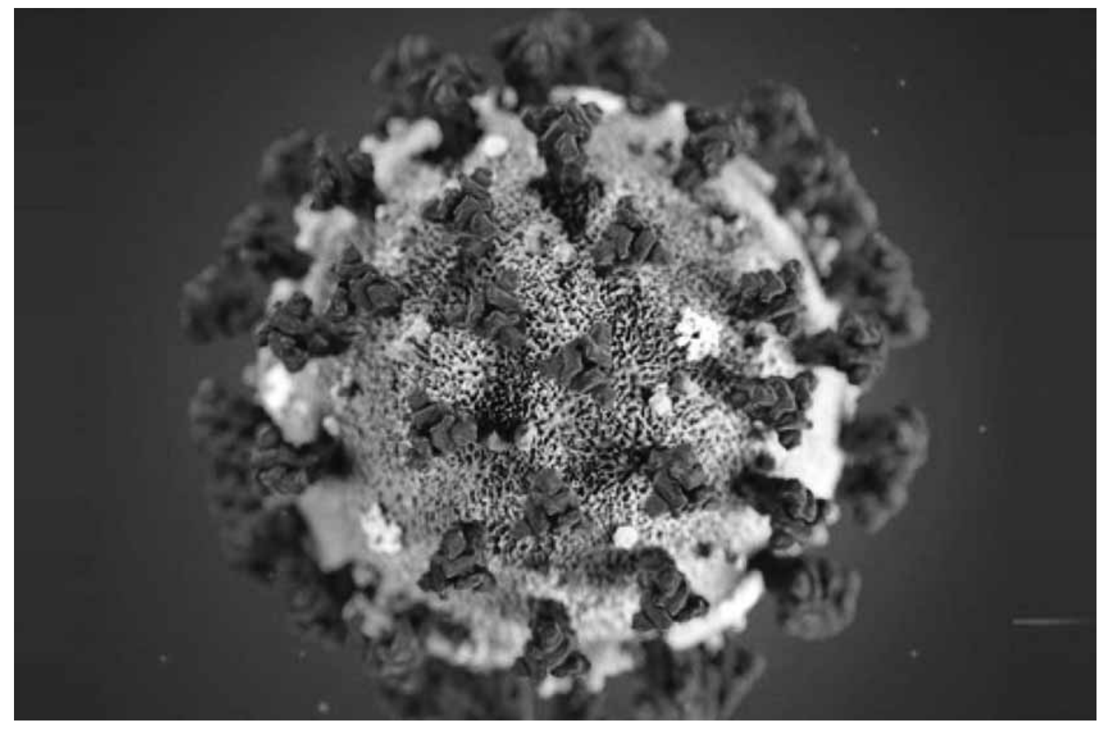

संध्या जैन
लेखिका वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

कोविड-19 के भयानक संक्रमण से भारत गंभीर संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में कुछ 'प्रख्यात' अर्थशास्त्रियों ने केन्द्र को सलाह दी है कि कि गरीबी रेखा के ऊपर रहने वाले सभी नागरिकों की निजी संपत्तियों-नकदी, रियल इस्टेट, संपत्ति व बांड तथा अन्य का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाए। पता नहीं कि सभी आर्थिक समस्याओं का इलाज बताने वाला यह महान विचार सभी सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के निजीकरण के पक्ष में है या नहीं, पर इस पर अलग से चर्चा हो सकती है।

22 मई को योजना आयोग के पूर्व सदस्य अभिजीत सेन, पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार दीपक नैयर, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंटल स्टडीज़ के आर. नागराज तथा अर्थशास्त्रियों प्रणव बर्धन, ज्यां द्रेज व अन्य ने केन्द्र से सभी कोविड-19 रोगियों की मुफ्त देखभाल की अपील की, हालांकि सरकारी अस्पतालों में यही हो रहा है। उनकी इस आश्चर्यजनक सलाह का 'सार्वजनिक बुद्धिजीवियों' ने स्वागत किया। इसमें एकमात्र अनोखी बात निजी संपत्तियों को जब्त करना था। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश करने का 'संकेत' है अथवा पश्चिमी संरक्षण से पलने वाले विद्वान मध्य वर्ग को समाप्त करने का षडयंत्र तो नहीं कर रहे हैं। लेकिन थोड़े अंतराल के बाद यह 'क्रांतिकारी विचार' चुपचाप वापस ले लिया गया।

रूस में विश्लेषकों का विश्वास है कि वैश्विक महामारी का लाभ उठा कर वैश्विक वित्तीय केन्द्र विश्व अर्थव्यवस्था व राजनीति में परिवर्तन कर कुछ देशों में उद्योग समाप्त कर देना चाहते हैं जिनमें चीन, रूस, भारत और यूरोप भी शामिल हैं। इसका उद्देश्य एक नया विशिष्टतावाद विकसित कर दुनिया की जनसंख्या में भारी कमी लाना है। 'बिजनेस गजेटा' से बात करते हुए रूढ़िवादी दार्शनिक व इजबोर्स्क क्लब के सह-संस्थापक विताली एवेरियानोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने 15 जनवरी को राजनीतिक परिवर्तनों की घोषणा इसलिए की थी क्योंकि उनको कई विशिष्ट वंश प्रमुखों तथा मेदवेदेव सरकार के कुछ लोगों के बीच षडयंत्र का पता लगा था।

रूस की राजधानी मास्को में फेडरल सिक्यूरिटी सर्विस (एफएसबी) के मुख्यालय में 19 दिसबंर, 2019 को हुई रहस्यमय गोलीबारी से इस सोच को बल मिलता है कि तख्तापलट का प्रयास नाकाम किया गया था। लेकिन केन्द्रीय बैंक पर अब भी वैश्विक बैंकिंग एजेंटों का कब्जा है जिसे समाप्त किया जाना है। सौभाग्य से रूसी कानून को एक संविधान संशोधन से पुरानी विरासत से मुक्ति दिलाई गई थी जो अंतरराष्ट्रीय कानून पर राष्ट्रीय कानून को वरीयता देता था। इससे किसी 'रंगीन क्रांति' की आशंका समाप्त हो गई।

इस सत्ता संघर्ष के बीच कोरोनावायरस वैश्विक महामारी फूट पड़ी। वैश्विक अर्थव्यवस्था में गहराती मंदी और खुफिया सूचनाओं से वैश्विक विशिष्ट वित्तीय संगठनों के नए कदमों का संकेत मिलता है जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारी परिवर्तन आएगा। रूस के भीतर अनेक विशिष्टतावादी अपनी दुहरी नागरिकता तथा विदेशी खातों को छोड़ रहे हैं। इन खातों का संचालन रिश्तेदारों या अन्य लोगों को सौंपा जा रहा है क्योंकि इनका प्रयोग विदेशी रियल इस्टेट के रूप में किया जा सकता है। इस प्रकार बहुराष्ट्रीय विशिष्ट वर्ग कोविड-19 का लाभ उठा कर सावधानी से बनाए 'प्लान एक्स' को लागू करने के लिए कर रहा है।

अनेक सर्वोच्च रूसी वैज्ञानिकों ने नतीजा निकाला है कि वायरस 'कामन सार्स' का नया रूप है तथा वैक्सीन की कमी घातक नहीं है क्योंकि सामूहिक प्रतिरक्षा का विकास अवश्यंभावी है। पश्चिमी वैज्ञानिकों व विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ की भी यही राय है। इसके साथ ही 50 से 85 प्रतिशत पीड़ित बिना लक्षणों वाले हैं। इस आश्चर्यजनक गुण के कारण वायरस की कृत्रिम उत्पत्ति की आशंका पैदा होती है जिसका संक्रमण तेजी से सीमित लक्षित समूह तक फैलाया जा सकता है। संक्रमण फैलने और असंख्य गुप्त संक्रमित लोगों के कारण क्वारंटीन या 'घर पर रहने' से उन मामलों की संख्या घट सकती है जिनमें गहन चिकित्सा की आवश्यकता हो। यह लाकडाउन के माध्यम से कहीं भी आर्थिक गविविधि ठप करने का एकमात्र तर्क है।

आक्सफोर्ड के महामारी विशेषज्ञ टाम जैफर्सन ने सबसे पहले इसकी ओर संकेत किया था। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा कैलीफोर्निया में किए एक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वास्तव में संक्रमित लोगों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कम से कम 50 गुना ज्यादा है। आश्चर्य नहीं कि क्वारंटीन के माध्यम से संक्रमण रोकने के प्रयास विफल हुए हैं, पर इससे औद्योगिक अर्थव्यवस्था नष्ट हो गई है। चूंकि जनवरी और फरवरी में यह विचार सामने नहीं आया था, इसलिए वूहान में क्वारंटीन को डब्लूएचओ ने समाधान की तरह पेश किया और अधिकांश देशों ने इसे स्वीकार कर लिया। इसके कारण कोविड-19 रोगियों को मिले महत्व के कारण अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित लोगों को भयानक संकट का सामना करना पड़ा।

केवल स्वीडेन, जापान, बेलारूस व आंशिक रूप से नीदरलैंड ने इसे नहीं माना। अमेरिका और इटली में भी कोविड-19 के कारण होने वाली मौतें कुल जनसंख्या की 0.04 प्रतिशत से कम तथा संक्रमित लोगों के 0.2 प्रतिशत से कम हैं। इस प्रकार महामारी विज्ञानी नील फर्गुसन द्वारा लाखों लोगों की मौत की भविष्यवाणी गलत सिद्ध हुई है। ईमानदारी से कहा जाए तो सच्चाई पर आधारित गणितीय माडल काफी सही हो सकते हैं, पर अक्सर वे कुछ अवधारणाओं के आधार पर बनाए जाते हैं।

वित्त, तेल व स्वर्ण बाजार में हो रही घटनाओं से स्पष्ट है किकोविड-19 को लेकर विश्व स्तर पर जारी उत्तेजना शक्तियों के पुन: वितरण का बहाना है। अर्थव्यवस्था बंद होने के हर सप्ताह में हजारों उद्यम नष्ट हो जाते हैं। इस दुहरे युद्ध का उद्देश्य वि-औद्योगीकरण है। इसका अर्थ लोगों को विनिर्माण अर्थव्यवस्था से बाहर करना, जनसंख्या घटाना तथा अंतत: मध्य वर्ग का विनाश है।

जैसा कि अनुमान था इससे चीन की विनिर्माण व बिक्री प्रभावित हुई। नव-उदारवादी विचारक व उद्यमी छोटे और मझोले बिजनेस बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं और वर्तमान संकट से उनका विनाश हो सकता है। अनुमान है कि 70 प्रतिशत विनिर्माण क्षेत्र दीवालिया हो जाएगा तथा सेवा क्षेत्र लगभग नष्ट हो गया है। यह संकट एक नई महान वैश्विक मंदी को जन्म दे सकता है।

एंग्लो-सैक्सन दुनिया में इस युद्ध से केवल बहुराष्ट्रीय विशिष्ट वर्ग के 100 या 200 परिवार लाभान्वित हो सकते हैं। लेकिन विताली अवेरानेव को दुख है कि रूस के विशिष्ट व भ्रष्ट लोग इस युद्ध में अपने सहयोगियों की तलाश करते हैं। वे चाहते हैं कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था संकट में घिर जाए, सारे बजट निरर्थक हो जाएं तथा रूस दीवालिया हो जाए। लेकिन वैश्विक खिलाड़ियों को संकटों व मंदियों की कई शताब्दियों का अनुभव है और उन्होंने बाहर निकलने के सभी रास्ते बना लिए हैं। उन्होंने योजना बना ली है कि अपना मुनाफा कैसे बढ़ाया जाए और सत्ता कैसे मजबूत की जाए। रूसी विशिष्ट लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि वे स्वयं को किस खाई में धकेल रहे हैं तथा वैश्विक विशिष्ट लोगों के मुहरे की तरह काम कर रहे हैं। भारत में भी कुछ प्रख्यात अर्थशास्त्री यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वैश्विक विशिष्ट वर्ग द्वारा अपना लक्ष्य प्राप्त करने के बाद उनकी उपयोगिता समाप्त हो जाएगी।

अमेरिका में इस दुहरे युद्ध से पैदा शक्तियां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुन: चुनाव को संकट में डाल रही हैं। इसलिए ट्रंप ने वैश्विक वित्तीय विशिष्ट वर्ग का विरोध करते हुए डब्लूएचओ को पैसा देने से इनकार कर दिया जो बहुराष्ट्रीय विशिष्ट वर्ग 'क्लब' की शाखा की तरह काम कर रहा है। उन्होंने 'सामूहिक प्रतिरक्षा' का समर्थन किया है और वे संकट से निपटने के लिए किसी जादुई वैक्सीन की प्रतीक्षा नहीं कर रहे हैं।

विश्व का मुख्यधारा मीडिया बिल गेट्स को महामारी के खिलाफयोद्धा की तरह पेश कर रहा है। गेट्स फाउंडेशन ने टीकाकरण, परिवार नियोजन व पिछड़े देशों में जीएमओ फसलों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं को पैदा संकट के प्रति समझदारी पैदा हुई है, लाखों लोग भयानक बेरोजगारी के शिकार हुए हैं तथा अर्थव्यवस्थाओं को जल्दी से जल्दी पटरी पर लाना जरूरी हो गया है।

दायित्व निभाने में विफल विभाजित विपक्ष

"जबकि भाजपा ने अपना एजेंडा तय कर लिया है, विपक्ष अभी भी लड़खड़ाता नजर आ रहा है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी मोदी सरकार को चुनौती देने में विफल रही है।"

कल्याणी शंकर
(लेखिका राजनीतिक टिप्पणीकार एवं स्तम्भकार हैं)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को अपने दूसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूर्ण करने जा रहे हैं। जबकि आलोचक मोदी सरकार के रिपोर्ट कार्ड पर चर्चा कर रहे हैं, इससे पिछले एक वर्ष के दौरान विपक्ष के निष्पादन के बारे में भी सोचना पड़ेगा। क्या उसने लोकतंत्र के प्रहरी के तौर पर अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई है? जवाब है 'नहीं।' कुल मिलाकर उसकी भूमिका ढुलमुल प्रकृति की रही है, यद्यपि कुछ गैर भाजपा दलों को पिछले एक वर्ष में ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड में सरकार बनाने का श्रेय जाता है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी मोदी सरकार को चुनौती देने में निष्प्रभावी रही है क्योंकि यह सबसे पुरानी पार्टी स्वयं नेतृत्व संकट से गुजर रही है। वह एक प्रभावी राजनीतिक विमर्श को लेकर अभी भी अंधेरे में भटकर रहा है एवं विचारों के जबर्दस्त अभाव से गुजर रहा है। इस प्रक्रिया में कांग्रेस अपनी पहचान तथा देश में राजनीतिक प्रासंगिकता पुन: खोज रही है।

फिलहाल, विपक्ष की अप्रभावीयता के कई कारण हैं। पहला यह है कि जनता ने मोदी को 2019 में एक विशाल जनादेश दिया है, जो 2014 से भी बड़ा है जब वो देश में गठबंधन राजनीति के 30 साल से चले आ रहे दौर के बाद सत्ता में आए थे। मगर यह कोई बहाना नहीं होना चाहिए क्योंकि विपक्ष ने बोफोर्स विवाद के चलते 1989 में राजीव गांधी सरकार को हराने में सफलता पाई थी। असलियत में, राजीव कहीं ज्यादा बड़े जनादेश के बल पर सत्ता में आए थे, जब उन्होंने 1984 में 542 में से 415 सीटें जीती थीं जबकि मोदी की भाजपा को 2019 में 303 सीटें ही मिली हैं।

मगर उस समय इंद्रजीत गुप्त, सोमनाथ चटर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी, एलके आडवाणी तथा अन्य कई कद्दावर तथा बड़े

नेता थे जो बोफोर्स मुद्दे पर सदन को घेरने में सक्षम थे तथा राजीव सरकार को सत्ता से बाहर करने में सफल रहे। अत: विपक्ष में व्याप्त वर्तमान संकट पर संख्या का खेल लागू नहीं होता। पिछले एक वर्ष में मोदी सरकार पर चोट करने के लिए मुद्दे तथा अवसर प्रचुर मात्रा में थे लेकिन विपक्ष द्वारा किए गए हमले कमजोर थे। उदाहरण के लिए, नागरिकता संशोधन कानून एवं अनुच्छेद-370 हटाया जाना आदि कई विवादास्पद कानूनों को सरकार द्वारा संसद के भीतर व बाहर विपक्षी विरोध के बावजूद पारित कर दिया गया। सरकार के लिए चीजें आसान बनाने के लिए, कोरोनावायरस के फैलाव ने सभी अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को पृष्ठभूमि में ला दिया, जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था की दुर्दशा भी शामिल है। पिछले पांच महीनों से देश में महामारी के अलावा अन्य किसी बात पर चर्चा ही नहीं हो रही है। दुर्भाग्य से, संसद के बगैर, विपक्ष ने देश में सड़कों पर भटकते प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा को प्रभावी ढंग से उजागर करने का अवसर गंवा दिया है, यद्यपि प्रत्येक दल ने व्यक्तिगत रूप से यह मुद्दा उठाया है।

हालांकि, विपक्ष को कमजोर करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक है विविध राजनीतिक पार्टियों के बीच एकता का अभाव होना। वे सीएए जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी एकजुट होने में विफल रहे यद्यपि कु छ राजनीतिक दल सड़ाके पर उतरे थे। मोदी जैसे चतुर राजनेता ने इस विभाजन का सफलतापूर्वक लाभ उठाया और वो राज्यसभा में भी ऐसे विवादास्पद कानून पारित कराने में सफल हो गए जहां सरकार अभी भी अल्पमत में है। इन सभी झटकों के बावजूद, विपक्ष एकतुटता के अपने प्रयासों को कायम रखने में सक्षम नहीं हुआ है। लगभग 22 विपक्षी दलों ने पिछले सप्ताह कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी द्वारा आहूत वीडियो बैठक में भाग लिया था।

अतीत में भी इस तरह की कई बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन विभाजित विपक्ष को एकजुट करने के सभी प्रयास अब तक विफल रहे हैं क्योंकि क्षेत्रीय क्षत्रपों के अहं ऊंचे हैं और वे उन्हें किनारे में करने को तैयार नहीं हैं।

इसलिए, विपक्ष विभाजित है और कांग्रेस नेतृत्वविहीन, वो भी सबसे प्रमुख राष्ट्रीय दल होने के बावजूद, अग्रणी भूमिका निभाने में समर्थ नहीं नजर आ रही है। वे विपक्ष की अगुवाई करने के मामले में एक नेता पर सहमत होने को तैयार नहीं है। देवेगौड़ा, मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद जैसे क्षत्रप अब पीछे हट चुके हैं यद्यपि कई वरिष्ठ नेता सोनिया द्वारा आहूत बैठक में शामिल हुए, मगर वे गांधियों के नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, विपक्षी नेताओं की नई पीढ़ी का जनता से जुड़ाव नहीं है क्योंकि परिवारवाद की अवधारणा केवल क्षेत्रीय स्तर पर काम करती है।

साथ ही, विपक्ष के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जो मोदी के भाषण शैली कौशल और प्रभावीयता को टक्कर दे सके। मोदी की लोकप्रियता निरंतर जारी है क्योंकि उनको टक्कर देने वाला कोई नहीं है। असली बात यह है कि जबकि भाजपा ने अपना एजेंडा तय कर लिया है, विपक्ष अभी भी लड़खड़ाता नजर आ रहा है। अब समय आ गया है कि विपक्ष सरकार को चुनौती देने के लिए एक प्रभावी रणनीति विकसित करे। यह लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा।

आप की बात

स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें

स्वस्थ मानवीय संसाधनों की उपस्थिति देश के आर्थिक विकास की अनिवार्य शर्त है। हमारे देश में स्वास्थ्य पर खर्च जीडीपी का मात्र 1.2 फ़ीसदी है। जबकि नई स्वास्थ्य नीति-2017 में इसे बढ़ाकर जीडीपी का 2.5 प्रतिशत किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यह भी अन्य देशों की अपेक्षा बहुत ही कम है। वर्तमान महामारी के संकट नें भी हमारी स्वास्थ्य नीति की अक्षमता को उजागर किया है। जहाँ सरकारी संस्थाएं अपनी पूरी क्षमता से महामारी के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ रही हैं, वहीं निजी क्षेत्र अपने मोटे ख़र्चों के कारण आम आदमी की पहुँच से लगभग बाहर ही हो गए हैं। गेट्स-बफ़ेट का मॉडल हो या प्रेमजी फाउंडेशन असल में ऐसे उदाहरण भी मात्र उंगलियों पर ही गिने जा सकते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र के राष्ट्रीयकरण की मांग हो रही है। मालूम हो कि सर्वोच्च न्यायालय नें स्वास्थ्य के अधिकार को अनु-21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में परिभाषित किया है। वहीं अनुच्छेद-47 के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्राथमिक जिम्मेदारी भी राज्य की है। अध्ययन यह बताते हैं कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के भारी भरकम खर्च उठाने के कारण ही करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं।

– **वीरेंद्र बहादुर पांडेय**, गोंडा

लॉकडाउन के परिणाम

लॉक डाउन जहां हवा, नदियां व पर्यावरण की शुद्धता के लिए वरदान साबित हुआ है, वही मुसीबतों का सामना करने वालों (आम व गरीब मजदूरों) के लिए अभिशाप। लेकिन लॉक डाउन के चलते कई ऐसी तस्वीरें भी उभरी है,जो इंसानियत- स्वाभिमान, मेहनत व दिल पसीजने के सुखद पहलुओं से भी रूबरू कराती है। जैसे इंसानियत, जरूरतमंदों को भोजन पानी मुहैया करवाना। मेहनत- पति पत्नी द्वारा बैठे रहने की बजाए अपने दम पर कुआं खोदना। स्वाभिमान, मजदूर कामगारों के गांवों कस्बों में घिर जाने के कारण, गांव वासियों ने उनके भोजन पानी का ख्याल रखा व मदद की तो इन लोगों ने केवल मुफ्त में रोटी तोड़ने की बजाय राजस्थान के एक राजकीय स्कूल की रंगाई पुताई कर के स्कूल को चमका दिया,तो कुछ मजदूरों ने पूरे गांव में गाजर घास उखाड़ व साफ सफाई कर डाली। दिल पसीजना-आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर लुटेरों ने पैदल जा रहे मजदूर परिवार से भूखमरी की कहानी सुनकर 5000 रुपयों की मदद कर डाली। हम भी तो देना सीखें, रंगाई पुताई करने वाले पेंटरों व साफ-सफाई करने वाले मजदूरों ने कहा कि जब गांव के लोग खाने पीने की व्यवस्था कर रहे हैं तो हमारा भी कर्तव्य बन जाता है।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

अफसरों द्वारा आत्महत्याएं

राजस्थान के एक कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार अफसर ने तनाव के कारण आत्महत्या कर मौत को गले लगा लिया। एक तरफ पुलिस और डॉक्टरों के सम्मान में कोरोना वॉरियर का खिताब देकर सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ ऐसी घटना दु:खद है। कड़वी सच्चाई है कि राजनीति अफ़सरों को अंगुलियों पर नचाने का प्रयास करती आई है। नेताओं द्वारा मनमाने कार्यो के लिये अधिकारियों पर दबाव डाला जाता है। न झुकने और ईमानदारी से जिम्मेदारियों को निभाने वाले अफ़सरों को भी तबादलों का दंश झेलना पड़ता है। यही कारण है कि सरकारी अधिकारी नाम, पैसा, शोहरत के बावजूद भी तनाव में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं। ऐसी घटनाओं से सरकारी महकमे के लोगो का मनोबल भी कमजोर होता है। विद्यार्थी के तौर पर राजकीय सेवाओं में आने के लिये मेहनत कर प्रतियोगिता का सामना करते है। राजकीय सेवाओं में पुलिस और डॉक्टरों पर कार्यभार ज्यादा होने की वजह से अपने परिवार के लोगों के साथ भी वक्त तक नही बिता पाते।

– **महेश सिद्धमुख,** राजस्थान

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

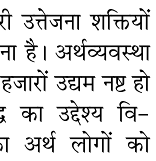

तथ्यों को समझे बगैर हमारे लिए रुख तय करना कठिन हो गया है। सरकार को जनता के समक्ष स्पष्ट करना चाहिए कि सीमा पर क्या हो रहा है।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

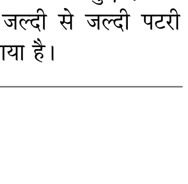

अन्य राज्यों से आने वाले श्रमिकों में से 25-30 प्रतिशत लोगों में कोरोनावायरस संक्रमण होने की जानकारी मिली है।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

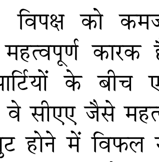

लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों में इतने प्रतिशत में कोरोना संक्रमण कहां से आया? फिर भी कुछ ही परीक्षण क्यों किए जा रहे हैं।

– **प्रियंका वाड्रा**
कांग्रेस नेता

सड़कों के किनारे लगाए जाएं फलदार व औषधीय पौधे: केशव

● 800 किमी सड़कों को हर्बल रोड के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर चल रहा काम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि वे सड़कों को हर्बल रोड के रूप में विकसित करने का हर-सम्भव प्रयास करें। श्री मौर्य ने बताया कि इस वर्ष उनके दिशा निर्देशन में 800 किमी सड़कों को हर्बल रोड के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना बनायी जा रही है। उन्होने निर्देश दिये हैं कि सड़कों के किनारे हर्बल व औषधीय पौधे लगाये जाने की योजना के तहत सड़कों के किनारे औषधीय एवं फलदार पौधे जैस पीपल, आंवला, नीम, जामुन, सहजन, बेल आदि के पौधे लगाये जाएं। उन्होंने इन पौधों को लगाये जाने के लिये अभी से तैयारी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होने निर्देश दिये हैं कि जो पौधे लगाये जाएं उनकी सुरक्षा के लिये ट्री गार्डों की व्यवस्था भी बरसात से पूर्व ही कर ली जाय तथा उनकी सुरक्षा व संरक्षण के लिये बेलदारों व मेटों आदि को भी जिम्मेदारी सौंपी जाय। श्री मौर्य ने कहा कि हर्बल रोड विकसित किये जाने से जहां एक ओर पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन को बढ़ावा मिलेगाए वहीं औषधीय पौधों से तमात प्रकार की दवाईयों को बनाये जाने में उपयोग में लाया जा सकेगा। यही नहीं सड़कों के किनारे इन पौधों के रोपण से वर्षा से सड़कों की कटान रोकने में भी मदद मिलेगी।

टिड्डी दल से निपटने के लिए विशेष सतर्कता बरतें

● नियंत्रण के लिए किया गया टीमों का गठन, एडवाइजरी भी जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टिड्डी दल पर नियंत्रण करने के लिए प्रदेश के सीमावर्ती जनपदों झांसी, ललितपुर, आगरा, मथुरा, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, जालौन, इटावा एवं कानपुर देहात आदि जनपदों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री ने समीक्षा कर सम्बन्धित जिलों के जिलाधिकारियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को टिड्डी दल से बचाव के लिए उचित कार्रवाई करने को कहा है।

आपदा प्रबन्धन अधिनियम-2005 की व्यवस्था के अनुसार जिलाधिकारियों को कोषागार नियम-27 के अन्तर्गत संसाधनों की व्यवस्था के लिए धनराशि व्यय करने के निर्देश दिये गए हैं।

प्रदेश स्तर पर टिड्डी दल के नियंत्रण के लिए नियंत्रण कक्ष तथा टीमों का गठन किया जा चुका है जो टिड्डी दलों के प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में भ्रमण एवं उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखकर सम्बन्धित जिलों को आवश्यक सुरक्षात्मक निर्देश जारी कर रहा है। जिला मुख्यालयों पर इस के लिए नोडल अधिकारी, टास्क फोर्स एवं नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के निर्देश के क्रम में जनपदों में भी गठन की कार्यवाही की जा चुकी है। टिड्डी दल के प्रकोप की सूचना ग्राम प्रधान, लेखपाल, कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों सहित समस्त क्षेत्रीय कार्मिकों के माध्यम से त्वरित ढंग से कृषकों तक पहुंचाने के लिए सम्बन्धित जनपदों को निर्देश दिए गए हैं। टिड्डियों द्वारा आक्रमण करने की स्थिति में एक साथ इकट्ठा होकर ढोल, नगाड़े, टीन के डब्बे, थालियां आदि को बजाते हुए शोर मचाने की एडवाइजरी भी जारी कर दी गयी है।

कृषि विभाग के जनपदीय अधिकारियों को लोकस्ट वार्निंग आर्गनाइजेशन की तकनीकी टीम और क्षेत्रीय निवासियों, कृषकों से निरन्तर समन्वय बनाये रखने के निर्देश दिये गये हैं। कृषि विवि और केन्द्रीय एकीकृत नाशिजीव प्रबन्धन केन्द्रों लखनऊ, गोरखपुर एवं आगरा का भी सहयोग लेने के भी निर्देश दिये गये हैं।

ओडीओपी के लिए अब मिलेगा ऑनलाइन लोन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह तथा औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने बुधवार को बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निर्मित ओडीओपी ऑनलाइन प्लेटफ ार्म का शुभारम्भ किया। यह ऑनलाइन प्लेटफार्म ओडीओपी योजना के अंतर्गत ऋण सुविधा प्राप्त करने के लिए एक समर्पित पोर्टल है। इस प्लेटफार्म के माध्यम से ओडीओपी कारीगर एवं इकाईयां घर बैठे 59 मिनट में लोन स्वीकृत करा सकते है। यह प्लेटफार्म ओडीओपी ऋ णों के स्वचालित अनुमोदन में भी सहायता करेगा।

इस पोर्टल की परिकल्पना प्रमुख सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल द्वारा की गई थी। बैंक ऑफबड़ौदा से ओडीओपी कारीगरों और इकाइयों को लाभ दिलाने के सम्बन्ध में उन्होंने बैंक ऑफबड़ौदा और ओडीओपी के बीच एक एमओयू अक्टूबर 2019 कराया था। इस एमओयू के तहत ओडीओपी कारीगरों और इकाइयों के बीच बैंक क्रेडिट प्रसार के लिए बैंक ऑफबड़ौदा थर्ड-पार्टी ऋण एग्रीगेटर्स की भूमिका निभायेगा। इसके अतिरिक्त बैंक ऑफ बड़ौदा ओडीओपी सेल के साथ मिलकर एक वेंचर कैपिटल फंड बनाएगा। यह फंड मुख्य रूप से ओडीओपी स्टार्ट-अप्स या नई इकाइयों की फं डिंग करेगा। इस फण्ड के सम्बन्ध में बैंक ऑफ बड़ौदा निवेश मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार होगा जबकि निवेश की मंजूरी एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा प्रदान की जाएगी।

लोगों के सामने पैदा हो गया है रोजगार और रोजी रोटी का संकट: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में लोगों के सामने रोजगार और रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया। सरकार की उदासीनता और अदूरदर्शिता से प्रदेशवासियों के सामने बहुत बड़ी समस्या पैदा हो रही है। पूरे प्रदेश को ठप कर सरकार ने करोना संक्रमण को रोकने के लिए जो ढोल पीटा था वह असफल हो गया। सरकार न तो व्यापारियों की कोई मदद कर रही और न तो दुकानों को खोलने का कोई दिशा निर्देश स्पष्ट है। सरकार कुछ कहती है। अधिकारी कुछ और डंडा चलाते हैं। बड़ी संख्या में छोटे व्यापारी प्रताड़ित किए जा रहे हैं। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी व्यापारियों के ऊपर जबरन जुर्माना ठोंक रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र में यह अन्यायपूर्ण व्यवस्था अवैधानिक और अनैतिक है। उन्होंने कहा कि जहां तक व्यापार जगत की बात है लॉकडाउन अवधि में बाजार बंदी से सर्वाधिक प्रभावित छोटे व्यापारी हुए हैं। छोटे-मोटे व्यापार कर अपनी आजीविका चलाने वालों की जिंदगी के ये दिन बहुत ही कष्ट कारक हैं। ये सब रोज कमाकर खाने वाले हैं। इन्हें कोई भी राहत नहीं दी गई। सरकार किसानों, मजदूरों, व्यापारियों तथा गरीबों की रोजीरोटी से जुड़े मामलों के फैसले क्यों नहीं लेती है। भाजपा सरकार कोरोना संक्रमण के आड़ में कब तक हाथ पर हाथ धरे बैठी रहेगी।

केन्द्र व महाराष्ट्र सरकार के विवाद में पिस रहे हैं प्रवासी: मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रवासी मजदूरों की समस्याओं को लेकर एक बार फिर से केंद्र सरकार के साथ ही महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि केंद्र व महाराष्ट्र सरकार के विवाद में लाखों प्रवासी बुरी तरह से पीस रहे हैं, जो अति दुखद वह दुर्भाग्यपूर्ण है। बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि केन्द्र व महाराष्ट्र सरकार के बीच विवाद के कारण लाखों प्रवासी श्रमिक अभी भी बहुत बुरी तरह से पिस रहे हैं जो अति दु:खद व दुर्भाग्यपूर्ण है। जरूरी है कि आरोप प्रत्यारोप छोड़कर इन मजलूमों पर ध्यान दें ताकि कोरोना की चपेट में फंसकर इन लोगों की जिन्दगी पूरी तरह बर्बाद होने से बच सके। वैसे भी चाहे बीजेपी की सरकारें हों या फिर कांग्रेस पार्टी की, कोरोना महामारी व लम्बे लॉकडाउन से सर्वाधिक पीड़ित प्रवासी श्रमिकों व मेडिकलकर्मियों के हितों की उपेक्षा व प्रताड़ना जिस प्रकार से लगातार की जा रही है वह भी उचित व देशहित में कतई नहीं है।

तीन साल तक एमएसएमई यूनिट चलाने के लिए नहीं लेनी होगी विशेष अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● औद्योगिक विभाग को देनी होगी सिर्फ लिखित सूचना: महाना

सीआईआई के द्वारा डिजिटल माध्यम से आयोजित ई-इंटरेक्शन के दौरान उद्योगपतियों से बात करते हुए औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि अगले 3 वर्षो तक किसी भी एमएसएमई यूनिट को संचालित करने के लिए किसी भी प्रकार की विशेष अनुमति की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सिर्फ उस एमएसएमई यूनिट को औद्योगिक विभाग को लिखित सूचना देनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार, जापान, कोरिया, अमेरिका आदि से आने वाले निवेश के अवसरों पर भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

जो लेबर प्रदेश के अंदर ही अपने कार्य क्षेत्र के जिले में लौटना चाहते हैं, उन्हें किसी भी प्रकार के पास की आवश्यकता नहीं होगी और जो लेबर दूसरे राज्य में कार्यरत हैं उनके लिए पास की व्यवस्था की जाएगी हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार उनके रोजगार की व्यवस्था राज्य में ही करने के लिए भी तत्पर है। महाना ने उद्योगपतियों से उनकी शिकायतें तथा सुझावों के सन्दर्भ में एमएसएमई साथी पोर्टल के माध्यम से दर्ज करने की अपील की। जिसको भुगतान सम्बन्धी मामले, परिचालन सम्बन्धी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए विकसित किया गया है। यह प्रणाली औद्योगिक विभाग को सम्बंधित विभागों से संभंधित प्रक्रियाओं के त्वरित निवारण के लिए सहायक होगी। सीआईआई के चेयरमैन अंकित गुप्ता ने केंद्र सरकार द्वारा दिए राहत पैकेज की प्रशंशा करते हुए कहा की यह प्रदेश तथा देश को आत्मा निर्भर बनाने में कारगर साबित होगा और साथ ही साथ इंडस्ट्री को भी बड़ी राहत देगा। सीआईआई यूपी के वाइस चेयरमैन सीपी गुप्ता द्वारा बताया गया की बुलंदशहर तथा गाजियाबाद के क्षेत्र में औद्योगिक इकाईओं को भूजल के अधिक उपयोग के कारण राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल द्वारा कार्य करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। अब नयी तकनीक के आगमन से उस क्षेत्र की सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सुगमता से कार्यरत है जिससे भूजल पर निर्भरता खत्म हो सकती है।

सस्ती लोकप्रियता पाने की राजनीति करते हैं अखिलेश: डॉ. निर्मल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के दौर में सरकारी इंतजाम पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा सवाल उठाए जाने पर अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष डा. लालजी प्रसाद निर्मल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सपा अध्यक्ष को कमजोर नेता बताते हुए कहा है कि अखिलेश यादव कोई बयान जनता के हित में नहीं देते हैं। वह केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए राजनीति करते हैं। आज जब कोरोना को लेकर पूरा देश एकजुट है, तब अखिलेश यादव केवल सरकार की कार्य प्रणाली पर सवाल कर रहे हैं।

डॉ. निर्मल ने कहा कि उनके पास न तो कोरोना को लेकर कोई सुझाव है और न ही मजदूरों के जीवन को बचाने के लिए कोई उपाय। योगी सरकार के काम काज को लेकर वह परेशान हो गए हैं। डॉ निर्मल ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रवासी मजदूरों के साथ हैं। उन्होंने श्रमिकों के लिए प्रवासी आयोग बनाने का निर्देश देकर वंचितों के लिए बड़ा काम किया है। अखिलेश यादव की सरकार में श्रम विभाग को कमजोर कर दिया गया था। इसकी वजह से उनकी सरकार में मजदूरों के लिए कोई योजना नहीं आ पाई। मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए अखिलेश यादव सरकार में कोई काम नहीं किया गया। उन्हें योगी आदित्यनाथ के प्रवासी आयोग का स्वागत करना चाहिए। योगी आदित्यनाथ को मजदूरों का दर्द पता है। यही वजह है कि योगी आदित्यनाथ ने प्रवासी आयोग बनाकर हमेशा के लिए मजदूरों की समस्याओं को खत्म करने की तैयारी की है।

श्रद्धा के साथ मनाई गई पंडित नेहरू की पुण्यतिथि

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि श्रद्धेय पंडित नेहरू पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिन्होने 1929 के लाहौर अधिवेशन में रावी नदी के तट पर भारत के पूर्ण स्वतंत्रता का संकल्प लिया। इस संकल्प को पूरा करने के लिए दर्जनों बार लगभग 11 वर्ष जेल में रहे, यातनाएं सहीं लेकिन 15 अगस्त 1947 को वह संकल्प पूरा करके इस विशाल भारत को एक धर्म निरपेक्ष, प्रभुतासम्पन्न गणराज्य के रूप में स्थापित करते हुए सामाजिक न्याय, समता और बराबरी का शासन स्थापित किया। तिवारी बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित पंडित नेहरू की पुण्यतिथि समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व सांसद राकेश सचान, अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम व प्रदेश कांग्रेस के महासचिव विश्वविजय सिंह ने भी अपने विचार रखे।

प्रदेश सरकार क्या मजदूरों को बंधुआ बनाना चाहती है: प्रियंका गांधी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव एवं यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने सवाल किया है कि क्या उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार मजदूरों को बंधुआ बनाना चाहती है। प्रियंका ने कहा कि सरकार श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों को खत्म करना चाहती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों कहा था कि अगर किसी राज्य को कामगारों की आवश्यकता होगी तो उनकी मांग पर सामाजिक सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार देगी। बीमा कराएगी और श्रमिक एवं कामगार को हर तरह की सुरक्षा देगी। इसके साथ ही कोई भी राज्य सरकार बिना अनुमति के उत्तर प्रदेश के लोगों को श्रमिक व कामगार के रूप में लेकर नहीं जाएगी। योगी के इसी बयान पर प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर पूछा, श्रमिकों की मदद करने के बजाए उत्तर प्रदेश सरकार का एक हैरतअंगेज फैसला आ गया कि श्रमिकों को उनकी अनुमति के बिना कोई श्रम के लिए नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने सवाल किया, क्या सरकार श्रमिकों को बंधुआ बनाएगी, क्या सरकार श्रमिकों से उनके संवैधानिक अधिकार को खत्म करना चाहती है, प्रियंका के मुताबिक श्रमिकों के मुद्दे को संवेदना के साथ हल करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम सब राजनीति को परे रखकर मदद करने के लिए तैयार हैं।

प्रस्तावित पंचायत चुनावों को देखते हुए पुलिस महकमा सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● डीजीपी ने ग्रामीण क्षेत्रों में सभी तरह के विवादों का समय रहते निस्तारण करने के दिए निर्देश

प्रदेश में प्रस्तावित पंचायत चुनाव को देखते हुए डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को अभी से चौकन्ना कर दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर प्रकार के विवाद का निपटारा समय रहते कर लिया जाए। कोविड .19 से उत्पन्न विवादों पर आगामी पंचायत चुनाव के दृष्टिगत सतर्क दृष्टि रखी जाए। ऐसे पारिवारिक विवादों में पार्टीबन्दी के कारण गम्भीरता को देखते हुए प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई की जाए ।

सभी जिलों के पुलिस कप्तानों, लखनऊ व गौतमबुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर, सभी जोनल एडीजी, रेंज के आईजी और डीआईजी को डीजीपी की ओर से इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया गया है। जिसमें आपराधिक गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी ने कहा है कि प्रत्येक थाना क्षेत्र के गांव, मोहल्ले में होने वाले विभिन्न विवादों का चिन्हीकरण कर लिया जाए। बीट आरक्षी नियमित रूप से अपने बीट में पड़ने वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर विवाद व तनाव के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करें । ग्राम व् मोहल्लों के संभ्रान्त व्यक्तियों एवं ग्राम चौकीदार से नियमित रूप से सम्पर्क में रहें । समस्त पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ध् पुलिस अधीक्षक प्रभारी जनपद चिन्हित विवाद रजिस्टरों को चेक कर यह सुनिश्चित कर लें कि सभी प्रकार के विवाद उपरोक्तानुसार चिन्हित कर लिये गये हैं।

शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में 122 बी सीआरपीसी की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीजीपी ने कहा कि अपर पुलिस महानिदशेक, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस उप महानिरीक्षक भी समय समय पर जनपदों में भ्रमण के दौरान जनपदीय अधिकारियों से वार्ता कर उनके क्षेत्रों में पंजीकृत होने वाले अपराधों, एनसीआर, पुराने विवादों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करें तथा अपने कार्यालय में यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि नियमित रूप से इस प्रकार की घटनाओं तथा इससे संबंधित कार्रवाई का लगातार अनुश्रवण किया जाए।

लल्लू की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार। सेवा लखनऊ

● राज्यपाल को प्रेषित किया ज्ञापन, प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी कांग्रेस नेताओं को तत्काल रिहा करने की मांग

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की गिरफ्तारी के विरोध में पूरे प्रदेश में कांग्रेस के जिला एवं शहर अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर एवं उपवास रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव रहकर प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ आवाज उठाकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को तत्काल बिना शर्त रिहा करने की मांग की। इसके उपरान्त सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश के राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में मांग की गयी है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को तत्काल रिहा किया जाये। साथ ही साथ नेताओं के खिलाफ दर्ज किये गये फर्जी मुकदमें वापस लिये जायें।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय प्रांगण में प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी, नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना, पूर्व विधायक श्यामकिशोर शुक्ल, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरी, महामंत्री विश्वविजय सिंह, प्रभारी प्रशासन सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव आदि कांग्रेसजन शामिल रहे।

रालोद ने की प्रतापगढ़ घटना की निंदा

लखनऊ। युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल ने जनपद प्रतापगढ़ की पट्टी विधान सभा के ग्राम धुई गोविन्दपुर में हुए अग्नि काण्ड एवं आरोपियों के साथ साथ स्थानीय पुलिस द्वारा निर्दोष लोगों की की गई निर्मम पिटाई की भर्त्सना करते हुए कहा है कि यह घटना सत्ता पक्ष द्वारा प्रायोजित है और क्षेत्रीय विधायक के इशारे पर की गई है। इस अग्नि काण्ड में घटना स्थल पर देखने पर प्रतीत हुआ कि लाखों रुपयों की क्षति पहुंचाई गई है और कुर्मी समाज के नन्हे पटेल सहित कई लोगों एवं बच्चों और महिलाओं की बुरी तरह से आरोपियों ने पुलिस को साथ में लेकर बर्बरता से पिटाई की गई है। रालोद प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने बताया कि युवा रालोद के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल के नेतृत्व में एक नौ सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने घटना स्थल पर जाकर पीड़ित पक्ष के साथ साथ अन्य ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। पटेल द्वारा राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन भी जिलाधिकारी प्रतापगढ़ को दिया गया।

पंचायत चुनावों को दिलचस्प बनाएंगे प्रवासी श्रमिक

● निर्वाचन आयोग का कहना है कि हर बार के चुनाव में दस प्रतिशत मतदाताओं की संख्या अवश्य बढ़ती है मगर इस बार यह संख्या कुछ ज्यादा ही बढ़ेगी क्योंकि जो लोग लौटे हैं मतदाता पुनरीक्षण के अभियान में उनका नाम भी जोड़ा जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में गांव की सरकार चुनने के लिए होने वाला पंचायत चुनाव इस बार काफी दिलचस्प होगा। इस चुनाव को दिलचस्प प्रवासी श्रमिक और कामगार बनाएंगे। पंचायत चुनाव में मतदाताओं की संख्या में जहां इजाफा होगा तो वहीं लड़ने और चुनाव लड़ाने वाले भी कम नहीं होंगे। ग्रामीण इलाकों में इस समय में गेहूं की फसल कटने के बाद अब बारिश का इंतजार हो रहा है। देखा जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों में फसल से जुड़ा कोई बड़ा काम इस समय नहीं हो रहा है। जहां पिपरमिंट कट गई है उसे बारिश से पहले पेरने का काम शुरू हो गया है। साग-सब्जी को छोड़ गेहूं बोने वाले किसानों के खेत खाली पड़े हैं।

मौजूदा समय में इस वक्त ग्रामीण क्षेत्रों में बाहर से आए लोगों को क्वारंटीन किया गया है और जो लोग क्वारंटीन का समय पूरा कर चुके हैं वह अपने रोजगार के बारे में सोच रहे हैं। इस बीच गांव में ही रहकर राजनीति चमकाने वाला एक ऐसा तबका भी है जो इस कोरोना महामारी के बीच प्रधानी चुनाव की तैयारी में जुट गया है। गुटबाजी और बैठकों का दौर शुरू हो गया है। महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, राजस्थान जैसे अन्य प्रदेशों से आए मजदूर और कामगार फिलहाल रोजगार की तलाश में समय काट रहे हैं। उप्र में 21 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक अपने गांव लौट चुके हैं। इनमें से कुछ प्रतिशत ऐसे लोग भी हैं जिनके घरों में कोई न कोई सदस्य ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य अथवा प्रधान है। ऐसे भी कई परिवार हैं जो बाहर कमाने के बजाए राजनीति में ही भविष्य आजमाना चाहते हैं। इन परिवारों को ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य और प्रधानी तक का चुनाव मुफीद दिख रहा है। शहर में रहकर काम करने के बाद उनके पास सरकार की योजनाओं की काफी अच्छी समझ अब आ चुकी है कि उन्हें अपना हक कैसे मिल सकता है।

बाराबंकी की नगर पंचायत सुबेहा की ग्राम पंचायत खानपुर में भी अन्य जिलों की ही तरह प्रवासी श्रमिक लौटकर अपने घर वापस आ गए हैं। गांव के ही कुछ लोगों का कहना है कि कोरोना के बीच प्रधानी चुनाव ने जोर पकड़ लिया है। जो अपना काम-धंधा छोड़कर वापस आए हैं उनमें से कुछ लोगों को गांव की राजनीति में ज्यादा नफा दिखाई दे रहा है। इसलिए इस बार वह भी भाग्य आजमाने की सोच रहे हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार मौजूदा समय में पंचायत चुनाव में मतदाताओं की संख्या साढ़े ग्यारह कारोड़ से अधिक है। हर बार के चुनाव में दस प्रतिशत मतदाताओं की संख्या अवश्य बढ़ती है मगर इस बार यह संख्या कुछ ज्यादा ही बढ़ेगी वह इसलिए जो मतदाता अभी यूपी से बाहर थे वह अब वापस गांव में हैं और मतदाता पुनरीक्षण के अभियान में उनका नाम भी जोड़ा जाएगा।

वहीं बीजेपी को 15 साल बाद मौका मिला है जब सत्ता में रहते हुए पंचायत चुनाव होंगे। पंचायत चुनाव में अभी तक सपा का ही दबदबा रहता था मगर इस बार समीकरण बदलने की पूरी संभावना है।

चुनाव कराने के लिए पर्याप्त समय: आयोग के अनुसार लाखों की संख्या में यूपी लौट रहे प्रवासी इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पंचायत चुनाव के विभिन्न पदों की स्थिति के अनुसार जिला पंचायत अध्यक्ष के 75, जिला पंचायत सदस्य के 3121, क्षेत्र पंचायत प्रमुख के 821, क्षेत्र पंचातय सदस्य के 77788, प्रधान के 59074 और ग्राम पंचायत सदस्य के 744368 पद हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार कहते हैं कि हमारे पास चुनाव कराने के लिए पर्याप्त समय है।

अब दो हजार रूपए मिलेगा इंटरनेट भत्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य सरकार विभागों, निगमों, उपक्रमों, परिषदों, आयोगों तथा संस्थाओं में तैनात गैर सरकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सलाहकारों को अब हर महीने टेलीफोन अथवा मोबाईल पर ब्राडबैंड व इंटरनेट के लिए दो हजार रुपए हर माह देगी। वित्त विभाग ने बुधवार को शासनादेश भी जारी कर दिया। यह भत्ता दिए जाने की मांग कई अध्यक्षों व उपाध्यक्षों ने सरकार से की थी। गैर सरकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सलाहकारों को आवास तथा कार्यालय पर प्रति टेलीफोन अथवा मोबाईल के लिए अधिकतम दो हजार रुपए प्रतिमाह की प्रतिपूर्ति सुविधा मिलेगी। इस धनराशि में उनके द्वारा ब्राडबैंड तथा इंटरनेट की सुविधा पर किया जाने वाला खर्च भी शामिल होगा। गैर सरकारी सदस्य को आवास पर एक टेलीफोन अथवा मोबाईल के लिए अधिकतम 1250 रुपए प्रतिमाह की प्रतिपूर्ति सुविधा दी गई है। इसमें ब्राडबैंड पर किया जाने वाला खर्च भी शामिल है। 2014 के शासनादेश के मुताबिक गैर सरकारी अध्यक्षए उपाध्यक्ष और सलाहकार को कार्यालय तथा आवास पर टेलीफोन सुविधा के लिए अधिकतम 25 हजार रुपये तथा सदस्य के लिए अधिकतम 15 हजार रुपए सालाना की व्यवस्था रही है। 2016 में जारी शासनादेश में इसी सीमा के अंतर्गत मोबाईल फ ोन के खर्च को भी स्वीकृत किया गया था।

भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का विरोध कर रहे पूर्व सांसद गुड्डू को पार्टी से निकाला

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए भाजपा ने पूर्व लोकसभा सांसद प्रेमचंद बौरासी 'गुड्डू' को बुधवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। गुड्डू पिछले कुछ दिनों से वरिष्ठ भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ लगातार तीखी बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा ने उन्हें 19 मई को नोटिस जारी कर कहा था कि वह इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के आगामी उपचुनाव की पृष्ठभूमि में प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं और उनका यह कृत्य 'घोर अनुशासनहीनता' की परिधि में आता है।

इस नोटिस के जवाब के लिए गुड्डू को सात दिन का वक्त दिया गया था। भाजपा की इंदौर जिला इकाई (ग्रामीण) के अध्यक्ष राजेश सोनकर ने "पीटीआई-भाषा" को बताया कि तय समयसीमा में नोटिस का जवाब नहीं दिए जाने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने गुड्डू को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। उधर, गुड्डू ने इस कदम को बेमानी बताते हुए दावा किया कि वह राज्य की कमलनाथ नीत कांग्रेस सरकार के पतन से काफी पहले ही भाजपा छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा, "मैं मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष को बाकायदा पत्र लिखकर स्पष्ट कर चुका हूं कि राज्य में (23 मार्च को) भाजपा की सरकार बनने से पहले ही मैं नौ फरवरी को इस पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे चुका हूं। अब भाजपा मुझे निष्कासित किए जाने की बात कहकर मेरा राजनीतिक चरित्र हनन का प्रयास कर रही है। मैं इसके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा। गुड्डू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के करीबी माने जाते हैं और उनका लम्बा राजनीतिक जीवन कांग्रेस में ही गुजरा है। 59 वर्षीय दलित नेता के नजदीकी सूत्रों का कहना है कि वह अगले महीने कांग्रेस में 'घर वापसी' कर सकते हैं। गुड्डू के इस संभावित कदम को सांवेर विधानसभा सीट के आगामी उपचुनाव में कांग्रेस के टिकट की दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां सत्तारूढ़ भाजपा सिंधिया खेमे के वफादार नेता तुलसीराम सिलावट को अपना उम्मीदवार बना सकती है। सिलावट, शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली मौजूदा राज्य सरकार में जल संसाधन मंत्री हैं।

गोवा सरकार ने स्वयं 14 दिन पृथक-वास में रहने के विकल्प को किया समाप्त

पणजी। गोवा सरकार ने बुधवार को अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में बदलाव करते हुए रेल, सड़क और हवाई मार्ग से राज्य में आ रहे लोगों के 14 दिन तक स्वयं पृथक-वास में रहने के विकल्प को खत्म कर दिया है। वहीं कोरोना वायरस से संक्रमित ना होने का प्रमाणपत्र या गोवा में आने के बाद जांच कराने जैसी पुरानी शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, रेल, सड़क और वायु मार्ग से गोवा आ रहे लोगों के पास कोविड-19 से संक्रमित ना होने का प्रमाणपत्र होना चाहिए या यहां आते ही उन्हें इसकी जांच करानी होगी। उन्होंने कहा, आने के बाद 14 दिन तक स्वयं पृथक-वास में रहने के विकल्प को बुधवार से समाप्त कर दिया गया है। गोवा में विपक्षी दलों ने निगरानी संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए स्वयं पृथक-वास में रहने के विकल्प का विरोध किया था।

विजयवाड़ा में पार्टी संस्थापक एनटी रामाराव की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू

महाराष्ट्र में हमारी रूचि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में, राजनीति करने में नहीं: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न करने का प्रयास करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भाजपा ने बुधवार को कहा कि अभी भाजपा और केंद्र की प्राथमिकता कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने की है। हालांकि राज्य में व्यवस्था को बहुत ही जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने की जरूरत है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि चीजें वहां (महाराष्ट्र) नियंत्रण में नहीं हो सकती हैं लेकिन हमारी रूचि अभी वहां राजनीति में नहीं है, हमारी रूचि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष बालासाहब थोराट ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि प्रदेश भाजपा के नेता सत्तारूढ़ गठबंधन को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन चिंता करने की कोई बात नहीं है। वहीं, राहुल गांधी ने भी कल कहा था कि महाराष्ट्र सरकार में कांग्रेस निर्णय लेने की अहम भूमिका में नहीं है और राज्य को केंद्र सरकार की मदद की जरूरत है। बहरहाल, महाराष्ट्र में सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, ए आरोप पूरी तरह से आधारहीन हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी ने नहीं कहा था कि कांग्रेस वहां निर्णय लेने की सक्रिय भूमिका में नहीं है। राहुल पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा, आप (कांग्रेस) वहां की सरकार में घटक हैं, आपके वरिष्ठ नेता वहां मंत्री हैं। ऐसे में आप पल्ला नहीं झाड़ सकते।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कहा है कि सरकार गिराने में कोई रूचि नहीं है, राज्यपाल को इस बारे में स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। प्रसाद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी स्वयं महाराष्ट्र के साथ राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मुम्बई कोरोना वायरस संक्रमण का एक बड़ा हॉटस्पाट बन गया है, ऐसे में महाराष्ट्र में व्यवस्था को बहुत जिम्मेदारी से संभालने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में जो स्थिति है, उसका एक दूसरा पहलू भी है जो प्रवासी मजदूरों से जुड़ा है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने 145 ट्रेनें उपलब्ध कराने की बात कही और यात्रियों की सूची तैयार करना राज्यों का काम है, तो इसमें क्या दिक्कत थी।

महाराष्ट्र सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों को फटकार लगाएं राज्यपाल: शिवसेना

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने बुधवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से अपील की कि वे राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों को फटकार लगाएं। पार्टी के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में शिवसेना ने सत्तारूढ़ महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन के पास बहुमत बरकरार रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि विपक्षी भाजपा के पास 105 विधायकों का ही समर्थन है। संपादकीय के अनुसार, हम उम्मीद करते हैं कि यह अटूट रहे। लेकिन सरकार के पास 170 विधायकों का समर्थन है और अगर कुल 200 विधायक उसके समर्थन में आ जाएं तो वह (विपक्ष) सरकार को दोष न दे।

शिवसेना ने कोश्यारी को सीधी बात करने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा कि राज्यपाल को चाहिए कि उन लोगों को फटकार लगाएं जो उनकी शक्तियों के सहारे सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। शिवसेना ने महाराष्ट्र भाजपा के किसी भी नेता का नाम लिए बगैर कहा कि उन्हें महाराष्ट्र की जगह गुजरात में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करनी चाहिए। महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है, जो अपने छह महीने पूरे करने जा रही है। हालांकि विपक्ष ने कहा था कि यह सरकार 11 दिन भी नहीं चल पाएगी। शिवसेना ने कोश्यारी को एक संत-महात्मा करार देते हुए कहा कि विश्वास नहीं किया जा सकता कि कोई भी संत-महात्मा राजनीतिक षड्यंत्र में शामिल हो सकता है। पार्टी ने कहा कि कोश्यारी ने अपना पूरा जीवन आरएसएस के विचारों का पालन करने में बिता दिया।

महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने मुंबई में सेना की तैनाती की खबर को अफवाह बताया

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि मुंबई और पुणे के कोरोना वायरस हॉटस्पॉट में सेना की तैनाती के बारे में एक अफवाह सोशल मीडिया पर जानबूझकर फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जा रही है। महाराष्ट्र में कोविड-19 के कुल 54,758 मामलों में से 39,000 से अधिक मामले मुंबई और पुणे में पाए गए हैं। देशमुख ने ट्वीट किया, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से यह अफवाह जानबूझकर फैलाई जा रही है कि सेना को मुंबई और पुणे में तैनात किया जाएगा जिससे सेना वहां लोगों की आवाजाही पर रोक लगाएगी। यह पूरी तरह से गलत है। महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ ने इस तरह की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्वाई शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि राज्य सरकार अफवाहों को बर्दाश्त नहीं करेगी। इस महीने की शुरुआत में, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी कोविड-19 के कारण खराब हालत में सेना को मुंबई बुलाए जाने की इन अटकलों को खारिज कर दिया था।

झारखंड के लोगों के अधिकार पर अब सेंधमारी नहीं: सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को दोहराया कि स्थानीय ठेकेदारों को ही राज्य की योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी ताकि वे योजनाओं में कार्य कर राज्य के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। मुख्यमंत्री सोरेन ने ट्वीट कर कहा कि झारखण्डवासियों के अधिकार पर अब कोई सेंधमारी नहीं करेगा। घोषणा पत्र में किए हुए हर वादे को हम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि स्थानीय लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में यह फैसला मील का पत्थर साबित होगा। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ने मंगलवार को घोषणा की थी कि चुनावी घोषणा के अनुरूप राज्य सरकार झारखंड में 25 करोड़ रुपए तक के सरकारी ठेके सिर्फ स्थानीय ठेकेदारों को देगी।

तेंदुए के हमले में वनकर्मी की मौत

होशंगाबाद, (मप्र)। मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में सतपुड़ा बाघ अभयारण्य (एसटीआर) की मटकुली रेंज में मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात एक तेंदुए ने सोते हुए वनकर्मी पर हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई। एसटीआर के उप निदेशक अनिल शुक्ला ने बुधवार को बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर मटकुली रेंज की कुकरा बैरियर पर मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात को हुई। वन विभाग का दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी धन्नालाल मर्सकोले कुकरा नाके पर दो अन्य श्रमिकों के साथ सो रहा था तभी तेंदुए ने मर्सकोले पर हमला कर दिया। शुक्ला ने बताया कि हमले में मर्सकोले गंभीर रुप से घायल हो गया और बाद में उसकी वहीं मौत हो गई। हमले के दौरान वहां सो रहे दो श्रमिकों द्वारा शोर मचाने के बाद तेंदुआ वहां से भाग निकला। एसटीआर अधिकारी ने बताया कि मृतक के परिवार को तत्काल 25,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है और जल्द ही उन्हें चार लाख रुपए और दिए जाएंगे।

वर्चस्व की लड़ाई में हाथी की मौत

ऋषिकेश। राजाजी बाघ अभयारण्य की चीला रेंज में वर्चस्व की लड़ाई में बुरी तरह घायल हुए एक हाथी की मौत हो गई है। अभयारण्य के निदेशक अमित वर्मा ने बुधवार को बताया कि क्षेत्र पर वर्चस्व को लेकर गत सोमवार सुबह इस हाथी का एक बड़े हाथी से चीला रेंज में जबरदस्त संघर्ष हुआ था, जिसे चीला के वनकर्मियों ने भी गश्त के दौरान देखा था। उन्होंने बताया कि इस लड़ाई के दौरान बड़े हाथी ने इस हाथी के पिछले हिस्से में दांतों से कई गहरे घाव बना दिए थे, जिसके कारण घायल हाथी का काफी खून बह रहा था। वन विभाग का मानना है कि संभवत: इसी घायल हाथी ने चीला पावर हाउस कॉलोनी के पीछे सोमवार शाम एक व्यक्ति प्रेम लाल (55) को कुचलकर मार दिया था। हाथी की अत्यधिक रक्तस्राव होने से मंगलवार को मौत हो गई। मृत हाथी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

रतलाम रेलवे स्टेशन पर श्रमिक स्पेशल ट्रेन में महिला ने दिया पुत्र को जन्म

मन्दसौर (मध्यप्रदेश)। पश्चिम रेलवे के रतलाम रेलवे स्टेशन पर बुधवार को श्रमिक स्पेशल ट्रेन में 28 वर्षीय एक महिला यात्री ने पुत्र को जन्म दिया है। ट्वीट मिलने पर उसे रेलवे डॉक्टर की टीम द्वारा बोगी में ही प्रसव कराया गया। महिला एवं बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। रतलाम मंडल रेल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी जीतेन्द्र जैन ने बताया कि 27 मई को महिला यात्री पूजा देवी (28) अपने पति आनंद कुमार के साथ सूरत से प्रतापगढ़ जाने वाली श्रमिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09637 में में सपरिवार यात्रा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान महिला यात्री को प्रसव पीड़ा आरंभ हुआ तो एक सहयात्री द्वारा मंडल रेल प्रबंधक के ट्विटर आईडी पर इस संबंध में ट्वीट किया गया। उक्त ट्वीट पर कार्वाई करते हुए वाणिज्य कंट्रोल एवं ट्विटर सेल द्वारा इसकी सूचना मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रतलाम को दी गई एवं जिला चिकित्सालय को सूचित कर एम्बुलेंस भी मंगा लिया गया था। जैन ने बताया कि ट्रेन के रतलाम स्टेशन पर आगमन के उपरांत रेलवे चिकित्सक डॉ. अंकिता मेहता एवं उनकी टीम ने पूरी सावधानी के साथ बोगी में ही प्रसव कराया।

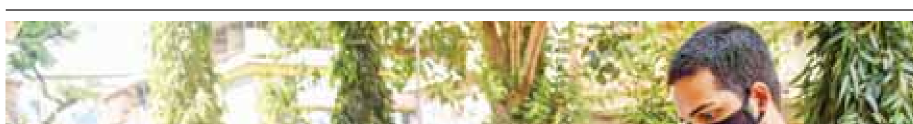

नवी मुंबई में लॉकडाउन के दौरान कोपर खैरन में क्षेत्रीय निवासियों की जांच करते स्वास्थ्य कार्यकर्ता

वायरस पर काबू के लिए योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए, केंद्र ने भी की तारीफ : अशोक गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना वायरस महामारी को शुरूआत में ही गंभीरता से लेते हुए संक्रमण रोकने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से प्रयास किए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की तारीफ केन्द्र सरकार ने भी की।

गहलोत ने जयपुर के एक अस्पताल में स्थापित नई कोविड-19 मॉलिक्यूलर लेबोरेटरी का उद्घाटन बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य के जिन जिलों में कोरोना वायरस की जांच सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां शीघ्र ही प्रयोगशाला स्थापित की जाएंगी और इससे जांच की क्षमता भी बढ़ेगी। इस समय राज्य में प्रतिदिन 16,250 टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि काफी कम समय में यह उपलब्धि हासिल हुई है और इसके लिए चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग बधाई का पात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी अस्पताल के बाद अब जेएनयू अस्पताल में यह प्रयोगशाला स्थापित होने से कोरोना वायरस जांच के परिणाम जल्दी मिल सकेंगे और जांच क्षमता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी ढांचा मजबूत कर रही है।

जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संदीप बक्शी ने बताया कि इस लैब में एक समय में 384 नमूनों की जांच की जा सकेगी। मुख्यमंत्री के साथ चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा, चिकित्सा व स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग भी मौजूद थे।

नगालैंड लौटे पांच और लोगों में संक्रमण की पुष्टि, कुल नौ लोग संक्रमित

भाषा। कोहिमा

नगालैंड में बुधवार को पांच और लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या नौ पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एस पंग्न्यू फोम ने यह जानकारी दी।

संक्रमित पाए गए लोग 22 मई को चेन्नई से श्रमिक विशेष ट्रेन से नागालैंड लौटे थे। उस ट्रेन से राज्य के 1,328 निवासियों को वापस लाया गया जो लॉकडाउन के कारण तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में फंसे हुए थे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने एक ट्वीट में कहा, चेन्नई से लौटे पांच लोगों में आज सुबह कोविड-19 की पुष्टि हुई। उनमें से चार दीमापुर के हैं और एक कोहिमा का है। इसके साथ ही नागालैंड में संक्रमण के कुल नौ मामले हैं। कोविड-19 के मरीजों का इलाज दीमापुर और कोहिमा जिलों के अस्पतालों में चल रहा है।

कोविड-19: अपने मालिक को कश्मीर से राजौरी तक लाने वाले घोड़े को घर पर पृथक रखा गया

भाषा। जम्मू

राजौरी के एक परिवार को उस घोड़े को अन्य पशुओं से पृथक रखने का निर्देश दिया गया है जो अपने मालिक को कश्मीर से जम्मू के राजौरी तक लाया। ऐसा कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि परिवार को एहतियाती तौर पर एक घोड़े को अन्य पशुओं से अलग रखने को कहा गया है जिस पर सवार होकर उसका मालिक घाटी से मुगल रोड के रास्ते यहां तक पहुंचा। यह एक वैकल्पिक मार्ग है जो घाटी को बाकी देश के साथ जोड.ता है। सर्दियों में हुई भारी बर्फबारी के कारण इस समय यह रास्ता बंद है।

थानामंडी के तहसीलदार अंजुम बशीर खान ने पीटीआई-भाषा को बताया कि घोड़े का मालिक अपने गृह जिले राजौरी में घुस रहा था तभी उसे पुलिस ने रोक लिया। वह दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से आया था। उस व्यक्ति को प्रशासनिक पृथक-वास में भेजा गया है और उसके नमूने कोविड-19 जांच के लिए भेजे गए हैं। खान ने बताया कि इसके बाद घोड़े के बारे में राय जानने के लिए पशु चिकित्सकों की मदद ली गई। राजौरी जम्मू क्षेत्र के ग्रीन जोन में आने वाले चार जिलों में से एक है जबकि शोपियां जिला रेड जोन में आता है। रेड जोन से ग्रीन या ऑरेंज जोन में जाने के लिए अनुमति की आवश्यकता होती है। खान ने कहा कि इंसानों से पालतू पशुओं में कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने की कोई रिपोर्ट नहीं है लेकिन एहतियातन घोड़े को अलग रखा गया। रात भर निगरानी में रखने के बाद उसका तापमान जांचा गया और मंगलवार को उसे परिवार को सौंप दिया गया। खान ने बताया कि परिवार को हिदायत दी गई है कि घोड़े के मालिक की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आने तक घोड़े को घर के अन्य पालतू पशुओं से अलग रखा जाए।

कोरोना वायरस: मध्य प्रदेश में धीमी हुई मरीजों के दोगुना होने की दर

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस के मरीजों के स्वस्थ होने की दर बेहतर होने के कारण इसके मरीजों की संख्या दोगुनी होने की गति धीमी होकर अब 21 दिन हो गई है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोविड-19 के बड़ी संख्या में मरीज उपचार के बाद ठीक होकर अपने घर वापस जा रहे हैं।

प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री चौहान ने मंगलवार को प्रदेश में कोरोना वायरस संबंधी स्थिति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में इस बीमारी के मरीजों के स्वस्थ होने की दर अब बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया है जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 41.8 प्रतिशत है। चौहान ने बताया कि प्रदेश में मरीजों की संख्या दोगुनी होने की गति धीमी होकर अब 21 दिन हो गई है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह संख्या औसतन 15.4 दिन में दोगुनी हो रही है। मध्यप्रदेश में कोविड-19 से सबसे बुरी तरह प्रभावित इन्दौर जिले की समीक्षा के दौरान इन्दौर जिलाधिकारी ने बताया कि इंदौर में सघन सर्वेक्षण तथा जांच के माध्यम से मरीजों का जल्द पता लगाए जाने से मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आ रही है। इंदौर में कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की दर 3.6 है, जबकि मध्यप्रदेश में यह दर 4.1 प्रतिशत और भारत में यह दर 2.6 प्रतिशत है। गत सप्ताह इंदौर में मृत्यु दर 1.08 प्रतिशत रही। इन्दौर में कोरोना वायरस से मरीजों की संख्या दोगुनी होने की दर 30 दिन हो गई है।

त्रिपुरा में कोविड-19 के 23 नए मामले, कुल संख्या 232 हुई

अगरतला। त्रिपुरा में कोविड-19 के 23 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में संक्रमण के मामले बढ़कर 232 हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अभी 65 लोगों का इलाज जारी है और 165 लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं दो लोग दूसरे राज्य चले गए हैं। मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने मंगलवार शाम ट्वीट किया, त्रिपुरा में आज कोविड-19 के 23 नए मामले सामने आए। इनमें से 18 महाराष्ट्र से आए लोग हैं और पांच अन्य पहले से संक्रमित लोगों के सम्पर्क में आए थे। राज्य में कुल 232 मामले हैं, जिनमें से 65 का इलाज जारी है। 165 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं दो लोग राज्य से बाहर चले गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में हाल ही में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्य से लौटे लोग अधिक संक्रमित पाए गए हैं।

गांधीनगर में लोग अब अपने चेहरे के फोटो छपवाकर मास्क बनवा रहे हैं।

झूठ न फैलाएं, दुनिया के आंकड़े देखें राहुल

भाषा। नई दिल्ली

लॉकडाउन को फेल बताने पर कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा का पलटवार

लॉकडाउन को फेल बताने के राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गलत बयानबाजी करके और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करके कोविड-19 महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं तथा उन्हें इस विषय पर दुनिया के आंकड़ों पर ध्यान देना चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि दुनिया के 15 ऐसे देश जहां कोरोना बड़ी बीमारी बन गया है उनकी आबादी है 142 करोड़। इसमें अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा व अन्य देश हैं। इन देशों में 26 मई तक करीब 3.43 लाख लोगों की मृत्यु कोरोना से हुई है उन्होंने कहा कि भारत की आबादी है 137 करोड़ और हमारे देश में 4,345 लोगों की मृत्यु हुई है। 64 हजार से ज्यादा लोगों ठीक हुए हैं। वैसे मृत्यु कहीं भी हो, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रंटफुट पर खेल रहे हैं और उन्होंने लॉकडाउन करके जो देश को एकजुट किया है, ए उसी का नतीजा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने नकारात्मकता फैलाकर, संकट के समय राष्ट्र के खिलाफ काम करके, झूठा श्रेय लेने का प्रयास करके, गलत तथ्यों और झूठी खबरें फैलाकर देश का संकल्प कमजोर करने की कोशिश की और उनकी कथनी एवं करनी में भी अंतर रहा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने

श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में मजदूरों की टिकट के लिए भी झूठे आरोप लगाए कि टिकट का पैसा लिया जा रहा है और राजनीतिक विरोध में आईसीएमआर जैसी संस्थाओं पर भी झूठे आरोप लगाए। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब से कोरोना संकट आया है तब से राहुल गांधी इस लड़ाई में देश के संकल्प को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह (राहुल) झूठ बोलकर, गलत बयानबाजी करके और तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में चार चरणों में लगाए गए लॉकडाउन के विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा था कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि आगे कोरोना संकट से निपटने और जरूरतमंदों को मदद देने की उनकी रणनीति क्या है? उन्होंने अपनी पुरानी मांग दोहराते हुए यह भी कहा कि गरीबों और मजदूरों को 7500 रूपए की मदद दी जाए और राज्य सरकारों को केंद्र की तरफ से पूरी मदद मिले।

राहुल ने बुधवार को पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट प्रोफेसर आशीष झा से बात की और इसमें जांच और लॉकडाउन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। भाजपा नेता ने कहा कि जब कोरोना की कोई वैक्सीन नहीं है, तब ऐसे में लॉकडाउन ही एक उपाय है। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले कहा था कि लॉकडाउन कोई समाधान नहीं है। लेकिन पंजाब और राजस्थान में उनकी पार्टी की सरकार पहले ही 31 मई तक लॉकडाउन बढ़ा चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि क्या आपके (राहुल) मुख्यमंत्री आपकी नहीं सुनते? उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने देश से आग्रह किया था।

पुडुचेरी में बुधवार को पीसीसी कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 56वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करते पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी व साथ में अन्य मंत्रीगण

गरीबों के खाते में 10 हजार रुपये डालने के लिए केंद्र पर दबाव बनाएगी कांग्रेस: पायलट

भाषा। जयपुर

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि पार्टी 28 मई को देश भर में डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर गरीबों की आवाज उठाएगी और उनके खाते में 10,000 रुपए डालने के लिए केन्द्र सरकार पर दबाव बनाएगी। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का चौथा चरण चल रहा है और ए हालात हैं कि तमाम कोशिशों के बाद भी देश के सबसे गरीब तबके तक आर्थिक मदद नहीं पहुंची है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही है, पैकेज का ऐलान कर रही है, लेकिन गरीब के हाथ में पैसा नहीं पहुंचा है। पायलट ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि डिजिटल मुहिम के तहत हम देश के प्रत्एक गरीब के खाते में 10,000 रुपए डालने की मांग केन्द्र सरकार से करेंगे। उन्होंने कहा कि बाजार में मांग पैदा करने के लिए गरीबों की जेब में पैसा

डालना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 40 लाख लोग मनरेगा के तहत रोजगार पा रहे हैं और हमने केन्द्र सरकार से मनरेगा में 100 दिन रोजगार के प्रावधान को बढ़ाकर 200 दिन करने की मांग की है।

उन्होंने केन्द्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वह लॉकडाउन 4.0 के बाद क्या होगा, इस बारे में कोई ठोस योजना या रणनीति अभी तक नहीं बना पाई है। उन्होंने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर प्रस्तावित कार्यक्रमों पर भी कटाक्ष किया। पायलट ने कहा, केन्द्र सरकार अलग-अलग कार्यक्रम कर रही है।

बेंगलुरु शहर में फ्लाईओवर का नामकरण वीर सावरकर के नाम पर करने के कदम का विरोध

भाषा। बेंगलुरु

कांग्रेस और जनता दल(एस) ने शहर में एक फ्लाईओवर का नामकरण स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर के नाम पर करने के कदम का विरोध किया है और इसे राज्य के स्वतंत्रता सेनानिया का अपमान बताया है। चार सौ मीटर लंबे इस फ्लाईओवर का निर्माण सूत्रों के अनुसार 34 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और इसका उद्घाटन बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा द्वारा किया जाना निर्धारित है।

इसी दिन सावरकर का जन्मदिन भी है। विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने फ्लाईओवर का नामकरण सावरकर के नाम पर करने के कदम को कर्नाटक की धरती के स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान बताया और एदियुरप्पा से आग्रह किया कि वह इसे रोक दें और फ्लाईओवर का नामकरण राज्य के किसी स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर करें। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, एलाहांका फ्लाईओवर का नामकरण सावरकर के नाम पर करने का जल्दबाजी में किया गया निर्णय यह कहने का आधार है कि प्रशासन एक निर्वाचित सरकार द्वारा नहीं बल्कि परदे के पीछे रहने वालों द्वारा चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री क्या आप ऐसे जनता विरोधी निर्णयों पर विपक्ष का सहयोग मांग रहे हैं? एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री एवं जद(एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि यह निर्णय उन लोगों का अपमान है जिन्होंने राज्य की समृद्धि के लिए संघर्ष किया और ऐसा करना सरकार का अधिकार नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया, कई प्रतिष्ठित हस्तियां हैं जिन्होंने स्वतंत्रता से पहले और बाद में राज्य के विकास और कल्याण के लिए लड़ाई लड़ी, फ्लाईओवर का नाम उनके नाम पर रखा जा सकता था। क्या अन्य राज्यों ने राज्य से स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर चीजें बनाई हैं? मैं लोगों से राज्य सरकार से आग्रह करता हूं कि वह फैसले को वापस ले।

सूत्रों के अनुसार एलाहांका में फ्लाईओवर का नामकरण वीर सावरकर के नाम पर करने का निर्णय 29 फरवरी को वृहद बेंगलुरु महानगर पालिका (शहर निकाय) परिषद की बैठक में किया गया था। एलाहांका के विधायक एवं मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव एस आर विश्वनाथ ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि उस स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर फ्लाईओवर का नामकरण करने में कुछ भी गलत नहीं है जिसे जेल की सजा हुई थी और जिसने देश की खातिर कालापानी (पूर्ववर्ती अंडमान जेल) में सजा काटी। उन्होंने कहा कि बीबीएमपी परिषद ने नियमों के अनुसार कानूनी रूप से इसे मंजूरी दे दी है और सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और उसके बाद ही नामकरण की योजना बनाई गई है।

जहरीली शराब मामले में इंदौर के व्यापारी का फ्लैट कुर्क

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने राजस्थान में 2011 में हुई जहरीली शराब त्रासदी से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में इंदौर के एक व्यापारी का 10 लाख रुपए मूल्य का एक फ्लैट कुर्क किया है। उक्त जहरीली शराब कांड में 22 व्यक्तियों की मौत हो गई थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने इंदौर के लिंबोडी इलाके में सिलवर लेक विस्टा में 985 वर्ग फुट का एक दो बीएचके (दो बेडरूम, हॉल किचन) फ्लैट को कुर्क करने के लिए एक अस्थाई आदेश जारी किया है। उसने कहा कि फ्लैट की कीमत करीब 10 लाख रुपए है और इसका स्वामित्व व्यापारी अमनदीप सिंह भुल्लर के पास है, जो इसी शहर में रहता है। प्रवर्तन निदेशालय ने वर्ष 2011 में जोधपुर जिले में अवैध रूप से बेची गई शराब के सेवन से 22 लोगों की मौत से संबंधित मामले में जोधपुर पुलिस की 2011 की एक प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आपराधिक आरोप लगाए थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र भी दायर किया था, जिसमें शारदा देवी और कुछ और शामिल थे। प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया, जांच में पता चला कि भुल्लर ने राजस्थान के जोधपुर और पाली जिले में अवैध स्पीरिट की आपूर्ति, मामले के अन्य आरोपी कालूराम बिश्नोई को की, जिसने उसका इस्तेमाल जहरीली शराब बनाने में किया। प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया, यह पाया गया कि कालूराम बिश्नोई ने भुल्लर को स्पीरिट के लिए भुगतान हवाला लेन-देन के जरिए किया। उसने कहा कि बिश्नोई इस जहरीली शराब कांड का सरगना है। पूर्व में बिश्नोई की 1.23 करोड़ रुपए की सम्पत्ति (नकदी सहित) एजेंसी ने कुर्क की थी। एजेंसी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है।

पुरी, भुवनेश्वर में दो महीने बाद फिर शुरू होगा धरोहर कोरिडोर परियोजना का काम

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पुरी में जगन्नाथ मंदिर और भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर के आसपास धरोहर कोरिडोर का काम शुक्रवार से शुरू करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इन दो परियोजनाओं के तहत अभी तक किए कार्यों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार पटनायक ने इन दोनों परियोजनाओं को महत्वपूर्ण बताने के साथ ही कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए लगाए लॉकडाउन के कारण परियोजनाओं का काम पिछले करीब दो महीने से बंद था। पटनायक ने कहा, कोरोना वायरस के कारण हमने दो महीने से अधिक समय तक कुछ नहीं किया। अब हमें पाबंदियों में थोड़ी ढील देनी चाहिए और शुक्रवार से पुरी और भुवनेश्वर में विकास कार्य शुरू करने चाहिए।

असम के कामरूप जिले में चल रहे कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान मोबाइल मेडिकेयर वैन के अंदर बैठे एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता से बात करती हुई बुजुर्ग महिलाएं

कोविड-19 के कारण भारत में 18 हजार लोगों की मौत हो सकती है : महामारी विशेषज्ञ

भाषा। बेंगलुरु

भारत में जुलाई माह की शुरुआत में कोविड-19 के मामले चरम पर पहुंचने की आशंका है और इस वैश्विक महामारी के कारण भारत में 18,000 लोग जान गंवा सकते हैं। एक महामारी एवं लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने यह कहा है। सेंटर फॉर कंट्रोल ऑफ क्रॉनिक कंडिशन्स (सीसीसीसी) के निदेशक प्रो डी. प्रभाकरण ने कहा कि देश में यह महामारी बढ़ने की दिशा में है।

प्रभाकरण ब्रिटेन में लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन ऐंड ट्रॉपिकल मेडिसिन में महामारी विज्ञान विभाग में प्रोफेसर भी हैं। महामारी विशेषज्ञ ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के सर्वाधिक मामले जुलाई में सामने आ सकते हैं। उन्होंने बुधवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि यह विभिन्न शोधों के आधार पर और अन्य देशों में इस महामारी के बढ़ने

और घटने का आकलन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां चार से छह लाख मामले संक्रमण के हो सकते हैं और औसत मृत्यु दर तीन फीसदी रह सकती है, जो (भारत में कोविड-19 के कारण मौत) करीब 12 हजार से 18 हजार होगी।

प्रभाकरण ने कहा कि सीमित डेटा को देखने पर ऐसा लगता है कि यहां मृत्युदर कम है लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है, यह तो महामारी के खत्म होने पर ही पता चल पाएगा।इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हैल्थ, हैदराबाद में निदेशक प्रो. जी.वी.एस. मूर्ति ने कहा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में मृत्युदर सबसे कम श्रीलंका में है जो प्रति दस लाख पर 0.4 है। भारत, सिंगापुर, पाकिस्तान, बांग्लादेश और मलेशिया में प्रति दस लाख की आबादी पर मृत्युदर एक सी कम है। हां, यह कहना मुश्किल है कि इन देशों में मृत्युदर कम क्यों है।

उनके मुताबिक ऐसा हो सकता है कि इन देशों ने महामारी की शुरुआत में सामुदायिक लॉकडाउन शुरू कर दिया था जो मृत्युदर कम होने की वजह हो सकती है। जबकि यूरोप और अमेरिका ने ऐसे कदम देर से उठाए। प्रो. मूर्ति ने बताया कि दुनियाभर और भारत के रूझानों को देखें तो पता चलता है कि 60 वर्ष और अधिक आयु के लोगों में मृत्युदर सबसे ज्यादा है। भारत में कोविड-19 के कारण जिन लोगों की मौत हुई उनमें से 50 फीसदी की उम्र 60 वर्ष या अधिक थी।

लॉकडाउन में कई शादियां रद

शादी भवन और खानपान वालों के व्यापार पर असर

रायपुर। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए देश भर में लागू लॉकडाउन का असर छत्तीसगढ़ में होने वाली शादियों पर भी पड़ा है। इस दौरान कई शादियों की तारीख बदल दी गई वहीं शादी भवन और खानपान का काम करने वाले लोगों को भी घाटा सहना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाली 24 वर्षीय शिक्षिका श्रध्दा पटेल की शादी इस महीने की 17 तारीख को होने वाली थी। शादी की तैयारियां पूरी हो गई थीं लेकिन अब कोरोना वायरस प्रभाव के कारण श्रध्दा की शादी रद्द कर दी गई। परिवार के लोग नई तारीख के इंतजार में हैं।

श्रध्दा का परिवार उसकी शादी को लेकर दुविधा में है। परिवार चाहता है कि श्रध्दा की शादी अगले माह एक साधारण समारोह में कर दिया जाए। लेकिन वर वधु चाहते हैं कि उनकी शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त जरूर शामिल हों। श्रध्दा ने फोन पर बताया कि एक मार्च को सगाई के बाद उसके परिवार वालों ने कार्यक्रम स्थल की बुकिंग करवा ली थी तथा शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी गई थी। उसकी शादी दुर्ग जिले में स्थित एक इस्पात संयंत्र में कार्यरत आईटी सहायक के साथ तय हुई है। वह कहती है कि उनके (वर वधु के) परिवार वालों ने शादी को वर्ष के अंत तक टालने का फैसला कर लिया था।

लेकिन मुहुर्त को देखते हुए अब शादी अगले महीने आयोजित करना चाह रहे हस्ड्ड। पटेल कहती हैं कि वह अब भव्य शादी नहीं करना चाहती है लेकिन कम से कम करीबी दोस्त और रिश्तेदार तो जरूर इस मौके पर मौजूद रहें। लेकिन लॉकडाउन में नियमों के तहत ऐसा कर पाना मुश्किल लग रहा है क्योंकि अब शादी में 20 लोगों को ही शामिल होने की अनुमति दी जा रही है।

पेज एक का शेष

चीन का...

किए जाने की खबरों की पुष्टि करते हुए कहा, 'दोनों देशों के पास सीमा से संबंधित अच्छा तंत्र और संचार माध्यम हैं। हम बातचीत और विचार-विमर्श के जरिए मुद्दों को सुलझाने में सक्षम हैं।' यह पूछे जाने पर कि बातचीत कहां हो रही है, इस पर झाओ ने कहा कि दोनों देशों ने सीमा संबंधित तंत्र और कूटनीतिक माध्यम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें सीमा बलों और हमारे राजनयिक मिशनों के बीच बातचीत शामिल है।' करीब 3,500 किलोमीटर लंबी एलएसी दोनों देशों के बीच वस्तुत: सीमा का काम करती है। हाल के दिनों में लद्दाख और उत्तरी सिक्किम में भारत और चीन की सेनाओं ने अपनी उपस्थिति काफी हद तक बढ़ाई है। यह दोनों देशों की सेनाओं के बीच दो अलग-अलग, तनातनी की घटनाओं के दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी तनाव बढ़ने और दोनों पक्षों के रुख में कठोरता आने का स्पष्ट संकेत देता है। भारत ने कहा है कि चीनी सेना लद्दाख और सिक्किम में एलएसी पर उसकी सेनाओं की सामान्य गश्त में बाधा डाल रही है और उसने बीजिंग के उस दावे का कड़ा खंडन किया कि दोनों सेनाओं के बीच तनाव भारतीय सेना के चीनी सीमा की ओर घुसपैठ करने से बढ़ा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की सभी गतिविधियां सीमा पर उसकी तरफ हैं। उसने कहा कि भारत सीमा प्रबंधन पर हमेशा बहुत जिम्मेदाराना रुख अपनाता है। साथ ही उसने कहा कि भारत अपनी संप्रभुत्ता तथा सुरक्षा की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। वही नई दिल्ली में भारत में चीन के राजदूत सुन वेइडोंग ने बुधवार को कहा कि चीन और भारत को अपने मतभेदों का असर कभी भी समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर नहीं पड़ने देना चाहिए और आपसी विश्वास को बढ़ाया जाना चाहिए। सैन्य गतिरोध का जिक्र किये बगैर वेइडोंग ने कहा कि दोनों देशों को अपने मतभेद बातचीत के जरिये सुलझाने चाहिए और इस बात का पालन करें कि उन्हें एक-दूसरे से खतरा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमें अपने मतभेदों को सही ढंग से देखना चाहिए और द्विपक्षीय सहयोग पर इन मतभेदों का असर नहीं पड़ने देना चाहिए।

लॉकडाउन में...

कि सीबीएसई बोर्ड कोशिश कर रहा है कि उनकी सुविधा के अनुसार परीक्षा की व्यवस्था करे उन्होंने बताया कि जून के प्रथम सप्ताह में इस बारे में छात्रों को पता चल जायेगा कि उन्हें कहां परीक्षा देनी है? गौरतलब है कि कोविड-19 के प्रसार के कारण स्कूल बंद होने और फिर 25 मार्च से राष्ट्रव्यापी लाकडाउन लागू के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई थी और अब यह परीक्षा 1 से 15 जुलाई के बीच होगी । 12वीं कक्षा की लंबित परीक्षा पूरे देश में होगी जबकि 10वीं कक्षा की लंबित परीक्षा केवल उत्तर पूर्व दिल्ली में होगी।

कई स्तरों...

गैस में कोलाइड को एरोसोल कहा जाता है। अध्ययन के अनुसार मास्क पर रहने वाला विषाणु से संक्रमित हर कण एयरोसोल के रूप में हवा में लटका नहीं रहता या सतह पर नहीं गिरता जिससे कि बाद में सतह को छूने से संक्रमित होने की आशंका बने। यह अध्ययन पत्रिका एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। अध्ययनकर्ताओं ने हाल के आंकड़ों समेत कई सबूतों का विश्लेषण किया और पाया कि कपड़े से बने मास्क हवा और सतह के संपर्क में आने से होने वाले संक्रमण को कम कर सकते है।

बलिया, वाराणसी...

के नीचे का हिस्सा काम नहीं करने की वजह से चल नहीं पाता था। प्रयागराज में उसने तबियत ठीक न लगने की शिकायत की और फिर सो गया। काशी पहुंचने पर जब उसे उठाया गया तो वह नहीं उठा। वहीं मंगलवार की देर रात बलिया रेलवे स्टेशन से गुजर रही श्रमिक स्पेशल ट्रेन से अपने घर जा रहे दो श्रमिकों की बीच रास्ते में ही मौत हो गई। सूचना पर जीआरपीए आरपीएफव पुलिस ने जवानों ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इनमें एक पहचान सूरत से बिहार के हाजीपुर जा रहे श्रमिक भूषण सिंह (48 वर्ष) के रूप में हुई। साथियों के हंगामा करने पर आरपीएफव जीआरपी ने बलिया रेलवे स्टेशन पर शव को ट्रेन से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

भारत में...

भी शामिल हैं। मंगलवार सुबह से जिन 170 लोगों की मौत हुई है उनमें से 97 महाराष्ट्र में, 27 गुजरात में, 12 दिल्ली में, नौ तमिलनाडु में, पांच-पांच मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, तीन राजस्थान में, एक-एक मरीज की मृत्यु आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, केरल, तेलंगाना और उत्तराखंड में हुई। देश में संक्रमण से अब तक कुल 4,337 मरीजों की मौत हुई है जिनमें सर्वाधिक 1,792 मरीजों की मौत महाराष्ट्र में, 915 मरीजों की मौत गुजरात में हुई है। मध्य प्रदेश में यह संख्या 305 है, दिल्ली में संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या 288 और पश्चिम बंगाल में 283 है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश दोनों ही राज्यों में संक्रमण के कारण 170 लोगों की मौत हुई, तमिलनाडु में 127 की और आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना दोनों ही राज्यों में 57 लोगों की मौत हुई। कोविड-19 के कारण कर्नाटक में मृतक संख्या 44 और पंजाब में 40 पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर में 24 लोगों की, हरियाणा में 17 की, बिहार में 13 की, ओडिशा में सात की, केरल में छह की, हिमाचल प्रदेश में पांच लोगों की, झारखंड, उत्तराखंड, चंडीगढ़ तथा असम में चार-चार लोगों की मौत संक्रमण के कारण हुई।

दिल्ली में...

की सूची में वही लोग शामिल हैं जिनकी मौत प्राथमिक तौर पर कोरोना वायरस की वजह से हुई है। यह संख्या मृत्यु लेखा-जोखा समिति द्वारा विभिन्न अस्पतालों से हासिल किए गए आंकड़ों के आधार पर है। मंगलवार को संक्रमितों का आंकड़ा 14,465 और मृतकों का आंकड़ा 288 था।

कोरोना का...

है। इन धर्मार्थ अस्पतालों को मरीजों का नि:शुल्क इलाज करना चाहिए।' पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ ही इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिये स्थगित कर दी। केन्द्र की ओर से मेहता ने पीठ से कह कि यह नीतिगत मामला होने के कारण इस पर सरकार को ही निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अपना जवाब दाखिल करेंगे। न्यायालय एक याचिका में दायर आवेदन पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें देश के निजी अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों के इलाज के खर्च को नियंत्रित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत ने 30 अप्रैल को अधिवक्ता सचिन जैन की याचिका पर केन्द्र से जवाब मांगा था। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि निजी अस्पताल संकट की इस घड़ी में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों का व्यावसायिक तरीके से शोषण कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि सरकार को उन निजी अस्पतालों, जिन्हें रियायती दर पर सार्वजनिक भूमि आबंटित की गयी है या जो धर्मार्थ अस्पतालों की श्रेणी में आते हैं, उन्हें कोविड-19 के मरीजों का जनसेवा के रूप में या बगैर किसी नफे नुकसान के आधार पर इलाज करने कस आदेश देना चाहिए। याचिका में ऐसे निजी अस्पतालों में कोविड-19 से संक्रमित गरीब और बगैर किसी स्वास्थ्य बीमा वाले मरीजों तथा सरकार की आयुष्मान भारत जैसी योजना के दायरे में नहीं आने वाले मरीजों के इलाज का खर्च सरकार को वहन करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका के अनुसार आपदा प्रबंधन कानून के तहत प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुये केन्द्र ने जिस तरह निजी अस्पतालों में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की जांच की कीमत को नियंत्रित किया है, ठीक उसी तरह उसे इस महामारी से प्रभावित मरीजों के उपचार पर होने वाले खर्च को भी नियंत्रित करना चाहिए।

स्टार्टअप शुरू...

अपनी तैयारी कर सकें। यमुना प्राधिकरण में लॉकडाउन में भी निवेश आया है। इस दौरान संस्थागत श्रेणी में छह आवेदनकर्ताओं को भूखंड आवंटित किए गए। इसमें ओल्ड ऐज होम, नर्सरी स्कूल व अस्पताल शामिल हैं। इससे यहां पर 17 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। इसके अलावा औद्योगिक भूखंडों का भी आवंटन किया गया है। इसमें कालीन बनाने, सोलर पैनल, रेडीमेड गारमेंटस, एयर फिल्टर, फुटवियर, मेटल शीट आदि बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। इससे यहां पर तीन हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा करोड़ों रुपये का निवेश हो सकेगा।

ग्रेटर नोएडा...

बिना ही जनसामान्य के काम हो सकेंगे। इसके अलावा विभिन्न ग्रामों में कामन सर्विस सेन्टर के माध्यम से किसानों को प्राधिकरण से आनलाइन पत्राचार तथा निर्धारित देयों के आनलाइन भुगतान में सहायता के लिए वार्ता की जाएगी।

आईओसी ने बत्रा को ओलंपिक चैनल आयोग का सदस्य नियुक्त किया

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा को ओलंपिक चैनल आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक को लिखे पत्र में बत्रा ने इस भूमिका के लिए चुने जाने पर आभार जताया। बत्रा पिछले साल जून में आईओसी सदस्य बने थे। बत्रा ने कहा कि ओलंपिक चैनल आयोग का सदस्य नियुक्त किए जाने के लिए धन्यवाद देता हूं और मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। बत्रा इससे पहले 2014-2016 तक हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और 2003-2013 तक एशियाई हाकी महासंघ से अध्यक्ष रहे।

आर्थिक संकट के चलते 10 से 15 प्रतिशत स्टाफ में कटौती करेगा न्यूजीलैंड क्रिकेट

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट कोरोना वायरस महामारी से पैदा हुए आर्थिक संकट के चलते अपने स्टाफ में 10 से 15 प्रतिशत कटौती करके लागत में 60 लाख डॉलर की बचत करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने कहा कि लागत में कटौती के उपायों के बाद ही बोर्ड छह प्रमुख संघों, जिलों और क्लबों को पैसा दे सकेगा और उसे पुरूष तथा महिला क्रिकेट के घरेलू कैलेंडर में भी कटौती नहीं करनी पड़ेगी। उन्होंने स्थानीय मीडिया से कहा कि इस कटौती से हम 60 लाख डॉलर बचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों और प्रबंधन पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सरकार के साथ मिलकर फुटबाल सत्र का भाग्य तय करेगा सिरी ए

मिलान। सिरी ए की जर्मनी और स्पेन की तरफ वापसी की उम्मीदों पर फैसला गुरुवार को इतालवी सरकार के साथ होने वाले बैठक में होगा जिसमें फुटबाल प्रेमी इटली में वर्तमान सत्र का भाग्य तय किया जाएगा। खेल मंत्री विन्सेंजो स्पेडोफोरा इटली फुटबाल महासंघ और लीगा सिरी ए के प्रमुखों को बताएंगे कि क्या लगभग तीन महीने के बाद वापसी के लिए स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियां अनुकूल हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण सिरी ए और इटालियन कप के मैच नौ मार्च से नहीं खेले गए हैं।

जापान का जे-लीग फुटबाल टूर्नामेंट दर्शकों के बिना वापसी को तैयार

टोक्यो। जापान की शीर्ष फुटबॉल लीग देश की पेशेवर बेसबॉल लीग के शुरू होने के कुछ सप्ताह के अंदर ही फिर से अपना सत्र बहाल करने के लिए तैयार है। संभावना है कि जे-लीग शुक्रवार को अपनी योजनाओं का खुलासा करेगा। जापानी समाचार एजेंसी क्योदो की रिपोर्ट के अनुसार लीग के मैच 27 जून या चार जुलाई से शुरू हो सकते हैं। इन मैचों की शुरुआत दर्शकों के बिना होगी। इससे पहले 19 जून से शुरू होने वाली बेसबॉल लीग भी खाली स्टेडियम में खेली जाएगी।

कोरोना महामारी के दुष्प्रभावों पर आईओसी सदस्यों से बाक ने की बात

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रमुख थामस बाक ने समिति के सदस्यों से कोरोना वायरस महामारी के संभावित दुष्परिणामों पर बात की। कोरोना महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि बाक ने अलग-अलग सत्रों में समिति के सौ सदस्यों को संबोधित किया। बाक दुनिया भर में आईसीसी के सभी सदस्यों से इस महामारी के प्रभावों को लेकर उनके विचार जानना चाहते थे। कोरोना महामारी के दौरान पहली बार उन्होंने सदस्यों से सलाह ली है।

डोर्टमंड पर करीबी जीत से खिताब के करीब पहुंचा बायर्न म्यूनिख

बर्लिन। जोशुका किमिच के गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी बोरूसिया डोर्टमंड पर 1-0 की रोमांचक जीत से लगातार आठवीं बार बुंदेसलीगा फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीतने की तरफ कदम बढ़ाए। सिंग्लन इडुना पार्क के खाली स्टेडियम में किमिच ने मध्यांतर से ठीक पहले 43वें मिनट में यह महत्वपूर्ण गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

2022 तक टल सकता है टी-20 विश्व कप

आईसीसी की बैठक आज, अक्टूबर में आईपीएल के आयोजन पर बन सकती है सहमति

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड की गुरुवार को जब टेलीकान्फ्रेंस के जरिए बैठक होगी तो उसमें आस्ट्रेलिया में इस साल होने वाले टी-20 विश्व कप को 2022 तक स्थगित करने और अक्टूबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन को औपचारिक रूप दिए जाने की संभावना है। कोविड-19 महामारी के कारण बनी परिस्थितियों में अगर इसे औपचारिक रूप दे दिया जाता है तो इस फैसले से सदस्यों को आगामी महीनों के लिए अपनी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी। आईसीसी बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि इसकी पूरी संभावना है कि गुरुवार को होने वाली बैठक के दौरान टी-20 विश्व कप को स्थगित करने का फैसला किया जाए। लेकिन सवाल यह है कि वहां औपचारिक घोषणा की जाएगी या नहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में टी-20 विश्व कप के आयोजन की बहुत कम संभावनाएं है। मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया या अन्य शीर्ष क्रिकेट बोर्ड को इससे परेशानी होगी। 15 मई की अपनी रिपोर्ट में कहा था कि क्रिस टेटले की अगुवाई वाली आईसीसी प्रतियोगिता समिति कई विकल्प सामने रखेगी और इसमें एक विकल्प यह हो सकता है कि सदस्य आस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट को अक्टूबर नवंबर 2022 तक स्थगित कर सकते हैं जबकि भारत 2021 में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टी-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इसका यह भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भारत इस साल के आखिर में आस्ट्रेलिया का दौरा करेगा क्योंकि सदस्य देश महामारी के कारण पैदा हुए वित्तीय संकट से उबरने के लिए द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को प्राथमिकता दे सकते हैं। बोर्ड के सदस्य ने यह भी कहा कि यह केवल सदस्य देशों से ही नहीं बल्कि प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स से जुड़ा मुद्दा भी है जिसके पास संयोग से आईसीसी प्रतियोगिताओं के साथ साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल के भी प्रसारण अधिकार हैं। बीसीसीआई प्रसारण करार से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि कुछ सवाल है जिन पर गौर करने की जरूरत है। इनमें फरवरी-मार्च 2021 में टी-20 विश्व कप के आयोजन की व्यावसायिक व्यावहार्यता है। इससे पहले अक्टूबर-नवंबर में आईपीएल का आयोजन फिर अगला आईपीएल मार्च से मई के बीच आयोजित करना शामिल है।

टी-20 विश्व कप के स्थान पर आईपीएल का आयोजन कराना सही रहेगा: पैट कमिन्स

सिडनी। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिन्स ने कहा कि अगर कोविड-19 महामारी के कारण टी-20 विश्व कप स्थगित होता है तो अक्टूबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन करना सही रहेगा। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप को स्थगित किया जाता है तो वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के कारण स्थगित कर दिए गए आईपीएल को अक्टूबर नवंबर में आयोजित किया जा सकता है। कमिन्स ने पत्रकारों से कहा कि अगर इससे जगह बनती है तो आईपीएल को उसमें फिट करना सबसे अच्छा रहेगा। दुनिया भर में लाखों लोग उस टूर्नामेंट को देखते हैं। क्रिकेट के लंबे समय तक नहीं खेले जाने के बाद संभावना है कि दर्शकों की संख्या और अधिक होगी। मैं इस टूर्नामेंट का आयोजन क्यों चाहता हूं इसके कई कारण हैं लेकिन यह शानदार टूर्नामेंट है।

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट तीन दिसम्बर से

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई मीडिया का कहना है कि साल के आखिर में भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने चार वेन्यू तय किए हैं और पहला टेस्ट तीन दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। आस्ट्रेलिया के दो मीडिया संस्थानों ने कहा है कि चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला का शेड्यूल बन चुका है। रपटों के अनुसार क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी केविन राबर्ट्स इसका ऐलान शुक्रवार को करेंगे। इसमें भारतीय टीम के लिए बायो बबल या पृथकवास की कोई योजना नहीं है।

ऐसी अटकलें थी कि कोरोना महामारी के कारण यह दौरा रद्द भी हो सकता है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने जो कार्यक्रम बनाया है कि उसके मुताबिक पहला टेस्ट तीन दिसंबर से ब्रिसबेन में, दूसरा 11 दिसंबर से एडीलेड, तीसरा 26 दिसंबर से मेलबर्न और चौथा तीन जनवरी से सिडनी में होगा। ऐसा समझा जाता है कि एडीलेड में दूसरा टेस्ट दिन रात का होगा। पर्थ में अफगानिस्तान के खिलाफ गुलाबी गेंद से मैच होगा लेकिन ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला जाएगा।

यह भारतीय तेज गेंदबाजी का सर्वश्रेष्ठ दौर है: बिशप

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज इयान बिशप ने वर्तमान भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की तुलना कैरबियाई टीम के पूर्व के खौफनाक तेज गेंदबाजों से करते हुए कहा कि विदेशों में सफल होने की इच्छा से ही भारत लगातार खतरनाक तेज गेंदबाजों को तैयार कर रहा है। बिशप ने कहा कि इसकी शुरुआत जहीर खान, आरपी सिंह, मुनाफ पटेल से हुई जो कपिल देव और जवागल श्रीनाथ के नक्शेकदमों पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि यह संभवत: भारत में तेज गेंदबाजी की प्रतिभाओं की सर्वश्रेष्ठ पीढ़ी है और इसकी शुरुआत कुछ समय पहले हुई थी। बिशप ने कहा कि हम जहीर, आरपी सिंह, मुनाफ पटेल और उस दौर के कुछ गेंदबाजों से शुरुआत मान सकते हैं जो कपिल देव का अनुसरण करने वाले श्रीनाथ के बाद आए। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारत के पास अभी सबसे खौफनाक तेज गेंदबाज इकाई है। मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार, उमेश यादव और इशांत शर्मा आक्रमण में विविधता पैदा करते हैं। बिशप ने कहा, बाहर से देखने पर मुझे ऐसा लगता है कि भारत यह समझ गया कि बल्लेबाज अच्छे हैं लेकिन अगर हमें विदेशों में जीत दर्ज करनी है तो हमें एमआरएफ पेस फाउंडेशन और एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) से भी खिलाड़ी लेने होंगे। इन तेज गेंदबाजों को बढ़ावा देने के लिए सपाट और टर्निंग पिचें बनाने के बजाय तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिचें बनानी होंगी। वेस्टइंडीज की तरफ से 43 टेस्ट मैचों में 161 विकेट लेने वाले बिशप ने कहा कि वर्तमान भारतीय गेंदबाजी इकाई उन्हें वेस्टइंडीज के उस तेज गेंदबाजी आक्रमण की याद दिलाती है जिसमें एंडी राबर्ट्स, माइकल होल्डिंग, जोएल गार्नर, मैलकम मार्शल और कोलिन क्राफ्ट शामिल थे। बिशप ने कहा कि अब जबकि आपके पास तीन तेज गेंदबाज और कुछ अवसरों पर चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर होता है तो मुझे तब मेरी पीढ़ी से पहले की कैरेबियाई तेज गेंदबाजी की चौकड़ी की याद आती है जिसमें मार्शल, होल्डिंग, गार्नर, राबर्ट्स थे। मैं इनमें कोलिन क्राफ्ट को भी शामिल करूंगा।बिशप ने कहा कि जब उन्होंने जसप्रीत बुमराह को पहली बार देखा तो वह उन्हें तेज गेंदबाज के मानदंडों पर फिट नहीं लगे थे। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाजों के बारे में मेरा यहीं मानना था कि जिनका लंबा और प्रवाहमय रन अप हो जैसे वेस हॉल, सर रिचर्ड हैडली, डेनिस लिली, मार्शल और होल्डिंग का। जसप्रीत उसके ठीक विपरीत था। उसका रनअप छोटा था और उसमें प्रवाह नहीं था। बिशप ने कहा कि आज तक मैं हैरान हूं कि उसकी गेंदों में तेजी कहां से आती है।

बीडब्ल्यूएफ ने ओलंपिक क्वालीफिकेशन अवधि अगले साल तक बढाई

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने बुधवार को कहा कि तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन अवधिक बढाई जाएगी और मूल क्वालीफिकेशन अवधि के दौरान हासिल किए गए रैंकिंग अंक बरकरार रहेंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर अस्त व्यस्त हो गया है। बैडमिंटन महासंघ एक साल की क्वालीफाइंग अवधि में से आखिरी छह सप्ताह के टूर्नामेंट नहीं करा सका था। अब टोक्यो ओलंपिक एक साल के लिए स्थगित होने के कारण अगले साल ओलंपिक क्वालीफिकेशन अवधि बढाई जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि बढ़ी हुई क्वालीफिकेशन अवधि 2021 में पहले से 17वें सप्ताह के बीच होगी। इसमें स्थगित हुए, निलंबित हुए और रद्द किए गए टूर्नामेंट कराए जाएंगे।

इसमें कहा गया कि स्थगित ओलंपिक क्वालीफायर अगले साल भी उसी सप्ताह में होंगे जिस समय 2020 में होने थे।

लॉकडाउन के बाद गेंदबाजों के लिए लय हासिल करना मुश्किल होगा: ली

भाषा। मुंबई

आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को लगता है कि लॉकडाउन के बाद गेंदबाजों के लिए लय हासिल करना मुश्किल होगा और उन्हें किसी भी प्रारूप के लिए मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कम से कम आठ सप्ताह की जरूरत पड़ेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले गेंदबाजों के लिए तैयारी की अवधि आठ से 12 सप्ताह, वनडे के लिए छह सप्ताह और टी20 के लिए पांच से छह सप्ताह रखने की सिफारिश की है। ली से पूछा गया कि लॉकडाउन के बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों में से लय हासिल करना किसके लिए मुश्किल होगा, उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मुश्किल होगा। गेंदबाजों को इसे हासिल करने में थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि अमूमन छह से आठ सप्ताह में आप फिर से पुरानी लय में लौट जाते हो।

उन्होंने कहा कि चाहे आप वनडे खेल रहे हों या टेस्ट क्रिकेट आपको पूरी लय और मैच फिटनेस हासिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय चाहिए। इसलिए यह गेंदबाजों के लिए थोड़ा मुश्किल होने जा रहा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स और स्टुअर्ट ब्राड उन गेंदबाजों में शामिल थे जिन्होंने 21 मई को व्यक्तिगत अभ्यास शुरू किया। इसी तरह से भारत के शार्दुल ठाकुर ने पिछले शनिवार को अभ्यास शुरू किया।

भारोत्तोलन में मीराबाई का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा

नई दिल्ली। आम तौर पर ऐसा होता नहीं है लेकिन भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने खेलरत्न पुरस्कार प्राप्त पूर्व विश्व चैम्पियन मीराबाई चानू का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा है। महासंघ ने चानू, रागाला वेंकट राहुल और पूनम यादव के नाम भेजे हैं। चानू को 2018 में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ खेलरत्न मिला था।

उन्हें उसी साल पद्मश्री सम्मान भी दिया गया। अमेरिका में 2017 में विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली चानू ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार के साथ एक सम्मान जुड़ा है और खेलरत्न के बाद भी इसे स्वीकार करने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि खेलरत्न सर्वोच्च पुरस्कार है लेकिन मुझे पहले अर्जुन पुरस्कार नहीं मिला और मुझे वह भी चाहिए। कई बार आपको सब चाहिए होता है। खिलाड़ियों का अर्जुन पुरस्कार से खास लगाव होता है।

एनआईएस डिप्लोमा कोर्स में जाने माने खिलाड़ियों के लिए 46 सीटें रिजर्व

नई दिल्ली। भारतीयय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा कि 46 जाने माने खिलाड़ियों को पटियाला के राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) के प्रतिष्ठित डिप्लोमा कोचिंग कोर्स में सीधे प्रवेश मिलेगा जो एनआईएस की दाखिला नीति में बदलाव के प्रस्ताव का हिस्सा है। साथ ही सीटों की संख्या में भी इजाफा गया गया है जबकि परीक्षा की प्रक्रिया आनलाइन होगी। नई दाखिला नीति के तहत सीटों की संख्या को भी 566 से बढ़ाकर 725 कर दिया है। इस नीति को एनआईएस की शैक्षिक परिषद ने स्वीकृति दी है और संबंधित हितधारकों से इस पर प्रतिक्रिया मांगी गई है। साइ की विज्ञप्ति के अनुसार, प्रस्ताव दिया गया है ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले या विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले या एशियाराष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले जाने माने खिलाड़ियों को इस पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। उन्हें लिखित परीक्षा या साक्षात्कार नहीं देना होगा। पात्रता नियमों में बदलाव करते हुए साइ ने कहा कि न्यूनतम शैक्षिक योग्यता को अब 10वीं कर दिया है जबकि पहले आवेदन के लिए स्नातक तक की शिक्षा अनिवार्य थी। साइ ने कहा कि पहली बार पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आनलाइन होगी। विभिन्न खेलों के पुनर्गठन और देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सीटों की संख्या को भी 566 से बढ़ाकर 725 किया गया है। उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को मौका देने के लिए ऐसा किया गया है जिसमें शैक्षिक डिग्री से अधिक कोचिंग क्षमता को तरजीह दी गई है।एनआईएस द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कोचिंग डिग्री के लिए न्यूनतम आयु पहले के 23 साल की तुलना में अब 21 साल होगी।

कोविड-19 से लड़ाई के लिए राज्यों को 20 लाख करोड़ जुटाने की जरूरत: गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 महामारी से उपजे संकट के मद्देनजर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अधिक नकदी की जरूरत है और राज्यों को 20 लाख करोड़ रुपये के साथ आगे आना चाहिए, जबकि अन्य 10 लाख करोड़ रुपय सार्वजनिक-निजी निवेश के जरिए जुटाए जा सकते हैं। गडकरी ने कहा कि अर्थव्यवस्था गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है, कारोबार बंद हो रहे हैं और बेरोजगारी बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों, चाहे प्रवासी हों, मीडिया, व्यापारी या कर्मचारी, सभी को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन आखिरकार हम आर्थिक युद्ध जीतेंगे और कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीतेंगे। सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री ने बताया कि कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बाजार में और अधिक नकदी की जरूरत है और ऐसे में राज्यों को 20 लाख करोड़ रुपए का निवेश करना चाहिए, जबकि 10 लाख करोड़ रुपए सार्वजनिक-निजी निवेश के जरिए जुटाए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले ही घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के साथ इस धनराशि को मिलाकर बाजार में कुल 50 लाख करोड़ रुपये की नकदी आ जाएगी, जिससे कोविड-19 के विपरीत असर का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की है, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्च के बाद से 8.01 लाख करोड़ रुपये के तरलता उपाए भी शामिल हैं। पांच हिस्सों में घोषित इस राहत पैकेज के पहले चरण में छोटे कारोबारियों को कर्ज सुविधा देने सहित 5.94 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की गई। दूसरे चरण में किसानों को कर्ज और प्रवासी मजदूरों को खाद्यान्न सुविधा देने की घोषणा की गई। तीसरी किश्त में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए राहत उपायों की घोषणा की गई, जबकि चौथी और पांचवी किस्त में ज्यादा तर संरचनात्मक सुधारों का ऐलान किया गया।

गडकरी ने आगे कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर काम बहुत तेजी से शुरू किया गया है और सरकार की योजना अगले दो वर्षों में 15 लाख करोड़ रुपये के राजमार्ग बनाने की है। उन्होंने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत परियोजनाओं पर काम फिर से शुरू कर दिया गया है।

सरकार ने बीपीसीएल की बोली की समयसीमा 31 जुलाई तक बढ़ाई

संवाददाता। नई दिल्ली

सरकार ने कोविड-19 महामारी के चलते देश की दूसरी सबसे बड़ी रिफाइनरी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के निजीकरण के लिए बोली की समयसीमा को दूसरी बार बढ़ाया है। एक आधिकारिक नोटिस के अनुसार रुचि पत्र जमा करने की अंतिम तारीख एक महीने से अधिक बढ़ाकर 13 जून की जगह 31 जुलाई कर दी गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले साल नवंबर में बीपीसीएल में सरकार की पूरी 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद सात मार्च को हिस्सेदारी खरीदने में रुचि रखने वालों से रुचि पत्र (ईओआई) मांगे गए थे। ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि दो मई थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 13 जून तक कर दिया गया। सरकार ने कहा कि इस समयसीमा को आगे 31 जुलाई तक बढ़ाया जा रहा है।

सरकार 11 जून को शुरू कर सकती है कोयला ब्लॉक नीलामी प्रक्रिया

नई दिल्ली। केंद्र 11 जून को वाणिज्यिक खनन के तहत कोयला ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर सकता है। नीलामी में करीब 50 कोयला ब्लाक को रखा जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार 11 जून को कोयला खदानों की नीलामी के लिए निविदा आंमत्रित करने को लेकर नेटिस जारी करेगी। उसने कहा कि करीब 50 कोएला ब्लॉक नीलामी के लिए रखे जा सकते हैं। कोयला मंत्रालय का राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम के जरिए कोयला ब्लॉक की नीलामी शुरू करने का प्रस्ताव है। उसके बाद कानून और नियमों में किए गए बदलाव के संदर्भ में देश के अन्य भागों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि नीलामी को लेकर निजी क्षेत्र के बीच एक रूचि जगाई जा सके सरकार ने पिछले सप्ताह राजस्व हिस्सेदारी आधार पर कोएला के वाणिज्यिक खनन के तौर-तरीकों को मंजूरी दे दी।

वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की बैठक आज

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बृहस्पतिवार को बैठक बुलाई है। बैठक में अन्य बातों के अलावा कोविड-19 के वित्तीय क्षेत्र और अर्थवयवस्था पर प्रभाव के बारे में चर्चा की जाएगी। कोरोना वायरस महामारी के बाद एफएसडीसी की यह पहली बैठक है। इसमें आरबीअई गवर्नर और वित्तीय क्षेत्र के अन्य नियामक शामिल हैं। एफएसडीसी की बैठक वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिए होगी।

मुंबई। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स बुधवार को 996 अंक बढ़कर 31,600 अंक से ऊपर पहुंच गया।

PUBLIC NOTICE

मेरे मुवक्किल पुरूषोत्तम यादव S/o अजीतराम Ro-N-41 प्रेमनगर- 2 किराड़ी सुलेमान नगर दिल्ली -86 ने अपने पुत्र सुनील यादव और उसकी पत्नी किरन देवी को दुर्व्यवहार के कारण चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सभी सम्बंध विच्छेद कर लिए है। इस पर हुए लेनदेन, पुलिस केस की जवाबदेही मेरे मुवक्किल की नही होगी। एडवोकेट – महेन्द्र कुमार

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large my client Mr. Kali Charan owner of Freehold Residential third Floor, with roof rights, built on portion of property bearing no. E-41-A, area measuring 50 Sq. Yards, Part of Khasra No. 665, situated in the area of village Basai Darapur, Delhi Status Colony Known as Sudershan Park, New Delhi by virtue of Notarized General Power of Attorney, Special Power of Attorney, Agreement to sell & dated 10.03.2008 and same property sold to be Mrs. Reena Pathak W/o Mr. Kamlesh Pathak and same property to be loan financed by M/s Vastu Housing Finance Corporation Ltd. A-32, 2nd Floor, Industrial Area, Phase-1, Naraina, New Delhi-110028
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property then contact us within 7 days from the date of this notice on the number mentioned herein below, failing which my client i.e. M/s Vastu Housing Finance Corporation Ltd. A-32, 2nd Floor, Industrial Area, Phase-1, Naraina, New Delhi-110028 shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Naveen Kumar Verma, Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, Mobile: 09958871432

GULSHAN
GULSHAN POLYOLS LIMITED
CIN:L24231UP2000PLC034918
Regd. Off: 9th K.M., Jansath Road, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh
Ph.:0131-3201231, Fax: 0131- 2661378, website: www.gulshanindia.com
Extract of Audited Financial Results for the Quarter & Year ended 31st March, 2020
FINANCIAL HIGHLIGHTS FY 2019-20

(Rs. in Lakhs)

Sl No.	Particulars	Quarter ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter ended 31.12.2019 (Un-Audited)	Quarter ended 31.03.2019 (Audited)	Year ended 31.03.2020 (Audited)	Year ended 31.03.2019 (Audited)
1	Total income from Operations (Refer Note- 2)	13553.90	14,041.81	17108.12	62174.49	67584.91
2	Net Profit/ (Loss) for the period (Before Tax, Exceptional and/ or Extraordinary Items)	336.15	615.19	595.87	2742.22	2701.73
3	Net Profit/ (Loss) for the period Before Tax (After Exceptional and / or Extraordinary Items)	336.15	615.19	595.87	2742.22	2701.73
4	Net Profit/ (Loss) for the period After Tax (After Exceptional and / or Extraordinary Items)	278.20	477.64	577.92	2058.40	2142.52
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period) (After Tax) and other Comprehensive Income (After Tax)]	259.19	477.64	577.92	2039.39	2142.52
6	Paid-up equity share capital (Face Value of Rs. 1/- each)	469.17	469.17	469.17	469.17	469.17
7	Reserves Excluding Revaluation Reserve	—	—	—	30,059.90	28,586.11
8	Earnings Per Share for Continuing and Discontinued Opreations (Before & After Extraordinary Items) (Face Value of Rs. 1/-each)					
	Basic	0.59	1.02	1.23	4.39	4.57
	Diluted	0.59	1.02	1.23	4.39	4.57

NOTES :
1 The above financial results have been reviewed by the Audit committee of the Board at its meeting held on May 26, 2020 and approved and taken on record by the Board of Directors of the Company at its meeting held on May 26, 2020.
2 Effective April 1, 2019, the Company adopted Ind AS 116 "Leases", applied to all lease contracts existing on April 1, 2019 using the modified retrospective method along with the transition option to recognize Right-of-Use asset (ROU) at an amount equal to the lease liability . Accordingly, comparatives for the quarters ended March 31, 2019 and December 31, 2019 and year ended March 31, 2019 have not been retrospectively adjusted. The effect of this adoption is not material on the profit for the period and earnings per share.
3 Figures for the previous period have been regrouped/ rearranged wherever necessary to make them comparable with current figure.
4 Effective April 1, 2019, the Company adopted Unit of Production method for calculating Depreciation instead of W.D.V. method in case of Distillery unit
5 The Company had already Paid an interim dividend for the financial year 2019-2020 of Rs.0.70/- per equity share face value of Rs. 1/- each (70%) in their meeting held on 21st February, 2020. The Interim dividend is to be treated as Final Dividend
6 The outbreak of COVID-19 pandemic globally and in India is causing significant disturbance and slowdown of economic activity. COVID-19 has caused interruption in production, supply chain disruption, unavailability of personnel, etc. during last week of March, 2020 and thereafter. The management of the Company has exercised due care in concluding significant accounting judgements and estimates in preparation of the financial results. In assessing the recoverability of Trade receivables, the Company has considered subsequent recoveries, past trends, credit risk profiles of the customers and internal and external information available up to the date of issuance of these financial results. In assessing the recoverability of inventories, the Company has considered the latest selling prices, customer orders on hand and margins. Based on the above assessment, the Company is of the view that the carrying amounts of Trade receivables and inventories are expected to be realizable to the extent shown in the financial results. The impact of COVID-19 may be different from the estimates as at the date of approval of these financial results and the Company will continue to closely monitor the development.

Date : 26th May, 2020
Place : Delhi

For and on behalf of the Board
Sd/-
Dr. C. K. Jain
Chairman and Managing Director

पूरी दुनिया कोरोना वायरस के खौफ की गिरफ्त में

भाषा। सियोल

कोरोना वायरस लगभग पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। दक्षिण कोरिया में कई हफ्तों की राहत के बाद बुधवार को संक्रमण के सर्वाधिक मामले सामने आए, वहीं भारत में लगातार कई दिन से रिकॉर्ड संख्या में मामले सामने आने का सिलसिला जारी रहा, जहां एक दिन में 6,000 से अधिक नए मामलों का पता चला।

कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बंद किए व्यवसायों को शुरू कर अर्थव्यवस्थाओं को फिर से खोलने का वॉल स्ट्रीट पर जहां सकारात्मक असर नजर आया वहीं दूसरी ओर अमेरिका में संक्रमण के कारण मृतक संख्या एक लाख के आंकड़े को छू रही है। अमेरिका महाद्वीप के ज्यादातर हिस्से में कोरोना वायरस

अमेरिका में मौत का आंकड़ा एक लाख के करीब

का अब भी बहुत प्रकोप है जबकि कई एशियाई और यूरोपीय देश सदी की सबसे भयावह वैश्विक महामारी पर काबू पाने की दिशा में धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

साइप्रस ने बुधवार को घोषणा की कि वह नौ जून से पर्यटकों का स्वागत करने को तैयार है और उसके यहां आने वाले कोरोना वायरस से संक्रमित हर व्यक्ति और उसके परिजनों के रहने, खाने-पीने और दवा संबंधी हर खर्च वह उठाएगा। यह जानकारी उसने सभी सरकारों, एयरलाइनों तथा टूर संचालकों को भेज दी है। हालांकि इसके लिए स्वास्थ्य और साफ सफाई संबंधी सख्त नियमों पालन करना और यात्रा पर रवाना होने से तीन दिन पहले कोविड-19 की अनिवार्य जांच करवाना शामिल है। साइप्रस में संक्रमण के करीब 940 मामले हैं और 20 से भी कम लोगों की मौत हुई है।

न्यूजीलैंड ने कहा कि देश के अस्पतालों में कोरोना वायरस का कोई मरीज भर्ती नहीं है। हालांकि यहां अब भी विदेशों से आने वालों पर पाबंदी है। यहां 1,504 पुष्ट और संभावित मामले हैं, 21 लोगों की मौत हुई है तथा इतनी ही संख्या में संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा है। दक्षिण कोरिया में करीब 50 दिन के बाद 40 नए मामले सामने आए। यह चिंता का विषय है क्योंकि देश में स्कूल शुरू हो चुके हैं। इन नए मामलों में से चार घनी आबादी वाले सियोल क्षेत्र से हैं। दक्षिण कोरिया में 269 लोगों की मौत हुई है तथा संक्रमण के कुल 11,265 मामले सामने आए हैं।

भारत में बुधवार को फिर रिकॉर्ड 6,387 नए मामले सामने आए। यहां दो महीने से जारी लॉकडाउन रविवार को खत्म होने जा रहा है और सरकार अगले चरण के लिए नए दिशा-निर्देश तैयार कर रही है। उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको से लेकर दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के चिली तक कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे हैं और अस्पताल संक्रमण के मरीजों से भरे हैं। मैक्सिको में कोरोना वायरस से मंगलवार को 501 लोगों की मौत हुई और संक्रमण के 3,455 नए मामले आए। यहां हर रोज करीब 620 लोगों की मौत हो रही है। ब्राजील में प्रतिदिन मौत का आंकड़ा 800 है। चिली में अधिकारियों ने कहा कि गहन चिकित्सा इकाईयों में जगह नहीं के बराबर है जबकि रोज करीब 4,000 नए मामले सामने आ रहे हैं। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में कोरोना वायरस से करीब 56 लाख लोग पीड़ित हैं और 3,50,000 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोप में संक्रमण से 1,70,000 लोगों की मौत हो चुकी है और अमेरिका में चार महीने से भी कम वक्त में 98,900 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि मौत का आंकड़ा इससे कहीं अधिक हो सकता है क्योंकि वायरस के कारण मरने वाले बड़ी संख्या में पीड़ितों की कोरोना वायरस जांच ही नहीं हुई। नेवादा के गवर्नर ने भी पर्यटकों को लुभाने के लिए मंगलवार घोषणा की कि चार जून से कैसिनों खोले जा सकेंगे। इन्हें दस हफ्ते पहले बंद किया गया था। न्यूयॉर्क के गवर्नर ने भी संकेत दिए हैं कि अब समय अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने का है।

बैंकॉक के थाईलैंड में बौद्ध भिक्षु एमराल्ड बुद्ध के मंदिर के बाहर सुरक्षात्मक फेस मास्क पहने हुए

भारत की विस्तारवादी नीतियां उसके पड़ोसियों के लिए खतराः इमरान खान

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत की अहंकार से पूर्ण विस्तारवादी नीतियां उसके पड़ोसियों के लिए खतरा बन रही हैं। खान ने पाकिस्तान के सदाबहार सहयोगी चीन का पक्ष लेने का भी प्रयास किया। खान ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, नाजी विचाधारा की तरह भारत सरकार की अहंकार से पूर्ण विस्तारवादी नीतियां भारत के पड़ोसियों के लिए खतरा बन रही हैं। नागरिकता कानून के माध्यम से बांग्लादेश, सीमा विवाद के जरिए नेपाल और चीन के लिए और झूठे अभियान चलाकर पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किलें पैदा की जा रही हैं।

भारत और चीन के बीच 3500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास लद्दाख और उत्तरी सिक्किम के कई इलाकों में हाल में चीन और भारतीय सेना के बीच तनाव बढ़ा है। पाकिस्तान और चीन के संबंध सदाबहार हैं और आपसी हितों के मुद्दों पर दोनों देशों के नेता एक दूसरे का समर्थन करते हैं। खान ने आगे आरोप लगाया कि भारत ने कश्मीर पर अवैध तरीके से कब्जा किया और इसे युद्ध अपराध बताया। पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटे जाने के फैसले के बाद से पाकिस्तान लगातार इस मामले में अंतरराष्ट्रीय समर्थन पाने की कोशिश में जुटा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करना उसका आंतरिक मामला है। भारत ने पाकिस्तान को हकीकत स्वीकार करने और भारत विरोधी दुष्प्रचार बंद करने की भी सलाह दी। खान ने अपने ट्वीट में कहा कि भारत की सरकार ना केवल देश के अल्पसंख्यकों के लिए बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए भी खतरा है। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी आरोप लगाया कि अपने पड़ोसियों के प्रति भारत की आक्रामक नीति से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को खतरा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन करने पर अड़े ट्रंप, सांसदों ने जताई चिंता

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चार जुलाई को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन राजधानी में करने का पक्का मन बना लिया है। हालांकि इस क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने चेतावनी दी है कि यह इलाका बड़े आयोजन के लिहाज से तैयार नहीं है। गौरतलब है कि यह क्षेत्र कोरोना वायरस से बहुत बुरी तरह प्रभावित है। इस तरह के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता जाहिर करते हुए कांग्रेस के सदस्यों ने रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और गृह मंत्री डेविड बर्नहार्ड को मंगलवार को पत्र लिखा था। लेकिन व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जड डियर ने दोहराया कि ट्रंप स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन करना चाहते हैं।

अप्रैल में ट्रंप ने कहा था कि कोरोना वायरस के कारण इस साल होने वाला कार्यक्रम पिछले साल के सैल्यूट अमेरिका कार्यक्रम के मुकाबले छोटे पैमाने पर होगा। पिछले वर्ष कार्यक्रम नेशनल मॉल में हुआ था जिसमें हजारों लोग आए थे।डियर ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है, इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह होगा लेकिन इसमें शामिल होने वाले लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह 2019 में हुए कार्यक्रम से अलग होगा। उन्होंने कहा, अमेरिकी लोगों ने वैश्विक महामारी से लड़ाई में उसी तरह जबरदस्त साहस और उत्साह दिखाया है जैसा कि हमारे पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई में दिखाया था। इससाल अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस पर दोनों का जश्न मनाना चाहिए। आयोजन पर आपत्ति जताते हुए सांसदों ने पत्र में लिखा, इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करना हजारों अमेरिकियों की सेहत और सुरक्षा को बेवजह जोखिम में डालना होगा।

अमेरिकी चुनाव में हस्तक्षेप करने के साथ-साथ बोलने की स्वतंत्रता का दम घोंट रहा है ट्विटरः राष्ट्रपति

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आरोप लगाया है कि ट्विटर अमेरिकी चुनाव में हस्तक्षेप कर रहा है और बोलने की आजादी का पूरी तरह दम घोंट रहा है। ट्रम्प ने ऐसे समय पर यह आरोप लगाया है जब सोशल मीडिया साइट ने ट्रम्प के किसी ट्वीट पर पहली बार तथ्य की जांच करने संबंधी चेतावनी जारी की है। ट्विटर ने मंगलवार को ट्रम्प के उस ट्वीट पर यह चेतावनी जारी की थी, जिसमें ट्रम्प ने मेल के जरिए मतदान को फर्जीवाड़ा बताया था और भविष्यवाणी करते हुए चेताया था कि इन मेल बॉक्स को लूट लिया जाएगा। ट्रम्प ने ट्विटर की चेतावनी के बाद मंगलवार को ट्वीट किया, ट्विटर अब 2020 में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में हस्तक्षेप कर रहा है। उनका कहना है कि मेल के जरिए मतदान संबंधी मेरा यह बयान गलत है कि इससे व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़ा फैलेगा। उसका यह कथन फर्जी समाचार देने वाले सीएनएन और एमेजॉन वाशिंगटन पोस्ट की तथ्य संबंधी जांच पर आधारित है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ट्विटर बोलने की आजादी का दम घोंट रहा है और मैं एक राष्ट्रपति के रूप में ऐसा करने की अनुमति कतई नहीं दूंगा। ट्विटर ने गलत सूचना को फैलने से रोकने के लिए तथ्य की जांच संबंधी नई प्रणाली शुरू की है। ट्विटर ने ट्रम्प के ट्वीट पर चेतावनी जारी करते हुए लिखा था, मेल के जरिए मतदान से जुड़े तथ्यों का पता लगाएं। इसके साथ ही उसने द वॉशिंगटन पोस्ट और सीएनएन जैसे मीडिया संस्थानों की विभिन्न खबरों के लिंक भी संलग्न किए। ट्रम्प ने ट्वीट किया था कि मेल के जरिए मतदान फर्जीवाड़े से कम नहीं होगा। उन्होंने कहा था, मेल बॉक्स लूट लिए जाएंगे, मत पत्रों में फर्जीवाड़ा किया जाएगा, उन्हें अवैध तरीके से छापा जाएगा और धोखाधड़ी से हस्ताक्षर किए जाएंगे। कैलिफोर्निया के गवर्नर लाखों लोगों को मतपत्र भेज रहे हैं। इसी ट्वीट के बाद ट्विटर ने तथ्य संबंधी जांच को लेकर चेतावनी जारी की थी।

बाइडेन ने महामारी के दौरान मास्क पहनने का मजाक उड़ाने के लिए ट्रंप को बताया मूर्ख

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना नेतृत्व का संकेत है और उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मूर्ख बताया जो इसके विपरीत सलाह देकर मौत का आंकड़ा बढ़ा रहे हैं।

बाइडेन की यह टिप्पणी मंगलवार को तब आई है जब एक दिन पहले वह दो महीने से अधिक समय बाद पहली बार जनता के बीच दिखाई दिए जाने पर मास्क पहने नजर आए। बाइडेन इस वैश्विक महामारी में डेलवेयर स्थित अपने घर में थे और अब वे अपनी पत्नी जिल के साथ स्मरणोत्सव दिवस पर पूर्व सैनिकों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए बाहर निकले। ट्रम्प ने बाद में एक पोस्ट रीट्वीट किया जो मास्क पहने हुए बाइडेन की एक तस्वीर का मजाक उड़ाते प्रतीत हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि उनका मतलब आलोचना से नहीं है। सीएनएन को दिए साक्षात्कार में बाइडेन ने कहा, वह मूर्ख है, पूरी तरह मूर्ख जो इस तरह बात करते हैं। उनसे नजीर पेश किए जाने की उम्मीद थी। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि कोरोना वायरस से करीब 1,00,000 अमेरिकियों की मौत हो गई और इनमें से आधी मौतों को रोका जा सकता था लेकिन ट्रम्प की लापरवाही और अहंकार इसके आड़े आ गया। दरअसल ट्रम्प ने मास्क पहनने से इनकार कर दिया है। बाइडेन ने अपने घर के बाहर हुए सीएनएन के साक्षात्कार के दौरान मास्क नहीं पहना लेकिन वह रिपोर्टर से 12 फिट की दूरी पर बैठे हुए थे। उन्होंने कहा, यह कदम लोगों की जान ले रहा है।

रूस के सेंटपीटर्सबर्ग में सेंट पीटर्सबर्ग की 317 वीं वर्षगांठ के दिन सदियों पुरानी परंपरा के तहत लोग इकट्ठा हुए

मेक्सिको में कोरोना संक्रमण से एक दिन में 500 से ज्यादा लोगों की मौत

भाषा। मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि कोरोना वायरस संक्रमण से एक दिन में 501 लोगों की मौत हुई और पहली बार यह आंकड़ा 500 से पार चला गया है। मंगलवार को संक्रमितों की संख्या भी सबसे ज्यादा सामने आई। यहां 3,455 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। देश में संक्रमण के अब तक 74,560 मामलों की पुष्टि हो चुकी है और 8,134 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि संक्रमितों की संख्या काफी ज्यादा हो सकती है क्योंकि देश में जांच की दर काफी कम है।

मेक्सिको में रोजाना मृतकों की संख्या अब अमेरिका के करीब पहुंच रही है जो कि लगभग 620 है। हालांकि ब्राजील में अभी एक दिन में 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो रही है। यह आंकड़े भी ऐसे दिन सामने आए हैं जब स्वास्थ्य अधिकारियों ने बेहतर पीपीई किट की मांग करते हुए राजधानी की एक मुख्य सड़क को कम से कम एक घंटे तक के लिए बंद कर दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसी दिन मेक्सिको सरकार को एक पत्र लिखकर कहा कि वह सामाजिक दूरी और बंद के नियमों के लिए बधाई देना चाहते हैं। डब्ल्यूएचओ ने महामारी पर नियंत्रण के लिए ज्यादा से ज्यादा जांच को महत्वपूर्ण बताया है। मेक्सिको में 12.5 करोड़ से ज्यादा लोग हैं और अब तक सिर्फ 230,000 जांच की गई है जो कि पश्चिमी गोलार्ध क्षेत्र के देशों में सबसे कम जांच में से एक है।

रूस में कोरोना वायरस से 101 चिकित्साकर्मियों की मौत

मॉस्को। रूस में कोरोना वायरस से 101 चिकित्साकर्मियों की मौत हो गई है। रूस के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों ने इस आधिकारिक आंकड़े पर सवाल उठाए और उनका मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है। चिकित्साकर्मियों ने इस संक्रामक रोग से मरने वाले अपने सहकर्मियों की एक ऑनलाइन सूची बनाई है जिसमें 300 से अधिक नाम हैं।अमेरिका और ब्राजील के बाद रूस दुनिया का तीसरा देश है जो कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित है। रूस में संक्रमण के 360,000 से अधिक मामले हैं और 3,807 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में कम मृत्यु दर ने विशेषज्ञों के बीच संदेह पैदा कर दिया है कि उनका मानना है कि अधिकारियों ने आंकड़ों में हेरफेर किया है और राजनीतिक कारणों से मरने वाले लोगों की असल संख्या छुपाई है। रूस के अधिकारियों ने मंगलवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया और दलील दी कि कम मृत्यु दर इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए उठाए प्रभावी कदमों को दर्शाती है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के नए 1,446 मामले, कुल संक्रमितों की संख्या 59 हजार के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,446 नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद देश में कुल संक्रमितों की संख्या 59,151 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस खतरनाक वायरस से 28 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 1,225 तक पहुंच गई है। सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा 23,507 मामले हैं। इसके बाद पंजाब में 21,118, खैबर पख्तूनख्वा में 8,259, बलूचिस्तान में 3,536, इस्लामाबाद में 1,879, गिलगित-बाल्टिस्तान में 638 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 214 मामले हैं। मंत्रालय ने बताया कि अब तक 499,399 जांच हुई है, जिनमें से पिछले 24 घंटे में सिर्फ 8,491 जांच की गई है। अब तक 19,412 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि अधिकारी लगातार कह रहे हैं कि पाकिस्तान नियमित रूप से 30,000 जांच कर सकता है लेकिन अब तक ऐसा हो नहीं पाया है। इसी बीच राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद अफजल ने कहा कि पाकिस्तान में वेंटिलेटर और पीपीई किट की कमी नहीं है। सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

भारतीय मूल के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रीलंका के नेता का निधन

कोलंबो। श्रीलंका में चाय बागानों में काम करने वाले भारतीय मूल के लोगों को नागरिकता दिलाने में मुख्य भूमिका अदा करने वाले पूर्व मंत्री अरुमुगम थोंडामन का निधन हो गया। वह 56 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि श्रमिक संघ और राजनीतिक पार्टी सिलोन वर्कर्स कांग्रेस (सीडब्ल्यूसी) के नेता थोंडामन का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह सीडब्ल्यूसी के संस्थापक सावुमयायामुर्ति थोंडामन के पोते थे। यहां चाय बागानों में काम करने वाले भारतीय मूल के तमिल लोगों का प्रतिनिधित्व इस पार्टी ने किया। चाय बागानों में काम करने वाले भारतीय मूल के लोगों को 1980 के मध्य में नागरिकता दिलाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। पिछले साल नवंबर में आयोजित राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे का समर्थन किया था। उन्हें दिसंबर में पशुधन मंत्री बनाया गया था। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार निधन से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने श्रीलंका में भारत के नए उच्चायुक्त गोपाल बाग्ले से मुलाकात की थी और समुदाय के विकास के लिए द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की थी।

20 फुट तक जा सकता है कोरोना वायरसः अध्ययन

भाषा। लॉस एंजिलिस

एक अध्ययन में दावा किया गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए एक-दूसरे से छह फुट की दूरी बनाने का नियम नाकाफी है, क्योंकि यह जानलेवा वायरस छींकने या खांसने से करीब 20 फुट की दूरी तक जा सकता है। वैज्ञानिकों ने विभिन्न वातावरण की स्थितियों में खांसने, छींकने और सांस छोड़ने के दौरान निकलने वाली संक्रामक बूंदों के प्रसार का मॉडल तैयार किया है और पाया कि कोरोना वायरस सर्दी और नमी वाले मौसम में तीन गुना तक फैल सकता है।

इन शोधार्थियों में अमेरिका के सांता बारबरा स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधार्थी भी शामिल हैं। उनके मुताबिक, छींकने या खांसने के दौरान निकली संक्रामक बूंदें विषाणु को 20 फुट की दूरी तक ले जा सकती हैं। लिहाजा, संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मौजूदा छह फुट की सामाजिक दूरी का नियम अपर्याप्त है।

छह फुट की शारीरिक दूरी का नियम अपर्याप्त

पिछले शोध के आधार पर उन्होंने बताया कि छींकने, खांसने और यहां तक कि सामान्य बातचीत से करीब 40,000 बूंदें निकल सकती हैं। यह बूंदें प्रति सेकंड में कुछ मीटर से लेकर कुछ सौ मीटर दूर तक जा सकती हैं। इन पिछले अध्ययन को लेकर वैज्ञानिकों ने कहा कि बूंदों की वायुगतिकी, गर्मी और पर्यावरण के साथ उनके बदलाव की प्रक्रिया वायरस के प्रसार की प्रभावशीलता निर्धारित कर सकती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि श्वसन बूंदों के माध्यम से कोविड-19 का संचरण मार्ग कम दूरी की बूंदें और लंबी दूरी के एरोसोल कणों में विभाजित है। अध्ययन में कहा गया है कि बड़ी बूंदें गुरुत्वाकर्षण के कारण आमतौर पर किसी चीज पर जम जाती हैं जबकि छोटी बूंदें, एरोसोल कणों को बनाने के लिए तेजी से वाष्पित हो जाती हैं, ए कण वायरस ले जाने में सक्षम होते हैं और घंटों तक हवा में घूमते हैं। उनके विश्लेषण के मुताबिक, मौसम का प्रभाव भी हमेशा एक जैसा नहीं होता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि कम तापमान और उच्च आर्द्रता बूंदों के जरिए होने वाले संचरण में मद्दगार होती है जबकि उच्च तापमान और कम आर्द्रता छोटे एरोसोल-कणों को बनाने में सहायक होता है। वैज्ञानिकों ने अध्ययन में लिखा है कि रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा अनुशंसित छह फुट की दूरी वातावरण की कुछ स्थितियों में अपर्याप्त हो सकती है, क्योंकि ठंडे और आर्द्र मौसम में छींकने या खांसने के दौरान निकलने वाली बूंदें छह मीटर (19.7 फुट) दूर तक जा सकती हैं। अध्ययन में रेखांकित किया गया है कि गर्म और शुष्क मौसम में यह बूंदें तेजी से वाष्पित होकर एरोसोल कणों में बदल जाती हैं जो लंबी दूरी तक संक्रमण फैलाने में सक्षम होते हैं। उसमें कहा गया है कि ए छोटे कण फेफड़ों में अंदर तक प्रविष्ट हो सकते हैं।

पता चला कोशिका में कैसे प्रवेश करता है कोरोना नई औषधि के विकास में मिल सकती है मदद

न्यूयॉर्क। वैज्ञानिकों ने नए कोरोना वायरस की एक विशेषता की पहचान की है जिससे यह मेजबान के प्रतिरोधक तंत्र से बचते हुए प्रभावी रूप से कोशिका में प्रवेश करता है। इस खोज से कोविड-19 के खिलाफ दवा विकसित करने में मदद मिल सकती है। अमेरिका के माउंट सिनाई स्थित ईक्हैन स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधार्थियों का मानना है कि यह समझने से कि नया कोरोना वायरस, सार्स-सीओवी-2 कैसे कोशिका में प्रवेश करता है और अन्य कोरोना वायरसों से इसकी तुलना कोविड-19 का इलाज तलाश करने की दिशा में अहम कड़ी है। पीएनएएस नामक पत्रिका में छपे नए अध्ययन के मुताबिक वैज्ञानिकों ने यह पता लगा लिया है कि कैसे सार्स-सीओवी-2 और 2002-03 में महामारी का सबब बना। सार्स-सीओवी वायरस मानव एसीई-2 अभिग्राही प्रोटीन को कोशिका में घुसने के लिए प्रवेश द्वार के तौर पर इस्तेमाल करता है। नया कोरोना वायरस और सार्स-सीओवी कोशिकाओं में कैसे प्रवेश करते हैं, यह समझने के लिए प्रयोगशाला में संश्लेषित संस्करण के परीक्षण से शोधकर्ताओं ने उस अहम तंत्र की पहचान की जिससे सार्स-सीओवी-2 मेजबान के प्रतिरोधी तंत्र से बचते हुए कोशिका में प्रवेश करता है। सार्स-सीओवी-2 की सतह पर मौजूद शूलयुक्त प्रोटीन मेजबान कोशिका के अभिग्राही एसीई2 से एक हिस्से के जरिए उसकी सतह पर जुड़ता है जिसे अभिग्राही बाध्यकारी क्षेत्र (रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन) या आरबीडी कहते हैं।

पेरिस में एक रेस्तरां में प्लास्टिक की ढाल के नीचे भोजन करते एक पुरुष और एक महिला

लॉकडाउन में सेवा दे रहे कैब ड्राइवर भी कोरोना योद्धा

देश में कोरोना वायरस संक्रमण से फैली बीमारी कोविड 19 से लड़ते हुए देश के डॉक्टर और नर्स रात दिन एक किये दे रहे हैं। इसी के साथ कुछ ऐसे लोग भी हैं जो समाचारों की हेड लाइन चाहे न बन पाते हों लेकिन उनके योगदान को नकारा नहीं जा सकता। ऐसे संकट के समय अपने कर्तव्यों को पूरी सच्चाई के साथ निभाने वाले कैब चालकों से बात की पायनियर संवाददाता मुज़्बा हाशमी ने -

हमनें कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि मानव जाति को इस महामारी से बचाने के लिए घरों के भीतर तक सिमट कर रह जाना ही एक विकल्प होगा। अब तो सुरक्षित रहने के लिए सभी को मास्क लगाना, सैनिटाइज़र का प्रयोग और दस्तानों के साथ ही छः फिट की सामाजिक दूरी को भी सुनिश्चित करना होगा। अब लोग इस महामारी के बाद के विश्व की कल्पना करते हुए इससे लड़ते हुए स्वयं को सुरक्षित रखने के तौर तरीके ढूंढ रहे हैं। लेकिन अब ऐसी स्थिति आने में अभी समय लगने वाला हैं।

देश को इस महामारी से छुटकारा दिलाने के लिए हमारे डॉक्टर, नर्स, पुलिस अधिकारी तथा सिपाही अपने जीवन को भी संकट में डालकर हमें सुरक्षित रखने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। लेकिन उनके अलावा भी इस कहानी के कई ऐसे नायक हैं जिनका योगदान भी कम नहीं कहा जा सकता। हम आपको मिलाते हैं महिला कैब चालक 24 वर्षीय पूजा कुमारी से जो देश की सेवा का अवसर मिलने और अपना योगदान देकर अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव कर रही हैं।

पदमनोचन मलिक, उबर मेडिसिन टीम ड्राइवर पार्टनर

कुमारी उबर से दो साल पहले जुड़ी थीं और कंपनी की एक महिला चालक के रूप में काम करके अत्यंत गर्व का अनुभव करती हैं। उन्होंने बताया, 'चालक का कार्य करने से पहले भी मैं कंपनी में ही काम कर रही थी। वहां कार चलाना सीख रही एक लड़की ने मुझे भी कार चलाना सीखने के लिए प्रेरित किया। उसका विचार मुझे अच्छा लगा और फिर मैंने भी कार चलाना सीखने का निर्णय किया। अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद मैं काम मिलने की प्रतीक्षा कर रही थी लेकिन उन दिनों लोग महिला कार चालक को रखने में हिचकते थे। इसके बाद मैंने एक प्रमुख कैब सेवा प्रदाता कंपनी में काम करना प्रारंभ किया। तभी मुझे पता चला कि कि उबर भी महिला चालकों को रखती है और उन्हें आकर्षक वेतन और अच्छी सुविधाओं के साथ रखती है। इसके बाद मैंने वहां से उबर जाने का निर्णय किया। इसके बाद से लेकर आजतक मेरे अनुभव अद्भुत रहे हैं।'

पूजा प्रातः 8 बजे घर छोड़ देती हैं और रात 9 बजे वापस लौटती हैं। 'मैं उबर मेडिक टीम के साथ काम करती हूं। एनएचए और उबर की साझेदारी के चलते मैं कैंसर के रोगियों को उपचार के लिए घर से अस्पताल जाने में उनकी मदद करती हूं। वर्तमान में कोविड के अलावा दूसरी एंबुलेंस सेवाएं बाधित हैं लेकिन कैंसर जैसे घातक रोग से प्रभावित लोगों को उनके हाल पर नहीं छोड़ा जा सकता। उन्हें भी तात्कालिक सहायता की आवष्यकता होती है,' अपनी बहन और जीजा के साथ दिल्ली के जसोला विहार में रहने वाली पूजा ने बताया। उन्होंने बताया कि चालक की सीट पर महिला को देखकर कई लोगों को आश्चर्य होता है। उन्होंने इसके बारे में अधिक बताते हुए कहा, 'मुझे अधिक चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा। मेरा सौभाग्य है कि लोगों के साथ चलने का मेरा अनुभव अत्यंत सुखद है। जब भी किसी सवारी को पता चलता है कि मैं लड़की हूं तो वे मेरी प्रशंसा करते हैं। जबकि कुछ लोगों को तो बहुत बाद में पता चला कि वे महिला चालक के साथ जा रहे हैं।'

कुमारी उन कोरोना योद्धाओं में से एक हैं जो एक मुस्कान के साथ इस युद्ध के मैदान में डटे हैं। उनका कहना है, 'ये समय हर व्यक्ति के लिए कठिन है। ऐसी महामारी के समय रोड पर होना चुनौतीपूर्ण तो है ही। मुझे भी भय लगता है। मैं भी सुरक्षित रहना चाहती हूं लेकिन यदि हम सभी ऐसा ही सोच लेंगे तो फिर प्रभावित लोगों की सहायता कौन करेगा। इस भय से मुक्त रहने के लिए मैं कार में सुरक्षा के सभी मानकों का ध्यान रखती हूं। मैं सदैव अपने दस्ताने और मास्क पहने रहती हूं। बीच बीच में मैं ग्लव्ज़ को सैनिटाइज़ करती रहती हूं। जब भी कोई सवारी कार छोड़ती है तो मैं दूसरी सवारी उठाने से पहले उसकी सीट को कीटाणुनाशक स्प्रे से सैनिटाइज़ करती हूं। इसके अलावा हम सवारी और चालक के बीच में एक छत से फर्श तक एक प्लास्टिक सीट डाले रहती हूं ताकि चालक और सवारी के बीच में संपर्क को रोका जा सके।'

कुमारी ने हमें बताया कि वो बार बार कार से बाहर निकलने से बचती हैं, 'मैं अपना लंच और पानी की बोतल घर से लाती हूं। अपने ड्यूटी के घंटे समाप्त होने से पहले मैं कार से बाहर आने से बचती हूं। मैं स्वयं को कार से अधिक सुरक्षित कहीं भी और नहीं समझती।'

दूसरों की अपेक्षा कुमारी के परिवार ने उनका पूरा साथ दिया है। वे उसकी प्रशंसा करते हैं कि पूजा कुछ अच्छा काम कर रही है, 'जब मैं घर वापस आती हूं। मेरी बहन मेरे लिए एक बाल्टी गर्म पानी तैयार रखती है ताकि मैं अपने पैर तथा हाथ धोकर स्वच्छ हो सकूं। इसके बाद वो मेरे लिए चाय बनाती है और मेरे कपड़े धोती है।'

उसके अलावा भी एक 43 वर्षीय पद्मलोचन मलिक जैसे चालक भी हैं वो भी मेडिक चालक दल में अपनी सेवा दे रहे हैं। वो भी अपने घर से

पूजा कुमारी, उबर मेडिसिन टीम ड्राइवर पार्टनर

मीलों दूर रहते हुए इस पुनीत कार्य में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया, 'देश की किसी भी प्रकार से सेवा के लिए ये सर्वश्रेष्ठ समय है। ये मेरा सौभाग्य है कि कंपनी ने उसे ये अवसर दिया है। इससे न केवल मुझे आय होती है बल्कि ऐसे संकट के समय देश के किसी काम आने का एक सुखद अनुभव भी होता है,' परिवार में मा के अलावा एकमात्र आजीविका कमाने वाले मलिक ने बताया। मलिक की मां ओडिशा में रहती हैं और दिन में आठ घंटे काम करती हैं। वो भी उबर की मेडिक टीम के साथि पिछले दो माह से कार्यरत हैं, 'मैं कनॉट प्लेस स्थित आरएमएल के डॉक्टर्स को प्रतिदिन उनके घर से अस्पताल आने में उनकी सहायता करता हूं। डॉक्टर्स को सुरक्षित रूप से आने जाने में सहायता करके मुझे आत्मिक सुख मिलता है। मैं उनसे अपनी सुरक्षा का भी अधिकतम ध्यान रखने के लिए कहता हूं। क्योंकि यदि वे ही बीमार हो गए तो हमारा क्या होगा?,' मलिक ने हमें बताया।

कुमारी की ही तरह से उसकी कार भी हर दिन सैनिटाइज़ की जाती है, 'ग्लव्ज़ और मास्क आवश्यक हैं। मैं हर सुरक्षा मानक का पूरी तरह से अनुपालन करता हूं। अपनी सवारियों के बारे में कहूं तो वे स्वयं डॉक्टर होते हैं वे पूरे समय पीपीई किट पहने रहते हैं। वे लोग किसी भी दूसरे व्यक्ति की अपेक्षा अधिक सावधानियां रखते हैं,' उसने हमें बताया।

युद्धस्तर पर काम करना आजकल किसी को प्रिय नहीं होता। प्रारंभ में मलिक भी इस निर्णय को लेने से घबरा रहे थे लेकिन एक बार निर्णय कर लिया तो कर लिया। वो बताते हैं, 'जब मुझे मेडिक टीम का हिस्सा बनने के लिए बुलाया गया तो मुझे कुछ सूझ नहीं रहा था। मैं सोचता था कि दिन भर बाहर रहकर काम करने का अनुभव कैसा रहता होगा। मेरा परिवार भी इसके विरुद्ध था। उन्होंने मुझसे ऐसा जोखिम न उठाने के लिए कहा। लेकिन मैंने इस अवसर को भुनाने का निर्णय किया। क्योंकि ऐसा अवसर बाद में नहीं भी मिल सकता था। मैंने जोखिम उठाया। पहले कुछ दिन तो अपनी सुरक्षा के बारे में सोचने में गए। लेकिन जैसे जैसे समय बीता तो मुझे अपने आप सुरक्षा का अनुभव होने लगा। लेकिन अब ऐसा कोई भी डर नहीं है। और जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मुझे तो अपने काम पर गर्व होता है।'

मलिक केवल अपने परिवार के न होने से दुखी रहते हैं, 'मैं अपने परिवार से मीलों दूर हूं। मैं दिल्ली में अकेले रहता हूं। जब लॉकडाउन खुल जाएगा, मैं सीधे अपने बच्चों-दो बेटियां और एक बेटे से मिलने चला जाऊंगा। वैसे फोन पर उनसे बात होती रहती है लेकिन मैं उन्हें सीधे मिलने की इच्छा रखता हूं,' दिन में तीन चक्कर लगाने वाले मलिक ने हमें बताया।

हम इन कोरोना योद्धाओं का पर्याप्त धन्यवाद भी नहीं कर सकते क्योंकि ऐसे अप्रत्याशित संकट के समय वो जो कर रहे हैं वो अप्रतिम है। केवल वे ही नहीं, उनके जैसे अन्य योद्धा भी हैं जो कोरोना महामारी से संघर्ष में अपना दायित्व पूरी शक्ति से निभा रहे हैं।

अक्षय कुमार ने 45 लाख रुपए और दान दिए

अभिनेता अक्षय कुमार लगातार कोरोना वॉरियर्स और उन लोगों की मदद कर रहे हैं जो कोविड 19 महामारी से प्रभावित हैं। पीएम केयर्स फंड में 25 करोड़ और पीपीई किट्स और मास्क के लिए बीएमसी को 3 करोड़ डोनेट करने के बाद अब अक्षय ने एक बार फिर तमाम लोगों का दिल जीत लिया है। दरअसल अक्षय सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स असोसिएशन के मेंबर्स की मदद को आगे आए हैं। उन्होंने कलाकारों के लिए 45 लाख रुपये डोनेट किए हैं जो कि इस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हैं। इस खबर की पुष्टि संस्था के सीनियर जॉइंट सेक्रेटरी अमित बहल ने की है। बहल ने बताया कि अक्षय ने तुरंत मेंबर्स की लिस्ट मांगी और हमने भेज दी। हमारे सभी 1500 मेंबर्स के थैंक्यू मेसेज आ रहे हैं। उनके खातों में 3000 रुपये पहुंच गए हैं जिसका टोटल 45 लाख है। संकट की स्थिति बढ़ने पर साजिद और अक्षय ने आगे भी डोनेशन का वादा किया है। बता दें, अक्षय ऐसे पहले ऐक्टर हैं जो लॉकडाउन के बीच हाल ही में सेट पर लौटे। 20 मेंबर्स की टीम के साथ अक्षय और आर बाल्की ने एक गवर्नमेंट ऐड के लिए शूट किया जिसमें लॉकडाउन के बाद हर नागरिक की जिम्मेदारी के बारे में बताया गया है।

मां को लेकर स्वरा चिंतित

चर्चित अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने बताया कि 'जब मुझे पता चला कि मेरी मां गिर पड़ी हैं और उनके दाहिने हाथ में हड्डी टूट गई है तो मैं उनके लिए चिंतित हो गई थी। मुझे पहला विचार उनके पास दिल्ली जाने का आया, लेकिन लॉकडाउन के कारण ये संभव नहीं था। लेकिन जब आने-जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तो मैंने सड़क मार्ग से दिल्ली जाने की अनुमति मांगी और ऐसा करके मैं मुंबई से दिल्ली पहुंची।'

आमिर के प्रोजेक्ट को मिली प्रशंसा, बनी लघु फिल्म

ओरेगांव स्टेट यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय परमाकल्चर डिजाइनर तथा प्रोफेसर एंड्रयू मिलीसन ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर आमिर खान तथा किरण राव के 'पानी फाउंडेशन' पर एक एपिसोड रिलीज़ किया। हाल ही में एंड्रू महाराष्ट्र के एक गांव में वॉटरशेड प्रबंधन से जुड़े उनके काम को समझने के लिए थे। वो वहां गांव वालों द्वारा सीखे गए काम को देखकर दंग रह गए। इसके लिए पानी फाउंडेशन ने एक वॉटर कप प्रतियोगिता रखी थी। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को पृथ्वी पर परमाकल्चर की सबसे बड़ी परियोजना बताया। उन्होंने इसपर एक लघु फिल्म भी बनाई।

रूबी रोज़ ने छोड़ा बैटवोमेन का चरित्र

हॉलिवुड अभिनेत्री रूबी रोज़ ने इस सीज़न के बाद बैटवोमेन के चरित्र को छोड़ने का निर्णय किया है। उनका कहना है कि इस लीड रोल को छोड़ने का निर्णय कठिन था।

उन्होंने बताया, 'मैंने इस अत्यंत कठिन निर्णय को ले लिया है और अब मैं बैटवोमेन के अगले सीज़न में आपको इस रूप में नहीं दिखूंगी।'

उन्होंने आगे बताया, 'ये मेरे लिए सरल निर्णय नहीं था क्योंकि मैं इस शो में लगे लोगों की टीम, कलाकार और सभी लोगों का सम्मान करती हूं। उनकी प्रशंसा के लिए तो मेरे पास पर्याप्त शब्द भी नहीं हैं।'

अभिनेता किरण कुमार की कोविड-19 की तीसरी जांच निगेटिव

भाषा। मुंबई

अभिनेता किरण कुमार बुधवार को कोविड-19 की जांच में संक्रमण रहित पाए गए हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उनमें कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। 74 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि कोरोना वायरस संबंधी उनकी तीसरी जांच में नमूने संक्रमण रहित पाए गए हालांकि उनका परिवार अब भी पृथक-वास का पालन कर रहा है। कुमार ने एक बयान में कहा, मेरा परिवार अब भी घर पर पृथक रहने का सख्ती से पालन कर रहा है। मुझमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं थे और पृथक रहने के कारण हुई बोरियत के अलावा मुझे और कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा, मजबूरीवश पृथक रहने को मैं एक अवसर मानकर जीवन की छोटी-छोटी खुशियों पर ध्यान दे रहा हूं और आत्मावलोकन कर रहा हूं।

अभिनेता ने पिछले हफ्ते पीटीआई-भाषा को बताया था कि वह नियमित मेडिकल जांच के लिए 14 मई को अस्पताल गए थे जहां पर कोविड-19 की अनिवार्य जांच हो रही थी। इसमें वह संक्रमित पाए गए हालांकि उनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं थे। उन्होंने कहा, हिंदुजा खार और लीलावती के बेहतरीन चिकित्सकों ने हमें पर्याप्त जानकारी दी ताकि खौफ पैदा न हो। हमने अपनी कोविड-19 संबंधी स्थिति के बारे में बीएमसी को अवगत करवा दिया और सभी ने अपनी विटामिन की खुराक बढ़ा दी है।

महंगाई को देखकर तुलना करें तो अमर अकबर एंथनी ने बाहुबली 2 से ज्यादा कमाई की : अमिताभ

भाषा। मुंबई

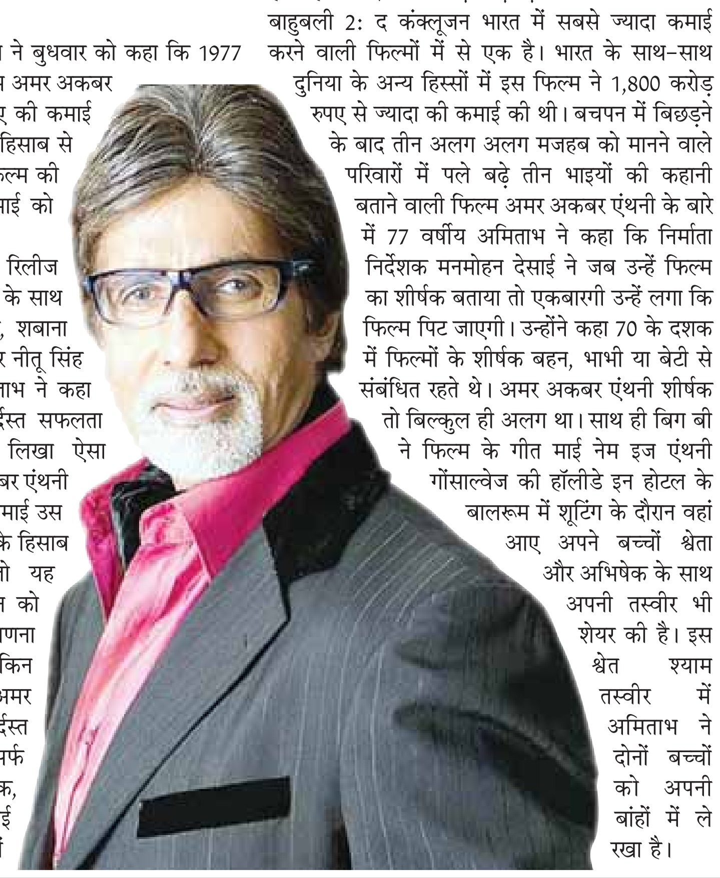

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बुधवार को कहा कि 1977 में रिलीज हुई उनकी फिल्म अमर अकबर एंथनी ने 7.25 करोड़ रुपए की कमाई की और अगर मंहगाई के हिसाब से तुलना की जाए तो उस फिल्म की आय बाहुबली 2 की कमाई को पीछे छोड़ देती है।

कुल 43 साल पहले रिलीज हुई इस फिल्म में बिग बी के साथ विनोद खन्ना, ऋषि कपूर, शबाना आजमी, परवीन बॉबी और नीतू सिंह ने काम किया था। अमिताभ ने कहा कि इस फिल्म को जबर्दस्त सफलता मिली थी। बच्चन ने लिखा ऐसा आकलन है कि अमर अकबर एंथनी ने 7.25 करोड़ रुपए की कमाई उस जमाने की। अगर महंगाई के हिसाब से गणना की जाए तो यह बाहुबली 2- द कंक्लूजन को पार कर जाती है। ऐसा गणना करने वाले कहते हैं। लेकिन तथ्य यह है कि फिल्म अमर अकबर एंथनी ने जबर्दस्त कमाई की। अकेले सिर्फ मुंबई में यह 25 सप्ताह तक, 25 सिनेमाघरों में दिखाई जाती रही, जो कि अब नहीं होता है। वे दिन बीत गए। एसएस राजमौली की फिल्म बाहुबली 2: द कंक्लूजन भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। भारत के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों में इस फिल्म ने 1,800 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी। बचपन में बिछड़ने के बाद तीन अलग अलग मजहब को मानने वाले परिवारों में पले बढ़े तीन भाइयों की कहानी बताने वाली फिल्म अमर अकबर एंथनी के बारे में 77 वर्षीय अमिताभ ने कहा कि निर्माता निर्देशक मनमोहन देसाई ने जब उन्हें फिल्म का शीर्षक बताया तो एकबारगी उन्हें लगा कि फिल्म पिट जाएगी। उन्होंने कहा 70 के दशक में फिल्मों के शीर्षक बहन, भाभी या बेटी से संबंधित रहते थे। अमर अकबर एंथनी शीर्षक तो बिल्कुल ही अलग था। साथ ही बिग बी ने फिल्म के गीत माई नेम इज एंथनी गोंसाल्वेज की हॉलीडे इन होटल के बालरूम में शूटिंग के दौरान वहां आए अपने बच्चों श्वेता और अभिषेक के साथ अपनी तस्वीर भी शेयर की है। इस श्वेत श्याम तस्वीर में अमिताभ ने दोनों बच्चों को अपनी बांहों में ले रखा है।

कोविड-19: आंद्रिया बोचेली भी हुए थे कोरोना वायरस से संक्रमित

भाषा। लॉस एंजिलिस

इटली के मशहूर गायक और गीतकार आंद्रिया बोचेली ने कहा है कि वह मार्च में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे लेकिन मिलान के गिरजाघर में ईस्टर के मौके पर ऐतिहासिक प्रस्तुति देने से पहले वह पूरी तरह से स्वस्थ हो गए थे। उनकी इस प्रस्तुति को दर्शकों ने इंटरनेट के माध्यम से देखा था। विख्यात ओपेरा गायक ने मंगलवार को एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से बताया कि वह संक्रमित थे। 61 वर्षीय गायक ने कहा कि उन्होंने संक्रमित होने की खबर को पहले सार्वजनिक नहीं किया क्योंकि वह अपने परिवार की निजता की रक्षा करना चाहते थे और यह भी नहीं चाहते थे कि उनके प्रशंसक बेवजह परेशान हों। उन्होंने कहा कि दुनियाभर को प्रभावित करने वाली इस महामारी ने उन्हें और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को भी प्रभावित किया। गायक ने अपने बयान में कहा, हम काफी किस्मत वाले थे कि हम मार्च के अंत तक तेजी से स्वस्थ हो गए। महामारी की वजह से इटली में पसरी उदासी और अनिश्चितता के बीच गायक ने 25 मिनट तक खाली शहर के बीच खाली गिरजाघर से प्रस्तुति दी जिसने ईस्टर के मौके पर उम्मीद को दर्शाया। गायक 12 साल की उम्र में ही अपनी आंखें गंवा चुके हैं। वेरायटी के अनुसार उनकी इस प्रस्तुति को 24 घंटे में 2.8 करोड़ लोगों ने देखा और अब तक उसे चार करोड़ से ज्यादा बार बार देखा जा चुका है।

रामगोपाल वर्मा ने बनाई कोरोना वायरस पर फिल्म

● कहा- दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया

भाषा। मुंबई

फिल्मकार रामगोपाल वर्मा ने बुधवार को कहा कि उन्होंने लॉकडाउन के बीच सभी जरूरी एहतियातों और दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कोरोना वायरस नामक फिल्म की शूटिंग की है। गौरतलब है कि देश में कोरोना वायरस के प्रसार से बचने के लिए मार्च के मध्य से सभी फिल्मों और टीवी धारावाहिकों की शूटिंग बंद है। वर्मा ने ट्विटर पर फिल्म का ट्रेलर जारी करते हुए कहा कि यह फिल्म महामारी पर आधारित है। फिल्म का निर्माण अगस्थ्या मंजू ने किया है जबकि वर्मा निर्माता के तौर पर इससे जुड़े हैं। वर्मा ने पृथक-वास की अपनी वीडियो डालने वाली हस्तियों पर निशाना साधते हुए कहा जब फिल्मों से जुड़े लोग पोछा लगाने, खाना पकाने और बर्तन धोने और कपड़े सुखाने आदि के वीडियो डाल रहे हैं, मैंने एक फिल्म बना डाली।

अजय ने सोनू सूद की तारीफ की

मुंबई। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन ने श्रमिकों की सहायता करने के लिये सोनू सूद की तारीफ की है। कोरोना वायरस महामारी संकट इस समय में सोनू सूद प्रवासी श्रमिकों के मसीहा के तौर पर उभरकर सामने आए हैं। सोनू सूद लगातार प्रवासी श्रमिकों को उनके घर भेजने का काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ भी हो रही है। सोनू सूद को लेकर अजय देवगन ने ट्वीट किया है और उनके इस काम की तारीफ की है। अजय देवगन ने सोनू सूद के काम की तारीफ करते हुए ट्वीट किया, आप प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित उनके घर वापस भेजने जैसा संवेदनशाली काम कर रहे होए वह काबिले तारीफ है।

बिल क्लिंटन और जेम्स पीटरसन साथ मिलकर फिर लिख रहे हैं उपन्यास

भाषा। नई दिल्ली

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और लेखक जेम्स पीटरसन एक साथ फिर से एक उपन्यास लिख रहे हैं। किताबों का प्रकाशन करने वाली प्रकाशन समूह पेंग्विन ने एक बयान में कहा, प्रेसिडेंट्स डाउटर को सेंचुरी मोटे कवर में, ईबुक और ऑडियोबुक के रूप में 2021 में प्रकाशित करने जा रही है। ठीक इसी समय पर यह उत्तरी अमेरिका में भी अल्फ्रेड ए नोफ और लिट्ल, ब्राउन एंड कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित होगी। क्लिंटन और पीटरसन इससे पहले साथ मिल कर पहली किताब द प्रेसिडेंट इज मिसिंग लिख चुके हैं। क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह प्रसिद्ध कहानीकार पीटरसन के साथ मिलकर किताब लिखेंगे। वहीं पीटरसन ने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के साथ काम करना उनके करियर की अच्छी चीजों में से एक है और वह खुश हैं कि उन्हें दोबारा यह मौका मिला है।